सुविचार
आप बड़ी से बड़ी से बड़ी असफलता से बाहर निकल सकते हैं, बशर्ते आप अपनी प्रेरणा और उम्मीद को थामे रखें।

Daily
सच के हक में...
THE PHOTON NEWS
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Tuesday, 25 June 2024 ● Year : 02 ● Issue : 157 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12

Trisha Krishnan Drops A Selfie...

SHARE

सेंसेक्स	:	77,341.08
निफ्टी	:	23,537.85

SARAFA

सोना	:	6,760
चांदी	:	96.02

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

18वीं लोकसभा का पहला सत्र : प्रधानमंत्री ने 1975 की इमरजेंसी को बताया काला धब्बा

पीएम मोदी ने दिलाई आपातकाल की याद मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिया करारा जवाब

AGENCY NEW DELHI : सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरूआत के पहले संसद परिसर में मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि 1975 में आपातकाल लोकतंत्र पर काला धब्बा है। इसकी 50 में बरसी के मौके पर देशवासी यह संकल्प लें कि भारत में फिर कभी कोई ऐसा कदम उठाने की हिम्मत न करे। प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए सवाल उठाया कि मोदी लगातार आपातकाल का जिक्र कर कब तक शासन करने का इरादा रखते हैं। आप इसे 100 बार दोहराएंगे। आपातकाल घोषित किए बिना आप इस तरह से कार्य कर रहे हैं। इसे सामने लाकर आप कब तक शासन करने की योजना बना रहे हैं। पिछले 10 वर्षों के उसे अघोषित आपातकाल को भूल गए जिसका जनता ने इस लोकसभा चुनाव में अंत कर दिया है।

रस्सी जल गई, बल नहीं गया : खड़गे ने कहा कि देश को आशा थी कि मोदी जी महत्वपूर्ण मुद्दों पर कुछ बोलेंगे। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी ने अपने घिसेपिटे शब्द आज जरुरत से ज्यादा बोले। इसे कहते हैं, रस्सी जल गई, बल नहीं गया। खड़गे ने कहा कि नीट व अन्य भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक के बारे में युवाओं के प्रति कुछ सहानुभूति दिखाएंगे, पर उन्होंने अपनी सरकार की धांधली व भ्रष्टाचार के बारे में कोई ज़िम्मेदारी नहीं ली। हाल ही में हुई पश्चिम बंगाल की रेल दुर्घटना के बारे में भी मोदी जी मौन साधे रहे।

सदन के बाहर मीडिया से रूबरू होते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

पीएम मोदी, केंद्रीय मंत्रियों, कई दलों के सदस्यों ने ली शपथ

सोमवार को अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनकी मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ ही अन्य नवनिर्वाचित सदस्यों ने सदन के सदस्य के रूप में शपथ ली। कार्यवाहक अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) भर्तृहरि महताब ने सदन की कार्यवाही का संचालन किया और सदस्यों को शपथ दिलाई। कार्यवाही शुरू होते ही सदन के नेता होने के नाते मोदी ने सबसे पहले शपथ ली। इस दौरान सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मोदी मोदी और जय श्री राम के नारे लगाए। प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण करते समय कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत विपक्षी सदस्य अपने स्थानों पर संविधान की प्रति लेकर खड़े थे। जब गृह मंत्री अमित शाह शपथ लेने आए तब भी विपक्षी सदस्यों ने संविधान की प्रति अपने हाथ में ले रखी थी, हालांकि इस दौरान वे अपने स्थानों पर बैठे हुए थे। सदन की कार्यवाही शुरू होने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस के सदस्य कल्याण बनर्जी, समाजवादी पार्टी के सांसदों अखिलेश यादव और अवधेश प्रसाद को विपक्षी खेमे में सबसे आगे की पंक्ति में बैठे हुए देखा गया। प्रसाद ने उत्तर प्रदेश की फैजाबाद सीट से भाजपा नेता लल्लू सिंह को हराया है। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले महताब ने राष्ट्रपति भवन में सदन के सदस्य और कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में शपथ ली थी। उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री मोदी के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ सदस्य राधा मोहन सिंह और फग्गन सिंह कुलस्ते ने सदस्य के रूप में शपथ ली। दोनों सदस्य अगले दो दिन सदन की कार्यवाही के संचालन में कार्यवाहक अध्यक्ष महताब की सहायता करेंगे।

नड्डा बने राज्यसभा में सदन के नेता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा को राज्यसभा में सदन का नेता नामित किया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उच्च सदन में नड्डा केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की जगह लेंगे। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में गोयल ने महाराष्ट्र से जीत दर्ज की है। गोयल ने आज निचले सदन के सदस्य के तौर पर शपथ ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे राज्यसभा में विपक्ष के नेता हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने नड्डा को

उनकी नयी जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और उम्मीद जताई कि वह सदन में विपक्ष की आवाज को समायोजित करेंगे। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जेपी नड्डा जी को राज्यसभा में सदन का नेता बनाए जाने पर बधाई।

संविधान की प्रति लेकर संसद पहुंचे 'इंडिया' गठबंधन के सांसद

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और विपक्षी गठबंधन ह्यइंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंसह्न ('इंडिया') के कई घटक दलों के नेता 18वीं लोकसभा सत्र के पहले दिन संविधान की प्रति लेकर संसद पहुंचे और कहा कि वे संविधान की रक्षा करेंगे। बता दें कि हालिया लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने संविधान को एक बड़ा मुद्दा बनाया था। उनका आरोप था

कि भाजपा संविधान बदलना चाहती है। संसद परिसर में कांग्रेस के अलावा द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। उन्होंने 'संविधान की रक्षा हम करेंगे' और 'तानाशाही नहीं चलेगी' के नारे लगाए। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने विपक्षी सांसदों की नारेबाजी का वीडियो साझा करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, हम लोकतंत्र के प्रहरी हैं। हम संविधान की रक्षा करने और उसे कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अन्याय के खिलाफ लड़ने के अपने संकल्प में एकजुट हैं।

BRIEF NEWS

अरविंद केजरीवाल को नहीं मिली 'सुप्रीम' राहत

NEW DELHI : दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। केजरीवाल को अभी जेल में ही रहना होगा। अब मामले की अगली सुनवाई 26 जून को होगी। सुप्रीम कोर्ट में कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े ईडी के मामले की सुनवाई सोमवार को हुई। शीर्ष कोर्ट ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत पर रोक लगाने के हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए 26 जून की तारीख तय की। सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल की ओर से वकील अभिषेक सिंघवी पेश हुए जिन्होंने कथित घोटाले से जुड़े ईडी के मामले में जमानत आदेश पर हाई कोर्ट की रोक हटाने का अनुरोध किया। इधर, दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट से मिली जमानत बरकरार रहती है या नहीं, इस पर दिल्ली हाईकोर्ट कल यानी 25 जून को दोपहर 2:30 बजे फैसला सुनाएगा।

प्रयागराज में सड़क हादसा पांच लोगों की गई जान

PRAYAGRAJ : उत्तर प्रदेश में प्रयागराज जनपद के सरायममरेज थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह टैंकर की चपेट में आने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने टैंकर चालक को पकड़ लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जताते हुए जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। पुलिस के मुताबिक, सरायममरेज थाना क्षेत्र के सोरो पेट्रोल पंप के पास सुबह एक बेकाबू टैंकर ने मोटर साइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में विकास (25), देवकी की पत्नी सुम्मरी (60) और नमकीन की पत्नी जनता (34) बेटा दीवाना और आठ माह की बच्ची लक्ष्मी की मौत हो गई। घटना के बाद भाग रहे टैंकर चालक को भीड़ ने पकड़ लिया।

उतार-चढ़ाव के बीच सेंसेक्स 131 अंक मजबूत

NEW DELHI : उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। हालांकि, शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स-निफ्टी में नरमी देखी गई थी। बाजार के आखिर कारोबार में बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) सेंसेक्स सोमवार को 131 अंक की बढ़त में रहा। बैंक शेयरों में लिवाली और यूरोप के प्रमुख बाजारों में मजबूत शुरूआत से बाजार को समर्थन मिला। 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 131.18 अंक यानी 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ 77,341.08 अंक पर बंद हुआ। शुरूआती कारोबार में मानक सूचकांक 463.96 अंक तक लुढ़क गया था। बाद में इसमें तेजी आयी और यह 213.12 अंक चढ़ गया।

चम्पाई ने अधिकारियों को दी चेतावनी

वनपट्टा के आवेदनों को रद्द करने पर लेंगे एक्शन

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के सीएम चम्पाई सोरेन ने कहा कि अबुआ वीर, अबुआ दिशोम अभियान को अधिकारी हल्के में नहीं लें। वनपट्टा के आवेदनों को जानबूझकर रद्द नहीं करें। वनपट्टा के लिए प्राप्त आवेदनों को जानबूझकर रद्द करने पर राज्य सरकार उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। मजबूत इच्छाशक्ति से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। वन अधिकार अधिनियम को सरल और पारदर्शी बनाकर झारखंड के वन क्षेत्र में रहने वाले आदिवासी-मूलवासी सहित सभी वर्ग-समुदाय के लोगों को ग्राम सभा के निर्णय के अनुसार सम्मान के साथ वनपट्टा दें। एटीआई सभागार में आयोजित कार्यशाला में कहा कि सभी वर्ग समुदाय के लोगों को वन अधिकार अधिनियम के तहत उन्हें उनका हक-अधिकार प्रदान करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है।

खास बातें

- मजबूत इच्छाशक्ति जागृत कर दायित्वों का निर्वहन करें अधिकारी
- वनपट्टा के लिए प्राप्त आवेदनों को जानबूझकर रद्द नहीं करें
- अबुआ वीर, अबुआ दिशोम है महत्वपूर्ण अभियान
- पूर्वजों ने कोल्हान से हक-अधिकार के लिए की थी आंदोलन की शुरुआत

राहुल गांधी ने एनडीए के 15 दिनों के कार्यकाल की जारी की रिपोर्ट

NEW DELHI : सोमवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर संविधान पर हमला करने का आरोप लगाया और दावा किया कि वह मनोवैज्ञानिक रूप से बैकफुट पर हैं तथा अपनी सरकार बचाने में व्यस्त हैं। राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक पोस्ट डाला और केंद्र सरकार के पहले 15 दिनों के कार्यकाल की रिपोर्ट जारी की। राहुल ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में 15 दिनों में जो मुद्दे सबसे अधिक छाए रहे, उसकी सूची जारी की। इसमें ट्रेन दुर्घटना, नीट सहित 10 मुद्दों को गिनाया। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को चेतानी भी डाली।

झारखंड से 5, बिहार से 13, गोधरा से 5 व लातूर से दो आरोपी अरेस्ट

नीट पेपर लीक मामले में एक्शन में सीबीआई, अब तक 25 की गिरफ्तारी

PHOTON NEWS TEAM : नीट मामले में अबतक 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें झारखंड से 5, बिहार से 13, गोधरा से 5 और लातूर से दो आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। गुजरात पुलिस ने अबतक गोधरा के एक स्कूल के प्रधानाचार्य और शिक्षक सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। केंद्रीय अन्वेषण बयूरो (सीबीआई) की एक टीम पांच मई को हुई राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए सोमवार को गुजरात के पंचमहल जिले में स्थित गोधरा शहर पहुंची। इधर, नीट-यूजी और यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने के खिलाफ सोमवार को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया गया।

परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन करते छात्र।

बिहार-झारखंड के 100 अभ्यर्थियों को नीट-यूजी का मिला था पेपर

बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध यूनिट (ईओयू) ने नीट-यूजी पेपर लीक केस की रिपोर्ट केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को सौंप दी। सूत्रों के मुताबिक इसमें कहा गया है कि 5 मई को सेंटर पहुंचने से पहले ही बिहार-झारखंड के 100 अभ्यर्थियों को नीट का पेपर मिल गया था। इस लीक को परीक्षा माफिया और साइबर अपराधियों ने मिलकर अंजाम दिया। इसमें एक दिन पहले झारखंड के देवघर से गिरफ्तार चिंटू, मुकेश, पंकु, परमजीत, राजीव कुमार शामिल थे। चिंटू इस लीक कांड के मुख्य सरगना संजीव मुखिया का रिश्तेदार है। चिंटू के गांव का मुकेश है। जबकि पंकु, परमजीत और राजीव साइबर अपराधी हैं।

प्रिंसिपल का दावा

ओएसिस स्कूल में नहीं हुआ नीट का पेपर लीक

नीट पेपर लीक मामले में झारखंड कनेक्शन को लेकर नई बात सामने आई है। हजारीबाग के कल्लू चौक मंडई रोड स्थित ओएसिस स्कूल में नीट का पेपर लीक नहीं हुआ है। यह दावा स्कूल के प्राचार्य और एग्जामिनेशन के सिटी कॉर्डिनेटर डॉ एहसान उल हक ने किया है। डॉ एहसान ने बताया कि रांची से क्वेश्चन पेपर को ब्लू डार्ट कूरियर सर्विस ने अपने नेटवर्क की गाड़ी से तीन मई को हजारीबाग स्थित अपने सेंटर पर पहुंचाया। यहां से एसबीआई बैंक तक क्वेश्चन पेपर को ले जाने में एनटीए की एसओपी का पालन नहीं किया गया था। कूरियर एजेंसी ने अपने सेंटर से बैंक तक ई-रिक्शा से क्वेश्चन पेपर भेजे थे। जबकि, क्वेश्चन पेपर हमेशा बंद गाड़ी में भेजा जाता है। इस दौरान वहां बैंक के अधिकारी बतौर कस्टोडियन मौजूद रहते हैं।

खुफिया रिपोर्ट में खुलासा पाकिस्तानी आतंकी फिर से सीमा लांघने की फिराक में, कड़ी की गई सुरक्षा

पुंछ-राजौरी सेक्टर में 40 विदेशी आतंकी सक्रिय

PHOTON NEWS DESK : केंद्र में एनडीए सरकार बनने के दिन से 72 घंटे के भीतर जम्मू-कश्मीर में लगातार तीन आतंकी हमले होने के बाद खुफिया एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। पिछले एक पखवाड़े में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ों में 04 आतंकी मार गिराए गए हैं। बढ़ते आतंकवादी हमलों के बीच एक खुफिया रिपोर्ट ने चौंका दिया है कि पुंछ-राजौरी सेक्टर में करीब 40 विदेशी आतंकवादी मौजूद हैं, जिसके बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि पाकिस्तानी आतंकी एक बार फिर से सीमा लांघने की फिराक में हैं। अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले सुरक्षा बलों ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। राष्ट्रपति भवन में जब 9 जून को भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर इतिहास रच रहे थे, उसी समय जम्मू-कश्मीर के रियासी में आतंकियों ने तीर्थयात्रियों को लेकर वैष्णो देवी जा रही एक बस पर घात लगाकर हमला किया था।

भारतीय सेना ने 200 बख्तरबंद वाहनों के साथ अतिरिक्त सैनिकों को किया तैनात

कुछ दिनों में आतंकियों ने किए थे कई हमले

तीर्थयात्रियों को लेकर वैष्णो देवी जा रही बस के ड्राइवर को गोली लगने के कारण बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी थी। इस आतंकी हमले में 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी और 30 से अधिक घायल हुए थे। इसी कड़ी में आतंकवादियों ने 11 और 12 जून को चत्तरगल्ला और कोटा टॉप इलाके में सेना और पुलिस की संयुक्त जांच चौकी पर हमला किया था, जिसमें छह सैन्यकर्मी और दो पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। जम्मू-कश्मीर में हाल के दिनों में आतंकी हमले में इजाफा हुआ है। आतंकी सीमा पार से घुसपैठ कर यहां दहशत का माहौल बनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं लेकिन सेना के चौकस जवान और सुरक्षा बल आतंकियों के मंसूबों पर पानी फेर दे रहे हैं। इस बीच 19 जून को बारामूला में सुरक्षाबलों को आतंकवादियों के मौजूद होने की सूचना मिली। इसके बाद सुरक्षाबलों ने बारामूला जिले के वाटरगाम इलाके में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया।

मार गिराए गए थे दो आतंकी

22 जून को एक बार फिर आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में एलओसी पार करने का प्रयास किया, लेकिन जवानों ने इसे नाकाम कर दिया। सुरक्षाबलों की फायरिंग में दो आतंकी ढेर हो गए। आतंकवादियों ने पिछले चार दिनों में रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार स्थानों पर हमले किए, जिसमें नौ तीर्थयात्रियों और एक सीआरपीएफ जवान की मौत हो गई और सात सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। केंद्र शासित प्रदेश में हाल के आतंकी हमलों में शामिल उग्रवादियों का पता लगाने और उन्हें निष्क्रिय करने के लिए जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों के वन क्षेत्रों में सुरक्षा बलों ने अभी भी बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चला रखा है। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी समूह जम्मू सेक्टर के पीर पंजाल पर्वतमाला के दक्षिण में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने के प्रयास कर रहे हैं। इस बीच सामने आ रहा है कि इस क्षेत्र में करीब 35-40 विदेशी आतंकवादी सक्रिय हैं और वे छोटी-छोटी टीमों में काम कर रहे हैं, जिनमें से प्रत्येक में दो-तीन आतंकवादी हैं। आतंकवादियों की संख्या का आकलन खुफिया एजेंसियों और जमीन पर काम कर रहे बलों से मिले इनपुट पर किया गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीजीपी रश्मि रंजन स्वैन ने भी नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार लॉन्च पैड पर लगभग 60 से 70 आतंकवादियों के 'सक्रिय' होने की पुष्टि की है। सूत्रों ने बताया कि लगभग तीन वर्षों से जम्मू क्षेत्र के राजौरी, पुंछ और कठुआ सेक्टरों में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने की कोशिश की जा रही है।

बारिश में राम मंदिर से टपकने लगा पानी

AYODHYA : अयोध्या का राम मंदिर पहली ही बारिश में टपकने लगा। मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा- गर्भगृह में, जहां रामलला विराजमान हैं, वहां भी पानी भर गया। अगर एक-दो दिन में इंतजाम नहीं हुए, तो दर्शन और पूजन की व्यवस्था बंद करनी पड़ेगी। उन्होंने बताया- शनिवार रात 2 से 5 बजे तक तेज बारिश हुई। इसके बाद मंदिर के गर्भगृह के सामने मंडप में 4 इंच तक पानी भर गया। मंदिर के अंदर लोगों को डर था कि कहीं बिजली का करंट न उतर आए। इसलिए सुबह 4 बजे होने वाली आरती टार्च की रोशनी में करनी पड़ी। सुबह 6 बजे की आरती भी ऐसे ही हुई। आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा- गर्भगृह के अलावा भी जो छोटे मंदिर बने हैं, वहां भी पानी भर गया है। इस पर ध्यान देना चाहिए कि जो बना है, उसमें क्या कमी रह गई? एक तो राम मंदिर से बारिश का पानी निकलने की जगह नहीं है। ऊपर से पानी भी चूने लगा, इससे अव्यवस्था हुई। अयोध्या में शनिवार-रविवार की रात 67 एमएम बारिश हुई, जिससे पूरे शहर में जगह-जगह पानी भर गया।

जामताड़ा में यूसीजी के लिए चालू की गई योजना

गैसीकरण के लिए झारखंड में पहली पायलट परियोजना शुरू

PHOTON NEWS RANCHI : कोयला मंत्रालय ने झारखंड में भूमिगत कोयला गैसीकरण के लिए भारत की पहली पायलट परियोजना का शुभारंभ कर दिया। सोमवार को कोयला मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। कोयला मंत्रालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक इस पहल का उद्देश्य कोयला गैसीकरण के उपयोग के माध्यम से इसे औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए मीथेन, हाइड्रोजन, कार्बन मोनोऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी मूल्यवान गैसों में परिवर्तित करना है। कोयला मंत्रालय के रणनीतिक निर्देशन के अतर्गत ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने झारखंड के जामताड़ा जिले के कास्ता कोयला ब्लॉक में भूमिगत कोयला गैसीकरण के लिए एक अभिनव पायलट परियोजना की शुरूआत

की है। दिसंबर 2015 में कोयला मंत्रालय ने कोयला और लिग्नाइट युक्त क्षेत्रों में यूसीजी के लिए एक व्यापक नीतिगत प्रारूप को स्वीकृति दी थी। इस नीति के अनुरूप कोल इंडिया ने भारतीय भू-खनन स्थितियों के अनुरूप यूसीजी प्रौद्योगिकी को लागू करने के लिए कस्ता कोयला ब्लॉक का चयन किया। ईसीएल द्वारा सीएमपीडीआई रांची और कनाडा की एर्गो एक्सर्जी टेक्नोलॉजीज इंक के सहयोग से प्रबंधित यह परियोजना दो वर्ष तक संचालित की जाएगी।

BRIEF NEWS

लोहरदगा में सड़क हादसे में दो छात्रों की दर्दनाक मौत

LOHARDAGA : समाहरणालय के समीप हुई सड़क दुर्घटना में सोमवार को दो युवकों की मौत हो गई। बताया जाता है कि बिशनपुर निवासी संजीव उरांव एवं घाघरा निवासी विजय उरांव अपनी स्कूटी से सब्जी खरीदने निकले थे। इसी क्रम में समाहरणालय के समीप पीछे से आ रही अज्ञात वाहन ने धक्का मार दिया, जिससे दोनों युवक बुरी तरह घायल हो गए। घायलावस्था में इन्हें सदर अस्पताल लाया जा रहा था। इसी क्रम में दोनों की मौत हो गई। संजीवन एवं विजय दोनों बीएस कॉलेज के छात्र हैं और दोनों ने इंटर की परीक्षा दी थी। संजीवन उरांव बीएस कॉलेज हॉस्टल में रहता था। विजय उरांव अपनी बुआ के घर रहकर पढ़ाई करता था। दोनों युवकों के परिजन समाचार लिखे जाने तक सदर अस्पताल नहीं पहुंचे थे।

मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए हुई पेंटिंग प्रतियोगिता

HAZARIBAG : जिला प्रशासन एवं पर्यटन कला संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग झारखंड के निर्देश के आलोक में सोमवार को कर्जन स्टेडियम अवस्थित जिला खेल कार्यलय हजारीबाग के सभागार में मादक पदार्थ के दुरुपयोग को समाप्त करने के लिए हजारीबाग जिला में संचालित आवासीय बालिका क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र एवं डे बोर्डिंग क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ियों एवं अन्य खेल के खिलाड़ियों के साथ पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें कुल 65 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान स्वीटी कुमारी, द्वितीय स्थान अनिस्का सिंह व तृतीय स्थान अन्नु कुमारी ने प्राप्त किया।

सरयू राय ने भूपेंद्र और चंद्रगुप्त के खिलाफ खोला मोर्चा

विधायक निधि से शंख मैदान के विकास को लेकर बनी योजना पर बढ़ी तकरार

PHOTON NEWS JSR: विधायक सरयू राय ने अब भूपेंद्र सिंह व चंद्रगुप्त सिंह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा है कि ज़िला प्रशासन स्थिति स्पष्ट करे कि वह शंख मैदान और समीपवर्ती करीब 6 एकड़ सरकारी जमीन को तथाकथित सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह और संरक्षक चन्द्रगुप्त सिंह के चंगुल में जाने से रोकना चाहता है या नहीं? यह भूखंड सरकारी है। इस पर बनी संरचनाएं सरकारी पैसे से बनी हैं। इसके एक ओर सूर्य मंदिर की बाउंड्री है और दूसरी ओर चंद्रगुप्त सिंह के महलनुमा अवैध मकान की बाउंड्री है। भूपेंद्र सिंह ने सूर्य मंदिर की सांसद निधि से बनी बाउंड्री को ध्वस्त कर दिया है। चंद्रगुप्त सिंह अपने महल की

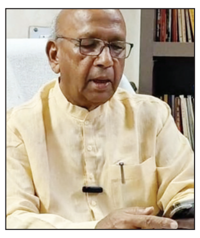

सरयू राय

चंद्रगुप्त सिंह

भूपेंद्र सिंह

बाउंड्री तोड़ देने की फि राक में हैं। ये दोनों बीच की करीब 6 एकड़ सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करना चाहते हैं। इस सरकारी जमीन पर मेरे विधायक निधि से होने वाले विकास कार्यों से ये दोनों परेशान हैं और धार्मिक रंग देकर एक साल से सरकारी काम में बाधा डाल रहे हैं। विडंबना है कि जिला प्रशासन मौन और मूकदर्शक बनकर इनका और इनके अवैध इरादों का मनोबल बढ़ा रहे हैं। विगत एक साल से ये झूठ फैला रहे हैं कि मैं सूर्य मंदिर की धार्मिक आस्था पर चोट कर रहा हूं। पर, प्रशासन ने कभी भी इस झूठ-फरेब का खंडन नहीं किया है और असलियत से लोगों को अवगत नहीं कराया है, जबकि मेरी विधायक निधि से इस भूखंड पर प्रस्तावित विकास योजनाओं को ज़िला प्रशासन ने स्वीकृत किया है और इसके लिए निधि विमुक्त किया है। प्रशासन को बताना चाहिए कि मेरे विकास कार्य का प्रस्ताव क्या है और भूपेंद्र-चंद्रगुप्त की जोड़ी द्वारा फैलाया जा रहा झूठ-फरेब क्या है। प्रशासन अपना दायित्व पूरा नहीं करेगा तो उपद्रवी तत्वों और तिकड़मबाजों का हौसला बुलंद होगा।

साढ़े चार साल से रची जा रही राजनीतिक साजिश : चंद्रगुप्त सिंह

JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर समिति के संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह ने कहा कि विधायक सरयू राय का पिछले साढ़े चार वर्षों में विकास कार्यों के नाम पर कोई उल्लेखनीय योगदान नहीं रहा है। परंतु वे लगातार सूर्य मंदिर के पवित्र स्थल की स्वच्छता और पवित्रता को भंग करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस तरह के अनुचित कार्यों से स्थानीय श्रद्धालुओं के बीच गहरा आक्रोश उत्पन्न हुआ है। इस तरह के हस्तक्षेप का सूर्य मंदिर समिति कड़ा विरोध करेगी। परिसर के आध्यात्मिक स्थल शंख मैदान में संरचना निर्माण एवं अन्य कार्य को लेकर सूर्य मंदिर समिति आक्रोशित है। सोमवार को मंदिर परिसर में निर्माण कार्य की जानकारी मिलने पर सूर्य मंदिर समिति के संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह, अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, महामंत्री अखिलेश चौधरी, रामबाबू तिवारी, दिनेश कुमार, गुंजन यादव समेत काफी संख्या में मंदिर समिति के सदस्यों व आमजनों ने इसका कड़ा विरोध किया। इस दौरान एसडीओ धालभूम को इसकी जानकारी दी गयी और शंख मैदान एवं मंदिर परिसर में किसी भी तरह के निर्माण कार्य न करने का आग्रह किया गया।

झारखंड विस चुनाव की तैयारी को लेकर दिल्ली में खड़गे ने की बैठक

RANCHI : अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी की सोमवार को नई दिल्ली में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनायी गयी। बैठक में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर शामिल थे।

बैठक में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी झारखंड के जल, जंगल, जमीन और जनजाति समाज सहित सभी वर्गों के अधिकारों के प्रति समर्पित है। भाजपा ने षडयंत्रकारी राजनीति कर झारखंड की अस्मिता का अपमान किया है।

आनेवाला विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के एक-एक कार्यकर्ता को जनता के बीच रहना है। सामाजिक न्याय और सहभागिता के लिए हमसभी प्रतिबद्ध है। झारखंड के नेताओं के साथ आनेवाला विधानसभा चुनाव को लेकर चुनावी रणनीति पर विचार-विमर्श किया।

बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, केन्द्रीय महासचिव डॉ अजय कुमार, प्रणव झा, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, जलेश्वर महतो, शहजादा अनवर, मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, बन्ना गुप्ता, बादल पत्रलेख, सांसद सुखदेव भगत, सांसद कालीचरण मुण्डा, पूर्व सांसद डॉ प्रदीप कुमार बलमुचू, फूरकान अंसारी, सुबोधकांत सहाय, विधायक प्रदीप यादव, दीपिका पाण्डेय सिंह,गीताश्री उरांव, अभिजीत राज, गुंजन सिंह शामिल थे।

लातेहार में टीएसपीसी से जुड़े सात नक्सली हुए गिरफ्तार

एसपी को मिली सूचना पर इंस्पेक्टर ने की छापेमारी

PHOTON NEWS LATEHAR: एसपी अंजनी अंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर लातेहार पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए नक्सली संगठन प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुत कमेटी (टीएसपीसी) के सात उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार उग्रवादियों में दीपक उरांव, इस्लाम अंसारी, रूपेश कुमार, सुजीत कुमार, रितेश कुमार रवि, संजय भुइयां (सभी लातेहार) और पलामू के पांकी थाना क्षेत्र निवासी अजय सिंह शामिल है। गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से दो देसी बंदूक और नक्सली पर्चा के अलावे अन्य सामान भी बरामद हुए हैं।

सोमवार को प्रेस वार्ता करते हुए

जानकारी देते पुलिस अधिकारी • फोटोन न्यूज

एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि लातेहार थाना क्षेत्र के आसपास पिछले कुछ दिनों से टीएसपीसी संगठन के नाम पर व्यवसाईयों ,भट्ठा संचालकों से रंगदारी की मांग की जा रही थी। कुछ व्यवसाईयों के द्वारा जब इसकी शिकायत पुलिस से की गई तो पुलिस की टीम उग्रवादियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी आरंभ कर दी। इसी बीच गुप्त सूचना मिली कि लातेहार थाना क्षेत्र के तिकूलियाटांड़ के पास कुछ उग्रवादी एकत्रित होकर किसी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं।

सूचना मिलने के बाद पुलिस इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने छापामारी की और घटनास्थल से सात उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादियों में दीपक उरांव और इस्लाम अंसारी गिरोह का सरगना था।

दोनों कुछ दिन पूर्व ही जेल से निकले थे और लातेहार जिले में टीएसपीसी संगठन को फिर से सक्रिय बनाने का प्रयास कर रहे थे । परंतु अपनी योजना में सफल होने से पूर्व ही सभी उग्रवादी गिरफ्तार हो गए ।एसपी ने बताया कि उग्रवादियों की गिरफ्तारी में पुलिस इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार के अलावे सब इंस्पेक्टर रंजन कुमार पासवान, धर्मवीर सिंह ,कुबेर प्रसाद देव ,रविंद्र महली, उमापद महतो समेत अन्य पुलिस अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

फिर संस्कार भारती के प्रांतीय अध्यक्ष बने डॉ. सुशील कुमार और संजय कुमार महामंत्री

संगठन की झारखंड प्रांतीय साधारण सभा गढ़वा में आयोजित

PHOTON NEWS GARHWA: कला रंगमंच एवं साहित्य को समर्पित अखिल भारतीय संस्था 'संस्कार भारती झारखंड प्रांत' की दो दिवसीय साधारण सभा गढ़वा स्थित 'ज्ञान निकेतन स्कूल' में 22 एवं 23 जून को हुई इस अवसर पर सत्र 2024-27 के लिए झारखंड प्रांत के अध्यक्ष के रूप में पुनः डॉ. सुशील कुमार अंकन (रांची), महामंत्री संजय कुमार श्रीवास्तव एवं कोषाध्यक्ष विकास कुमार वर्मा (हजारीबाग) सर्वसम्मति से चुने गए। पर्यवेक्षक के रूप में पधारे दक्षिण बिहार और उत्तर-पूर्व क्षेत्र के केंद्रीय पदाधिकारी अशोक तिवारी की देखरेख में यह दो दिवसीय प्रांतीय साधारण सभा एवं चुनाव सत्र संपन्न हुआ।

इस अवसर पर महामंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए संजय कुमार श्रीवास्तव ने जमशेदपुर महानगर इकाई की ओर से तरुण प्रभा और अन्य विभिन्न कला, सांस्कृतिक,

सभा में मौजूद संगठन के पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

साहित्यिक और राष्ट्रीय चेतना जागृत करने वाली गतिविधियों की सराहना की। इस साधारण सभा में जमशेदपुर महानगर इकाई से पहुंची मंत्री अरुणा भूषण ने गत वर्ष की गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी

कोल्हान के विभाग प्रमुख विजय भूषण ने चुनावी सत्र का संचालन किया। इस चुनावी सत्र में चुनावी पदाधिकारी के रूप में रांची से पधारी अर्चना वर्मा ने सफलतापूर्वक चुनावी प्रक्रिया को संपन्न कराया।

सभा में 11 एवं 12 जनवरी को रांची में झारखंड प्रांत कला साधक संगम का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। इसमें झारखंड प्रांत के सभी महानगर एवं जिला इकाई समितियों की ओर से नृत्य, संगीत, लघु चलचित्र, नाट्य, चित्रकला एवं लोक कलाओं की प्रस्तुति होगी। अशोक तिवारी ने कला एवं साहित्य के माध्यम से जन-जन में सांस्कृतिक बौद्दिक एवं राष्ट्रीय चेतना जागृत करने एवं सामाजिक समरसता की दिशा गतिविधियों को संचालित करने की बात कही।

नुक्कड़ नाटक व गीत-संगीत से कलाकार बता रहे नशे का दुष्प्रभाव

PHOTON NEWS SARAIKELA: सरायकेला-खरसावां जिले में मादक पदार्थों के विरुद्ध विभिन्न माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को जिला जनसंपर्क कार्यालय सरायकेला-खरसावां द्वारा जिले के सभी प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में नुक्कड़-नाटक, गीत-संगीत के माध्यम से लोगों को मादक पदार्थों के सेवन के दुष्प्रभाव, मादक पदार्थों के सेवन से स्वास्थ्य एवं परिवार पर पड़ने वाली प्रभाव, मादक पदार्थों की बिक्री तथा परिचालन में संयुक्त लोगों पर कानूनी कार्रवाई के प्रावधान आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा कर जागरूक किया गया।

इन पंचायतों में चला अभियान : सरायकेला प्रखंड अंतर्गत प्रखंड मुख्यालय तथा उकरी मोड़ सीनी, खरसावां प्रखंड अंतर्गत तलसाही चौक तथा टूनियाबेडा, कुचाई

नृत्य करते कलाकार • फोटोन न्यूज

प्रखंड अंतर्गत प्रखंड मुख्यालय कुचाई तथा कुचाई हाट बजार, राजनगर प्रखंड अंतर्गत प्रखंड मुख्यालय राजनगर तथा हैंसल, गम्हरिया प्रखंड अंतर्गत एनआईटी मोड़ आदित्यपुर तथा कांड्रा बाजार, चांडिल प्रखंड अंतर्गत रेलवे स्टेशन चांडिल तथा कपाली, ईचागढ़ प्रखंड अंतर्गत प्रखंड मुख्यालय ईचागढ़, मिलन चौक, नीमडीह प्रखंड अंतर्गत प्रखंड मुख्यालय नीमडीह, रघुनाथपुर तथा कुकड़ू प्रखंड अंतर्गत प्रखंड मुख्यालय कुकड़ू एवं तिरुलडीह पंचायत में जागरूकता कार्यक्रम चला।

पिस्टल दिखाकर सोने की तीन अंगूठी ले भागे बदमाश

GIRIDIH : पिस्टल का भय दिखाकर जेवर कारोबारी सुरेंद्र भदानी से अपराधियों ने सोमवार को हाथ में पहने करीब एक लाख की तीन अंगूठी छीन कर फरार हो गए। इसकी कीमत डेढ़ लाख बतायी जा रही है। इस घटना की जानकारी जबतक नगर थाना पुलिस को मिलती तब-तक तीनों अपराधी वहां से फरार हो गए थे। पुलिस आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। बताया जाता है कि न्यू मोती ज्वेलर्स के मालिक सुरेंद्र (75) भदानी बैंक से पैसे जमाकर भाबनटोली घर लौट रहे थे। इसी दौरान स्टेशन रोड दो अपराधी एक ही बाइक से जेवर कारोबारी को ओवरटेक कर रोका। इसी दौरान स्टेशन रोड से बाभनटोली जाने के क्रम में दो अपराधियों एक ही बाइक से उन्हें ओवरटेक कर रोका और उनसे हेलमेट नहीं पहनने का कारण पूछा और ये भी कहा कि वाहन चेकिंग अभियान चल रहा है।

किसानों को 50 फीसदी अनुदान पर मिलेंगे उन्नत किस्मों के बीज

PHOTON NEWS LATEHAR: फसलों की अच्छी पैदावार के लिए सरकार द्वारा किसानों को उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज उपलब्ध कराये जाते हैं। अधिक से अधिक किसान इन बीजों को लगाकर उत्पादन और उत्पादकता बढ़ा सके इसके लिए सरकार किसानों को इन बीजों पर अनुदान भी देती है।

पिछले दो वर्षों से मौसम की मार के कारण आर्थिक समस्या से जूझ रहे किसानों को इस वर्ष कृषि विभाग के द्वारा उन्नत नस्ल के बीज उपलब्ध कराए जाने की योजना लेकर आई है। विभाग के द्वारा किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर बीज उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा इस वर्ष जिले में बिरसा फसल विस्तार योजना की भी शुरूआत की जा रही है, जिसके तहत चयनित

किसानों को शत-प्रतिशत अनुदान पर बीज उपलब्ध कराई जाएगी। लातेहार जिला कृषि पदाधिकारी अमृतेश कुमार सिंह ने बताया कि इसके लिए विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है। लातेहार जिले में पिछले दो वर्षों से बरसात के मौसम में काफी कम बारिश होने के कारण अधिकांश किसान आर्थिक समस्या से जूझ रहे हैं। कम बारिश होने के कारण खरीफ फसल के उत्पादन पर काफी गहरा प्रभाव पड़ा था। इस कारण से किसानों को आर्थिक नुकसान भी हुआ। हालांकि संभावना जताई गई है कि इस वर्ष अच्छी बारिश होगी। लेकिन पिछले दो वर्षों से आर्थिक नुकसान की मार झेलने के कारण कई ऐसे किसान भी हैं, जो महंगे बीज लेने में खुद को असमर्थ पा रहे हैं। इस स्थिति में किसानों को सहायता पहुंचाने के लिए लातेहार कृषि विभाग में 50 प्रतिशत अनुदान पर उन्नत नस्ल के बीज किसानों को उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। लातेहार जिला कृषि पदाधिकारी अमृतेश कुमार सिंह ने बताया कि विभाग के द्वारा किसानों के लिए धान, मक्का, अरहर, राई, ज्वार समेत अन्य फसलों के बीज उपलब्ध कराई जा रही है। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि सामान्य तौर पर लातेहार कृषि विभाग के द्वारा जिले में स्थित विभिन्न लैंप्स और पैक्स के माध्यम बीज वितरण कर रहा है।

आपातकाल दिवस पर विशेष

आनंदमार्ग के संन्यासियों ने कई देशों के दूतावासों के बाहर किया था आत्मदाह

- छह माह से बनाई जा रही थी आनंदमार्गियों को गिरफ्तार करने की योजना

PHOTON NEWS JSR: 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल को आनंदमार्गी काला दिवस के रूप में मनाते हैं। आनंदमार्ग प्रचारक संघ के पूर्व जेनरल सेक्रेटरी आचार्य चितस्वरूपानंद अवधूत ने बताया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र पर काला धब्बा लगाते हुए पूरे देश में आपातकाल की घोषणा की थी। आपातकाल के बाद नागरिकों के मौलिक अधिकार स्थगित हो गए। आनंदमार्ग के लगभग एक सौ संगठनों को बैन कर दिया गया, अनुयायियों को जेल भेजा गया एवं उन पर सबसे ज्यादा अत्याचार किया गया। बिहार के बांकीपुर जेल में आनंदमार्ग के गुरु संस्थापक श्रीश्री आनंदमूर्ति को चिकित्सा के नाम पर जहर दिया गया। वे आध्यात्मिक शक्ति के कारण इस जहर को सहन कर गए, परंतु पूरा शरीर सिकुड़ गया, सभी दांत झड़ गए। उसी समय से बाबा एकदम कमजोर हो गए। इन सब अत्याचारों के विरोध में देश-विदेश में आनंदमार्गियों ने आत्मदाह कर अपना विरोध जताना शुरू किया। विदेश में कई देश के दूतावासों के पास संन्यासियों ने आत्मदाह किया।

वरिष्ठ पत्रकार कूमी कपूर की पुस्तक 'द इमरजेंसी' में लिखकर बताया है कि आनंदमार्गियों को गिरफ्तार करने की योजना इमरजेंसी के 6 महीना पहले से बनाई जा रही थी। बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रे एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सहपाठी भी थे। उन्होंने इंदिरा गांधी को पत्र लिखकर आनंदमार्गियों की गिरफ्तारी की लिस्ट तैयार करने के लिए सभी मुख्यमंत्रियों को आदेश देने के लिए कहा। कूमी कपूर ने अपनी

उर्मिला देवी • फोटोन न्यूज

पुस्तक में उनके द्वारा इंदिरा गांधी को लिखा गया पत्र भी प्रकाशित किया है। सिनेमाहॉल में आनंद मार्ग के विरुद्ध विज्ञापन दिखाया जाता था। आनंदमार्ग का मतलब बच्चा चोर एवं मुड़ीकटवा, यह सरकारी विज्ञापन हुआ करता था। ऐसा इसलिए, ताकि आम जनता में भय एवं घृणा का माहौल उत्पन्न हो। सरकारी नौकरी करने वाले लोगों को आनंदमार्ग छोड़ देने के लिए कहा गया, जो आनंदमार्ग नहीं छोड़ेंगे उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जमशेदपुर के स्वर्गीय ठाकुरजी सिंह आपातकाल के दौरान गिरफ्तार किए गए थे। उनकी पत्नी उर्मिला देवी बताती हैं कि जब देश में आपातकाल लगा था, तब पति तो जेल चले गए, परंतु मेरा बड़ा बेटा सत्येंद्र सिंह उर्फ जयदेव आनंदमार्ग के मुख्यालय आनंदनगर (पुरुलिया) में पढ़ता था। पता चला कि आनंद नगर को सरकार के सहयोग से कम्युनिस्ट के गुंडों ने पूरा जला दिया है। हॉस्टल में पढ़ने वाले बच्चों को भगा दिया गया। सभी बच्चे किसी तरह अपने-अपने घर शायद पहुंच पाए होंगे। मेरा बच्चा भी अचानक घर पहुंचा, तब उसने बताया कि सभी शिक्षकों एवं आनंद नगर में रहने वाले संन्यासियों जेल भेज दिया गया है।

मतदाता सूची का पुनरीक्षण : नए मतदान केंद्रों की आवश्यकता सूची जिला निर्वाचन पदाधिकारी को उपलब्ध कराएं पार्टियां

राजनीतिक दलों का सहयोग अपेक्षित : के रवि कुमार

- निर्वाचन सदन में विभिन्न दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुई अहम बैठक

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सोमवार को निर्वाचन सदन में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनसे मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में अपेक्षित सहयोग की अपील की।

रवि कुमार ने सभी राजनीतिक दलों को लोकसभा निर्वाचन के शांतिपूर्ण समापन की बधाई देते हुए आगामी विधानसभा चुनाव एवं मतदाता पुनरीक्षण सम्बंधी गतिविधियों में उनके अपेक्षित सहयोग के लिए आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता के मामलों में विगत

बैठक को संबोधित करते के रवि कुमार • फोटोन न्यूज

लोकसभा निर्वाचन में पहले से कमी आयी है। राजनीतिक दल अपने कार्यकताओं के बीच इसके नियमों का प्रचार-प्रसार करते हुए इसके अनुपालन में सहयोग करें। कुमार ने कहा कि राज्य में मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य कर रहे हैं। इसी क्रम में राजनीतिक दलों से अपेक्षा है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में सहयोग करें। साथ ही यदि उनके पास मतदाताओं से प्राप्त शिकायतें है तो उसकी सूची ससमय उपलब्ध करायें ताकि समय रहते उनका समाधान किया जा सके। कुमार ने कहा कि 1500 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान केंद्र, दूरस्थ मतदान केंद्रों एवं शहरी क्षेत्र की सोसाईटीज के मामलों में नए मतदान केंद्र बनाये जा सकते हैं। इस बावत उन्होंने राजनीतिक दलों से अनुरोध किया कि ऐसे क्षेत्रों में यदि कोई नए मतदान केंद्र निर्माण की आवश्यकता प्रतीत होती है तो वे उसकी सूची अविलम्ब अपने जिला निर्वाचन पदाधिकारी को उपलब्ध कराएं।

इस अवसर पर सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की ओएसडी गीता चौबे, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण आज से

HAZARIBAG : राज्य में विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 25 जून से 24 जुलाई तक चलेगा। रिवीजन गतिविधियों के लिए 25 जुलाई से 20 अगस्त तक की अवधि निर्धारित है। पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 25 जुलाई को एकीकृत मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन एवं 20 अगस्त को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

पुनरीक्षण अवधि के दौरान विशेष अभियान दिवस आयोजित करने हेतु 27 जुलाई, 28 जुलाई, 3 अगस्त एवं 4 अगस्त का निर्धारण किया गया है। विभाग द्वारा स्वच्छ समावेशी एवं त्रुटि रहित मतदाता सूची के निर्माण के लिए सभी पात्र नागरिकों का निबंधन एवं मतदाता सूची का शुद्धिकरण विशेष कर थर्ड जेंडर, पीवीटीजी ग्रुप, सेक्स वर्कर्स, 85+ आयु वर्ग, दिव्यांगजन, आश्रय गृहों में निवास करने वाले सभी पात्र नागरिकों का मतदाता सूची में शत प्रतिशत निबंधन करने के उद्देश्य से 29 जुलाई से समावेशी सप्ताह का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है।

ये कार्यक्रम किए गए निर्धारित

- **29 जुलाई** : पार्टिकुलर वल्नरेबल ट्राइबल ग्रुप एवं दुरुस्त क्षेत्र में रहने वाले जन समूह को अभियान के तहत मतदाता सूची में निबंधन की कार्यवाही की जाएगी।
- 30 जुलाई : जिला अंतर्गत सभी रैन बसेरों/ आश्रय गृहों में रह रहे पात्र नागरिकों का निबंधन किया जाएगा।
- 31 जुलाई : पात्र दिव्यांग का निबंधन एवं मतदाता सूची में मार्किंग का विशेष अभियान चलाया जाएगा।
- 1 अगस्त : 85+ आयु वर्ग के निबंधन का विशेष अभियान चलाया जाएगा।
- 2 अगस्त : सभी पात्र थर्ड जेंडर/सेक्स वर्कर्स का निबंध किया जाएगा।

BRIEF NEWS

कृषि मंत्री के पीएस राकेश दुबे का निधन

RANCHI : सोमवार को कृषि मंत्री बादल पत्रलेख के सरकारी पीएस (निजी सचिव) राकेश दुबे का निधन हो गया। राकेश दुबे झारखंड राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी थे और पुंदाग ओपी क्षेत्र स्थित सेल सिटी में रहते थे। वे अगले साल आईएएस रैंक में प्रोन्नत होने वाले थे। बताया जा रहा है कि राकेश दुबे रविवार रात खाना खाने के बाद सोने चले गए। वे हर दिन मॉर्निंग वॉक पर जाते थे। आज सुबह जब वह नहीं उठे तो उनकी पत्नी ने पहले सोचा कि वह थक गये हैं इसलिए, नहीं उठ पाए लेकिन 2-3 घंटे के बाद जब जाकर देखा तो उनका शरीर ठंडा पड़ चुका था। आनन-फानन में परिजन दुबे को पारस अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

हॉकी के चार पदाधिकारी ओलंपिक में होंगे शामिल

RANCHI : झारखंड हॉकी के पदाधिकारी हॉकी पेरिस ओलंपिक में शामिल होंगे। इन पदाधिकारियों में हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह, महासचिव विजय शंकर सिंह, कोषाध्यक्ष असरिता लकड़ा और सीईओ रजनीश कुमार शामिल हैं। इस दौरान असरिता लकड़ा 28 से 31 जुलाई तक तो वहीं विजय शंकर सिंह और रजनीश कुमार पांच अगस्त से 10 अगस्त तक पेरिस ओलंपिक खेलों का लुत्फ उठाएंगे।

शिव मंदिर का ताला तोड़ कर चोरों ने उड़ाई दानपेटी

RANCHI : राजधानी के गोंदा थाना क्षेत्र अंतर्गत शिव मंदिर का ताला तोड़कर बदमाश मंदिर में रखे सामान और दान के पैसे चोरी कर लिए। मंदिर के पुजारी ने इसकी सूचना गोंदा थाना पुलिस को दी है। गोंदा थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर आसपास के लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है।

बड़ा तालाब से शव बरामद जांच में जुटी पुलिस

RANCHI : पुलिस ने कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित बड़ा तालाब से सोमवार को एक व्यक्ति का शव बरामद किया है। इसके बाद मामले की सूचना कोतवाली थाना को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। मृतक की पहचान किशोरगंज रोड नंबर तीन निवासी राजेश तिवारी (40) के रूप में हुई है।

चोरी के ट्रैक्टर के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

RANCHI : सिल्ली थाना पुलिस ने चोरी के ट्रैक्टर के साथ एक आरोपित सुनील लोहरा को गिरफ्तार किया है। वह तमाड़ थाना क्षेत्र के जुरुडीह गांव का रहने वाला है। इसके पास से लाल रंग का चोरी का ट्रैक्टर बरामद किया गया है। डीएसपी रणवीर सिंह ने सोमवार को बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी सिल्ली थाना क्षेत्र के पतराहातू गांव से एक ट्रैक्टर की चोरी हो गई है।

मुख्यमंत्री से मिले सीसीएल के अध्यक्ष

RANCHI : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से सोमवार को झारखंड मंत्रालय में सेंट्रल कोल फील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक निलेंदु कुमार सिंह ने मुलाकात की।

ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने का मिलेगा अवसर

सीएम उत्कृष्ट और आदर्श स्कूलों में होगी दक्ष शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में संचालित 80 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों एवं 325 प्रखंडस्तरीय आदर्श विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए अनुभवी और दक्ष शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति, पदस्थापना की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। शिक्षक 25 से 30 जून तक ई-विद्यावाहिनी वेब पोर्टल के माध्यम से प्रतिनियुक्ति-पदस्थापन के लिए आवेदन कर सकते हैं। इन विद्यालयों में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमों के आधार पर पठन-पाठन कराया जाता है। सभी विद्यालय सीबीएससी से मान्यता प्राप्त है। ऐसे में इन विद्यालयों में सीबीएससी की तर्ज पर उत्कृष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने वर्तमान में कार्यरत ऐसे शिक्षकों को आवेदन करने का अवसर दिया है, जिन्हें सीबीएससी, आईसीएसई विद्यालयों में पठन-पाठन का अनुभव हो या अपनी शिक्षा सीबीएससी, आईसीएसई या अन्य बोर्ड के स्कूलों से पूर्ण की हो तथा अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ाने का उत्कृष्ट शैक्षणिक अनुभव हो। आवेदन करने के लिए संबंधित शिक्षक को ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर स्वयं के टीचर आईडी से लॉगिन करना होगा। इसके पश्चात टीचर एक्टिविटी सेक्शन अंतर्गत एसओई, बीएलएवी के लिए आवेदन करें पर जाकर फॉर्म भरकर जमा करना होगा। शिक्षक स्वयं केनियुक्ति श्रेणी (प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, पीजीटी, टीजीटी) और नियुक्ति विषय के आधार पर संबंधित विद्यालयों में स्वीकृत बल के विरुद्ध ही आवेदन कर सकते है। एक शिक्षक अपने प्राथमिकता के आधार पर न्यूनतम तीन मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों तथा पांच प्रखंड स्तरीय आदर्श विद्यालयों के लिए आवेदन करेंगे। शिक्षक अपने जिले के बाहर के विद्यालयों के लिए भी प्राथमिकता के आधार पर आवेदन कर सकते हैं। इन 80 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों तथा 325 आदर्श विद्यालयों में वर्तमान में कार्यरत, प्रतिनियोजित, पदस्थापित शिक्षक भी नए सिरे से इन विद्यालयों में सेवा के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

● न्यूनतम तीन मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों व पांच आदर्श विद्यालयों के लिए कर सकेंगे आवेदन

स्वीकृत पदों के विरुद्ध कार्यरत व रिक्त पदों का विषयवार डाटा बेस होगा तैयार

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के प्रभारी सचिव उमाशंकर सिंह ने सोमवार को सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों एवं जिला शिक्षा अधीक्षकों को निर्देश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि 80 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में स्वीकृत पदों के विरुद्ध कार्यरत एवं रिक्त पदों का विषयवार डाटा बेस तैयार करना अनिवार्य है। यह डेटाबेस प्राथमिक, उच्च प्राथमिक,माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के लिए अलग अलग बनाया जायेगा। सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक संबंधित प्राथमिक, माध्यमक शिक्षा निदेशक से प्राप्त सूची के आधार पर जिलास्तरीय क्रमश: माध्यमिक शिक्षा स्थापना समिति एवं प्राथमिक शिक्षा स्थापना समिति के समक्ष विद्यालय स्तर पर इन शिक्षकों के पदस्थापन के लिए अनुमोदन प्राप्त करते हुए शिक्षकों का स्थानांतरण, प्रतिनियुक्ति जिले के मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों, प्रखंडस्तरीय आदर्श विद्यालयों में शिक्षकों के योग्यता एवं उनके द्वारा दिए गए विकल्प के आधार पर पदस्थापित किया जाएगा।

कोर्ट की सुरक्षा की खामियों को अविलंब करें दूर : डीजीपी

अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते डीजीपी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को कोर्ट की सुरक्षा-व्यवस्था की खामियों को तुरंत दूर करने का डीजीपी अजय कुमार सिंह ने निर्देश दिया है। डीजीपी ने यह बात समीक्षा बैठक के दौरान कही। झारखंड पुलिस मुख्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी न्यायालय परिसरों, न्यायाधीशों और उनके आवासीय कॉलोनियों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ करने के लिए समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में डीजीपी ने सभी जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी, एसएसपी, एसपी से उनके क्षेत्राधीन न्यायालय परिसर, माननीय न्यायाधीशों और उनके आवासीय कॉलोनियों की सुरक्षा बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही सुरक्षा-व्यवस्था की खामियों को अविलम्ब दूर करने का निर्देश दिया। समीक्षा के क्रम में डीजीपी झारखंड ने न्यायालय परिसरों, न्यायाधीशों और उनके आवासीय परिसरों, कॉलोनियों में प्रतिनियुक्त पदाधिकारी और बलों की वरीय पुलिस पदाधिकारियों द्वारा लगातार औचक निरीक्षण करने निवारण करने का निर्देश दिया। और पाए गए त्रुटियों का तत्काल साथ ही प्रतिनियुक्त पदाधिकारी व बलों को कर्तव्य पर मुस्तैद रहने के लिए उनके प्रशिक्षण, ड्यूटी से पूर्व ब्रीफिंग और लगातार मॉनिटरिंग करते रहने पर जोर दिया गया।

युवकों के पास पाया गया कफ सिरप भी

ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते पकड़े गए आठ आरोपी

थाने में आरोपी को गाड़ी से उतारती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को अरगोड़ा थाना की पुलिस को ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते आठ युवकों को पकड़ा है। इसमें एक नाबालिक भी शामिल है। जानकारी के अनुसार, पकड़े गए युवकों के पास से ब्राउन शुगर के साथ-साथ कफ सिरप भी बरामद किया गया है। फिलहाल थाने में पुलिस रखकर सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया की ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते वह इसका सेवन करते कुछ युवकों को पकड़ा गया है। इनके पास से नशीले पदार्थ भी बरामद किए गए हैं। पूछताछ के बाद आरोपियों का खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

● आरोपियों को थाने में रख कर पूछताछ कर रही पुलिस

जल्द पूरी होगी संवैधानिक संस्थाओं में नियुक्ति प्रक्रिया

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित राजकुमार की अवमानना याचिका समेत राज्य के 12 संवैधानिक संस्थाओं में अध्यक्ष एवं सदस्यों के पद रिक्त रहने के अलावा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव के मामले की सुनवाई सोमवार को हुई। मामले में महाधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर झारखंड में लागू आदर्श आचार संहिता खत्म हो चुकी है। राज्य सूचना आयुक्त और लोकायुक्त आदि की नियुक्ति का मामला कैबिनेट के पास विचाराधीन है। नियुक्ति प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी। विधायक बाबूलाल मरांडी एवं प्रदीप यादव से संबंधित मामले में कोर्ट ने सुनवाई के लिए 24 जुलाई की तिथि निर्धारित की है। प्रदीप यादव की ओर से अधिवक्ता सुमित गरोड़िया ने पैरवी की। बाबूलाल दलबदल मामले एवं प्रदीप की ओर से जेवीएम का भाजपा में विलय से संबंधित मामले में दाखिल याचिका पर सुनवाई हो रही है।

HC में हाजिर हुए माइंस विभाग के प्रधान सचिव

PHOTON NEWS RANCHI : सारंडा के जंगल में डंप पड़े हुए लोग अयस्कों को हटाने से संबंधित मामले में झारखंड हाई कोर्ट में माइंस विभाग के प्रभारी प्रधान सचिव सोमवार को सशरीर उपस्थित हुए और कोर्ट के सवालों का जवाब दिया। सचिव ने कोर्ट को बताया कि सारंडा जंगल में बंद पड़े 16 माइनिंग कंपनी के लौह अयस्कों में से 11 माइनिंग कंपनियों का मामला विभिन्न अदालत में लंबित है। साथ ही पांच माइनिंग कंपनियों के लौह अयस्कों को हटाने की प्रक्रिया राज्य सरकार की ओर से चल रही है। इनमें कोई कानूनी बाधा नहीं है। इससे संबंधित फाइल विभाग के मंत्री के पास है। वहां से अनुमति मिलने पर पांच माइनिंग कंपनियों के लौह अयस्कों को हटाने के लिए चालान जारी किया जाएगा। मामले में सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल किया गया, जिस पर कोर्ट ने याचिकाकर्ता सरयू राय को इसका प्रति उत्तर देने का निर्देश देते हुए मामले के अगली सुनवाई 31 जुलाई निर्धारित की है। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता अशोक यादव ने पैरवी की। पूर्व की सुनवाई में राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया था कि सारंडा के जंगल में डंप पड़े लौह अयस्कों को कैसे हटाया जाएगा, इसके लिए राज्य सरकार की ओर से स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर बनाया जा रहा है। एसओपी पर विभागीय मंत्री से अनुमति मिलने के बाद सारंडा के जंगल से लौह अयस्कों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

हॉर्स ट्रेडिंग मामले में महासचिव का बयान दर्ज

वर्ष 2010 के राज्यसभा चुनाव में हॉर्स ट्रेडिंग मामले में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव मदन मोहन शर्मा का बयान सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में सोमवार को दर्ज हुआ। मामले की अगली सुनवाई पांच जुलाई को होगी। तत्कालीन विधायक योगेंद्र साव के अलावा उमाशंकर अकेला और राजेश रंजन मामले में ट्रायल फेस कर रहे हैं। मामले के दो आरोपित साइमन मरांडी और सावना लकड़ा का निधन हो गया है। वोट बदले नोट की मांग करने का इनपर आरोप है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2010 के राज्यसभा चुनाव में कथित हॉर्स ट्रेडिंग का मामला सामने आने के बाद हाई कोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने जांच शुरू की थी। सीबीआई ने इस संबंध में कांड संख्या आरसी-2/13 दर्ज की थी.।

सीमा पात्रा से जुड़े मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी

झारखंड हाईकोर्ट ने नौकरानी के साथ क्रूरता मामले में निचली अदालत द्वारा डिस्चार्ज पिटिशन खारिज किए जाने को चुनौती देने वाली भाजपा की निलंबित नेता सीमा पात्रा की क्रिमिनल रिवीजन की सुनवाई सोमवार को की। मामले में मेंटेनिबिलिटी (याचिका सुनवाई योग्य है या नहीं) के बिंदु पर सुनवाई पूरी हो गई। इस पर कोर्ट आज यानी मंगलवार को फैसला सुनाएगा। सुनवाई के दौरान इस पर बहस की गई कि यह मामला क्रिमिनल रिविजन का है या अपील का।

गैरकानूनी ढंग से संचालित ड्रामा बार के मालिक और मैनेजर को जेल

राजधानी के लालपुर थाना क्षेत्र में बिना लाइसेंस के बार चलाने के आरोप में पुलिस ने संचालक गौरव सिंह और मैनेजर अभिमन्यु सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी आदिकांत महतो ने सोमवार को बताया कि बिना लाइसेंस के ड्रामा बार चलाने और दस बजे के बाद भी तेज आवाज में गाना बजाने को लेकर यह कार्रवाई की गई है। दोनों का मेडिकल कराकर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों रांची के मेन रोड में स्थित एक्सट्रीम बार में ग्राहकों के साथ बाउंसरों ने मारपीट की थी। मारपीट के बाद डीजे संचालक की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। इस मामले में हाई कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया था। मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने बार-रेस्टोरेंट के संचालन में नियम-कानूनी की अनदेखी पर कड़ी टिप्पणी की थी।

पुलिस में शामिल किए गए सात नए प्रशिक्षित श्वान

RANCHI : झारखंड पुलिस में 07 नये प्रशिक्षित श्वानों (विस्फोटक -06, ट्रैकर -01) को शामिल किया गया है। सभी श्वानों को मेरठ कैंट से खरीदा गया है। इसे लेकर सोमवार को पुलिस मुख्यालय में नये श्वानों के निरीक्षण से संबंधित कार्यक्रम आयोजित हुआ। डीजीपी अजय कुमार सिंह, एडीजी अभिया संजय आनन्दराव लटकर, सीआईडी के आईजी असीम विक्रांत मिंज, स्पेशल ब्रांच के डीआईजी कार्तिक एस समेत कई अन्य पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित हुए। मजबूत सूंघने की शक्ति के कारण प्रशिक्षण के लिए इस्तेमाल किया जाता है। श्वानों को उनकी मजबूत सूंघने की शक्ति के कारण प्रशिक्षण के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें नाक के म्यूकोसा में 225 मिलियन रिसेप्टर कोशिकाएं होती है।

छापामारी के दौरान भारी मात्रा में डोडा बरामद, एक गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI : नामकुम थाना पुलिस ने भारी मात्रा में नशीला पदार्थ डोडा बरामद किया है। साथ ही मामले में नामकुम थाना के नचलदाग निवासी रामविलास पासवान को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके पास से 25 बोरा डोडा (700 किलो), दो लाख 50 हजार नकदी, एक पिकअप वैन और दो मोबाइल फोन बरामद किया है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि डोडा लदी एक पिकअप वैन (जेएच10एडी 0287) हेसाड़ीह लुपुडीह मोड़ के समीप आने वाली है। मामले को लेकर डीएसपी अमर कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में नामकुम थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बलों को शामिल करते हुए एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लुपुडीह मोड़ के पास चेकनाका लगाया। इस बीच पुलिस टीम ने लुपुडीह की तरफ से सफेद रंग की पिकअप वैन को पकड़ लिया। तलाशी में डोडा बरामद किया गया। पूछताछ में पकड़े गए आरोपित ने बताया कि वह गाड़ी का चालक है। एसएसपी ने बताया कि मुख्य सरगना के बारे में पुलिस को जानकारी मिली है। वह रांची का ही रहने वाला है। उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पुलिस गिरफ्त में डोडा कारोबारी। ● फोटोन न्यूज

सजायाफ्ता दंपती को नहीं मिली जमानत

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में रांची के ओरमांझी में वर्ष 2021 में एक युवती का सिर कटा शव मिलने के मामले में सजायाफ्ता शेख बेलाल और उसकी पत्नी अफसाना खातून की क्रिमिनल अपील की सुनवाई सोमवार को हुई। कोर्ट ने इन दोनों की जमानत याचिका खारिज कर दी। अपर न्यायायुक्त एमके वर्मा की अदालत ने हत्या के दोषी शेख बेलाल और उसकी पत्नी अफसाना खातून को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। साथ ही उन पर 95-95 हजार रुपये जुमार्ना लगाया था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि इन दोनों दोषियों को अंतिम सांस तक जेल में रहना होगा। तीन जनवरी, 2021 को रांची के ओरमांझी में एक युवती का सिर कटा शव पुलिस ने बरामद किया था। मृत युवती की पहचान मांडर के लोयो गांव की सूफिया परवीन के रूप में हुई थी।

कल्पना सोरेन ने छात्राओं को दिए सफलता के टिप्स

छात्राओं को टिप्स देतीं कल्पना सोरेन। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन अपने दौरे के पांचवें दिन सर जेसी बोस सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स हाई स्कूल गिरिडीह पहुंची। वहां उन्होंने स्कूल का निरीक्षण किया। साथ ही कल्पना सोरेन वहां की छात्राओं से क्लास रूम में भी मिलीं। उनसे स्कूल के बारे में पूछा और जरूरी टिप्स दिए। कल्पना ने छात्राओं से पूछा कि स्कूल में नियमित क्लास होती है कि नहीं। शिक्षक आते हैं या नहीं। स्कूल में सारी सुविधाएं मिलती है या नहीं। उन्होंने बच्चियों से अंग्रेजी में बातचीत की। कहा कि वह जरूरी नहीं है शुरू-शुरू क्लास में कोई जल्दी नहीं करते हैं, पीछे रहते हैं, वह जीवन में भी पीछे रह जाएं। मौके पर गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू मौजूद थे।

25 से 29 जून के बीच राज्य के लगभग सभी जिलों में दिखने लगेगा असर, जमकर होगी बारिश

झारखंड में आज से रफ्तार पकड़ लेगा मानसून

PHOTON NEWS RANCHI : 21 जून को झारखंड में मानसून के प्रवेश के बाद 22 और 23 जून को इसका असर बहुत सामान्य दिखा। लेकिन, तापमान में बड़ी गिरावट जरूर दर्ज की गई। 24 जून के तापमान में भी इसका असर दिख रहा है, लेकिन वास्तव में अभी मानसून ने इस राज्य में स्पीड नहीं पड़ी है। उम्मीद की जा रही है कि 25 जून से इसकी रफ्तार बढ़ जाएगी।

मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, राज्य में 25 से 29 जून के बीच मानसूनी बारिश में तेजी आएगी। इसके प्रभाव से राज्य के लगभग सभी जिलों में अच्छी बारिश हो सकती है। 25 से 27 जून के दौरान संताल के जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश के आसार हैं। इस दौरान तेज हवाओं को लेकर ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है।

तीन जिलों का तापमान 40 डिग्री से ज्यादा : गोड्डा, पलामू, गढ़वा आदि जिलों में हल्के बादल छाने से उमस भरी गर्मी भी सताने लगी है। तीन जिलों का तापमान 40 डिग्री से अधिक रहा। गोड्डा का तापमान सर्वाधिक 40.3 डिग्री रहा। मेदिनीनगर का अधिकतम 40.2 और गढ़वा का 40.0 डिग्री रहा। रांची का अधिकतम तापमान 34 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम केंद्र के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट दर्ज की जायेगी। जो तीन से चार डिग्री तक की होगी। वहीं, पिछले कुछ दिनों के दौरान तापमान में कमी महसूस की गयी है। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो पिछले तीन दिनों के दौरान तापमान में पांच डिग्री तक की गिरावट महसूस की गयी है।

कहीं तेज, तो कहीं हल्की बारिश

पिछले 24 घंटों में सिमडेगा, गुमला और चाईबासा के कुछ हिस्सों में भी मानसून प्रवेश हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश हुई। गोड्डा में 28.5 मिमी बारिश रिकॉर्ड किया गया। राज्य के अन्य हिस्सों में तेज हवा के साथ हल्की बारिश हुई। उधर, चतरा में 11.1 मिमी, चाईबासा में 7.1 मिमी, गुमला में 2.4 मिमी, बोकारो में 2.4 समेत गिरिडीह, लोहरदगा, हजारीबाग आदि जिलों में तेज हवा के साथ हल्की बारिश हुई। बीच में कुछ बड़ा के बाद अनुकूल स्थिति होने पर राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश होगी।

किस जिले का कितना तापमान

गोड्डा	-	40.3
मेदिनीनगर	-	40.2
गढ़वा	-	40.0
पाकुड़	-	39.5
सरायकेला	-	39.0
साहिबगंज	-	37.9
देवघर	-	37.8
बोकारो	-	36.1
चतरा	-	36.5

जनता के सुझाव के आधार पर तैयार होगा घोषणा पत्र : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि अब चुनाव आने वाले हैं, उसकी तैयारी को लेकर आरोप पत्र, घोषणा पत्र समिति, मतदाता सूची पुनरीक्षण, नेताओं के लिए अलग-अलग क्षेत्र के लिए मुद्दे तैयार किए जाएंगे। अगस्त महीने में महिला, युवा मोर्चा की तरफ से कार्यक्रम आयोजित होंगे। हर आयोजन के लिए अलग-अलग समिति भी तैयार की गई है। वे सोमवार को बीजेपी प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रति लेकर घूमने वाले राहुल गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश में लगायी गयी इमरजेंसी के लिए माफी मांगें, जब उनकी दादी ने मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया था। संविधान को कुचल दिया था। किसी को कोई स्वतंत्रता नहीं थी। जिन नेताओं ने इमरजेंसी के खिलाफ आवाज उठाई, उनको जेल में डाल दिया। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि 25 जून को सारा देश काला दिवस के रूप में मनाता है। हमारी पार्टी ने भी तय किया है कि झारखंड के सभी जिला मुख्यालयों में काला दिवस मनाया जायेगा। इमरजेंसी में संविधान को कुचलने की निंदा की जायेगी। बाबूलाल ने कहा कि राहुल गांधी संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं। प्रधानमंत्री मोदी पर संविधान को बदलने और आरक्षण खत्म कर देने का आरोप लगाते हैं। पूरे लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान जनता के बीच संविधान और आरक्षण को लेकर दुष्प्रचार किया। जबकि उनकी दादी, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगाई थी। संविधान को कुचला था।

THE PHOTON NEWS

04 www.thephotonnews.com
Tuesday, 25 June 2024

समाचार सार

पीएम मोदी के सम्मान में 102 यूनिट रक्तदान

POTKA : पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड स्थित हल्दीपोखर पूर्वी पंचायत भवन में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के सम्मान में रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें 102 यूनिट रक्तदान हुआ। मुखिया देवी कुमारी भूमिज के सौजन्य से लगे शिविर में बतौर अतिथि जिला के पूर्व सिविल सर्जन डॉ. एके लाल व जिला परिषद सदस्य सूरज मंडल उपस्थित थे। शिविर को सफल बनाने में डॉ. अनूप मंडल, मोना रॉय, उत्पल बोस, सीमा मंडल आदि का योगदान रहा।

साईंनाथ देवस्थानम में गुरु पूर्णिमा की तैयारी शुरू

JAMSHEDPUR : टेल्को के घोड़ाबांधा स्थित साईंनाथ देवस्थानम में 21 जुलाई को होने वाले गुरु पूर्णिमा महोत्सव की तैयारी शुरू हो गई है। साईं परिवार विश्व सेवा संस्थान के अध्यक्ष अनूप रंजन ने बताया कि उस दिन श्री साईंनाथ देवस्थानम में सुबह से शाम तक अनुष्ठान होंगे। अनुष्ठान का समापन सात बजे से दिव्य भजन संध्या एवं रात्रि 10 बजे सेज आरती से होगा। संपूर्ण अनुष्ठान शिर्डी स्थित श्री साईं बाबा मंदिर के अनुरूप ही होगा। कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए मंदिर के भक्तों को आमंत्रण पर्ची दी गई है, जबकि अन्य भक्तों को सोशल मीडिया से अनुष्ठान की जानकारी दी जा रही है।

जोहार ग्रामीण विकास संघर्ष समिति का गठन

POTKA : केंद्र व राज्य सरकार की सरकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जोहार ग्रामीण विकास संघर्ष समिति का गठन किया गया है। इसकी बैठक सोमवार को तेतला स्थित इंपीरियल रिजॉर्ट में हुई। इसमें मुख्य अतिथि महीन सरदार एवं अनीता सरदार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता तपन दास तथा संचालन गुड़िया रानी नायक ने किया। तपन दास एवं महीन सरदार ने कहा कि सभी लोग किसी न किसी राजनीतिक दल से जुड़े हुए हैं। इसके बावजूद हमें एक सामाजिक कार्य करना है। इसके तहत समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजना पहुंचाना है।

जेम्को गुरुद्वारा के पास पाइपलाइन लीक

JAMSHEDPUR : टेल्को क्षेत्र में जेम्को आजाद बस्ती स्थित गुरुद्वारा के सामने करीब एक महीने से पानी का मेन पाइपलाइन फटा हुआ है। इससे हर दिन हजारों गैलन पानी बहता रहता है, लेकिन इसकी मरम्मत करने पर किसी का ध्यान नहीं है। बस्तीवासियों का कहना है कि शिकायत के बावजूद भी इसकी मरम्मत नहीं हो रही है। समाजसेवी करनदीप सिंह ने बताया कि जुस्को के अधिकारियों को पाइप फटने के दूसरे दिन ही सूचित किया गया था। स्थानीय निवासी रंजन कुमार ने बताया कि इसके कारण घरों में गंदा पानी सप्लाई हो रहा है। इसके कारण कई तरह की बीमारी फैलने का खतरा है। पाइपलाइन की मरम्मत जल्दी होनी चाहिए।

भाजपा आज मनाएगी आपातकाल का काला दिवस

JAMSHEDPUR : भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि 23 जून से प्रारंभ पखवाड़ा के तहत 25 जून को भाजपा, जमशेदपुर महानगर आपातकाल का काला दिवस मनाएगी। लोकतंत्र के काले अध्याय आपातकाल की 50वीं बरसी पर जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन होगा। वहीं, मन की बात, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत जमशेदपुर महानगर के विभिन्न क्षेत्रों में पौधारोपण करेंगे और अन्य लोगों को अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। जमशेदपुर महानगर में कार्यक्रम की व्यापक सफलता के लिए विभिन्न मंडलों में प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। सोमवार को साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय में महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा की अध्यक्षता में मंडल अध्यक्षों एवं कार्यक्रम प्रभारियों की बैठक हुई, जिसमें आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के साथ सफलता पर विस्तृत चर्चा की गई।

महिलाओं को किया गया जागरूक

JAMSHEDPUR : संयुक्त मानव अधिकार एवं सेंट जॉन एंबुलेंस झारखंड के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को हरहरगुट्टू सामुदायिक भवन में मानवाधिकार प्रशिक्षण शिविर एवं प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। इसमें महिलाओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में संतोष गोस्वामी व गौरीशंकर अमर के अलावा राज सिंह, शशांक कुणाल, एनबी चटर्जी, राजेंद्र दास, मुखिया मीना देवी, उप मुखिया सीमा सिंह, आशा जायसवाल, संजू देवी, कंचन देवी, गीता सरदार, सुमि साय, अजय कुमार सिंह, श्रीकांत देव आदि उपस्थित थे।

बेलगाम अपराधियों को सबक सिखाने में जुटी पुलिस, ताबड़तोड़ हो रही गिरफ्तारी

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के अलग-अलग इलाकों में लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं पर नियंत्रण के लिए पुलिस सक्रिय हो गई है। वरीय पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में अलग-अलग घटनाओं में शामिल अपराधियों की धरपकड़ के लिए लगातार छापेमारी हो रही है। इसका परिणाम भी दिख रहा है। जुगसलाई फायरिंग से लेकर एमजीएम इलाके में लूट तक की वारदातों को अंजाम देने वाले अपराधी पुलिस के शिकंजे में फंस चुके हैं। चोरी और छिनतई जैसी घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। हालांकि अपराधी अब भी बेलगाम हैं। यही कारण है कि पुलिस की सक्रियता के बावजूद घटनाएं थम नहीं रहीं हैं। अब भी अपराधियों के दिमाग में खाकी का खौफ पैदा नहीं हो सका है।

जुगसलाई में फायरिंग करने वाले तीन बदमाश पकड़ाए, युवक गंभीर

पैसों के लेनदेन के विवाद में मारी गोली : सिटी एसपी

PHOTON NEWS JSR: जुगसलाई थाना अतर्गत बलदेव बस्ती में रविवार सुबह हुए फायरिंग मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के ह्यूम पाइप बस्ती निवासी संजय भुइयां, अमन मंडल और बलदेव बस्ती निवासी प्रहल्लाद शामिल है। पुलिस ने मौके से एक देसी पिस्टल, एक खोखा और बाइक भी बरामद किया है।

सोमवार को मामले का खुलासा करते हुए सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि प्रहलाद और करण के बीच पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। इसी बात को लेकर रविवार को जब करण पानी भर रहा था, तभी प्रहलाद करण को अपने साथ अपने घर ले गया। वहां पहले से ही प्रहलाद के दो साथी मौजूद थे। वहां प्रहलाद और करण के साथ विवाद हुआ, जिसके बाद करण को गोली मार दी गई। घटना के

जानकारी देते सिटी एसपी

बाद सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। इस मामले में करण की मां के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। इधर, करण की भी स्थिति गंभीर बनी हुई है। टीएमएच के सीसीयू में उसका इलाज चल रहा है।

ये है मामला

बता दें कि रविवार सुबह करण अपने घर के लिए पानी भर रहा था। सुबह प्रहलाद उसे बुलाकर अपने घर ले गया। जहां विवाद के बाद करण पर गोली चला दी। गोली करण के सिर पर लगी। स्थानीय लोगों ने हमलावरों को पकड़कर उनकी पिटाई कर दी और पुलिस को सौंप दिया था।

मानगो में छत पर सोए लोगों को बेहोशी की दवा स्प्रे कर चुराए मोबाइल

JAMSHEDPUR : मानगो के डिमना मेन रोड पर रविवार की रात चोरों ने छत पर सोये पांच लोगों पर बेहोशी की दवा स्प्रे कर पांच मोबाइल फोन चुरा लिए। घटना उलीडीह थाना से महज 300 मीटर की दूरी पर हुई है। सभी पीड़ित पटेल पथ के समीप एक दोसा दुकान में काम करते हैं। चोर दुकान के कैश काउंटर से लगभग 500 ले गए। पूरी घ्रटना सीसीटीवी में कैद है। चोरी की घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा नेता विकास सिंह पहुंचे। विकास ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि घटना रात लगभग 3 बजे हुई है। पूरे मानगो को नशीले पदार्थ और डेली लॉटरी बेचने वाले गिरोह ने अपनी गिरफ्त में ले लिया है। कोई भी चौक-चौराहा ऐसा नहीं है, जहां आसानी से मादक पदार्थ और डेली लॉटरी नहीं बिकता है। अवैध धंधा करने वालों के सामने पुलिस बेबस है, जिसका दुष्परिणाम यह है कि अपराध का ग्राफ बढ़ता जा रहा है।

पहले एमजीएम फिर बिरसानगर में की गई लूट, तीन गिरफ्तार

सीसीटीवी से पकड़ाये बदमाश, लूट के पैसों से की पार्टी

जानकारी देते सिटी एसपी • फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : बिरसानगर और एमजीएम थाना क्षेत्र में चाकू का भय दिखाकर लूट करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में हर्ष ओम शर्मा, राहुल कुमार यादव और अरुण कुमार महतो शामिल है। आरोपियों के पास से दो हजार रुपये, वादी का पर्स और अन्य सामान बरामद किया है। सोमवार को सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि एमजीएम थाना क्षेत्र के तुरियाबेड़ा में सूरज कुमार सिंह के साथ चाकू के बल पर लूट कर ली गई थी। बदमाशों ने सूरज पर चाकू से हमला भी किया था। इस घटना को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने बिरसानगर में भी नवीन कुमार से लूट की थी। घटना की जांच में सीसीटीवी की मदद ली गई। इस दौरान आरोपी हर्ष की पहचान करते हुए उसे गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सिटी एसपी ने बताया कि दोनों घटनाओं में हर्ष था, जबकि एमजीएम वाले घटना में राहुल और बिरसानगर वाले घटना में अरुण मौजूद था। सूरज से 10 हजार रुपये की लूट की थी, जिसे पार्टी करने में खर्च कर दिया।

गोविंदपुर में वृद्धा से चेन छिनतई करने के मामले में दो गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : गोविंदपुर थाना अंतर्गत घोड़ाबांधा में वृद्धा से चेन छिनतई के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें बिरसानगर जोन नंबर 5 निवासी रोहित कुमार मुर्मू और सोने की चेन खरीदने वाला टेल्को कॉलोनी निवासी विकास कुमार उर्फ मंटू शामिल है। पुलिस ने आरोपी रोहित के पास से घटना में प्रयुक्त बुलेट और विकास के पास से 19.5 ग्राम गला हुआ सोना बरामद किया है। सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि खड़ंगाझार से घोड़ाबांधा बाइक पर सवार होकर अपने घर जा रही महिला के साथ गोविंदपुर में बुलेट सवार दो बदमाशों ने चेन की छिनतई की थी। इसी मामले में रोहित को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ में रोहित ने पुलिस को बताया कि उसने चेन 83,500 रुपये में आजाद मार्केट में ज्वेलरी दुकान चलाने वाले विकास को बेच दी है। पुलिस ने जब विकास के दुकान में छापेमारी की तो पता चला कि विकास ने चेन गला दी है।

बागबेड़ा व कीताडीह की दिव्यांग को मिली ट्राई-साइकिल

ट्राई साइकिल वितरित करते अधिकारी • फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR: पोटका के विधायक संजीव सरदार की अनुशंसा पर बाल विकास परियोजना कार्यालय से बागबेडा के पोस्तो नगर निवासी दिव्यांग अंजना देवी एवं कीताडीह निवासी ममता कुमारी को ट्राई-साइकिल उपलब्ध कराया गया है। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सुधा वर्मा, अंचल पदाधिकारी मनोज कुमार, सीडीपीओ कार्यालय की पदाधिकारी सुशीला देवी, पुतुल, मुखिया उमा मुंडा, पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, उप मुखिया संतोष ठाकुर आदि उपस्थित थे।

विवेक विद्यालय के छात्रों ने चित्रांकन प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

JAMSHEDPUR: छोटा गोविंदपुर स्थित विवेक विद्यालय के छात्रों ने स्पोर्टन एकेडमी, चेन्नई द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय चित्रांकन प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाई। प्राचार्य अवधेश सिंह ने बताया कि एक मई को ऑनलाइन प्रतियोगिता में इंट्री भेजी गई थी, जिसमें कक्षा 8 की आस्था कुमारी को दूसरा स्थान मिला, जबकि कक्षा 4 के जयदीप पाल को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र दिया गया है।

डीआरएम ने किया राज खरसावां सेक्शन का निरीक्षण, सुरक्षा मानकों की जांच की

PHOTON NEWS JSR: चक्रधरपुर रेल डिवीजन के डीआरएम अरुण जे. राठौड़ ने सोमवार को चक्रधरपुर -बड़ा बम्बो- राज खरसावां सेक्शन का पुश ट्रॉली निरीक्षण किया। डीआरएम ने चक्रधरपुर पूर्वी यार्ड, बड़ा बम्बो यार्ड और राज खरसावां पश्चिमी बाहरी यार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान ट्रैक, सिग्नल और सेफ्टी उपकरणों की जांच की। सुरक्षा के कई अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं की समीक्षा की गई। रेलवे आधारभूत संरचना की क्षमता बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की गई, जिससे यात्रियों को

आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिल सके। वहीं स्टेशन विकास परियोजनाओं में तेजी लाने पर जोर दिया गया। डीआरएम अरुण जे. राठौड़ ने कहा कि रेलवे बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए फास्ट ट्रैक आधार पर अत्याधुनिक रेल परिवहन संरचना बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

टाटा-वाराणसी -टाटा स्पेशल 26 जुलाई तक चलेगी

JAMSHEDPUR: दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने यात्रियों की सुविधाओं के लिए विशेष ट्रेनों के फेरों को बढ़ाने का निर्णय लिया है। रेलवे ने टाटानगर से होकर चलने वाली टाटा-वाराणसी-टाटा एक्सप्रेस को आगे भी चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन नंबर - 08103 टाटानगर वाराणसी स्पेशल जो कि हर गुरुवार चलती है, यह ट्रेन 4 जुलाई से 25 जुलाई तक चलेगी। वहीं ट्रेन नंबर -08104 वाराणसी -टाटानगर स्पेशल जो कि शुक्रवार को 5 जुलाई से 26 जुलाई तक चलेगी।

ऑटो चालक की पिटाई के बाद आरपीएफ पोस्ट पर चालकों ने घंटों किया प्रदर्शन

PHOTON NEWS JSR: टाटानगर रेलवे स्टेशन के बाहर ड्रॉपिंग लाइन में आरपीएफ जवान ने एक ऑटो चालक की पिटाई कर दी। इससे गुस्साए ऑटो चालको ने आरपीएएफ पोस्ट के बाहर प्रदर्शन किया। चालक आरपीएफ जवान द्वारा बेवजह की गई पिटाई का विरोध कर रहे थे। सभी चालक आरपीएफ जवान बबलू कुमार बिंदु के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे थे। जानकारी के अनुसार, मकदमपुर निवासी ऑटो चालक भुवर तिवारी टाटानगर रेलवे स्टेशन के ड्रॉपिंग गेट के बाहर हर रोज की तरह यात्री को लेने के लिए खड़े

प्रदर्शन करते ऑटो चालक • फोटोन न्यूज

थे। तभी टाटानगर आरपीएफ पोस्ट में पदस्थापित बबलू कुमार बिंदु नाम के आरपीएफ जवान ने ऑटो चालक भुवर तिवारी को खदेड़ना शुरू किया। इस दौरान जवान द्वारा ऑटो चालक की पिटाई की गई, जिसमें ऑटो चालक को काफी चोट आई और उनका मोबाइल क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी मिलते ही सभी ऑटो चालक टाटानगर आरपीएफ पोस्ट पहुंचे और आरपीएफ पोस्ट का घेराव कर जवान पर कार्रवाई करने की मांग करने लगे।

स्वर्णरेखा नदी में डूबने से युवक की मौत, शव मिला

KAPALI : सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल थाना क्षेत्र अंतर्गत कपाली ओपी स्थित सुवर्णरेखा नदी के गौरी घाट पर रविवार शाम नहाने के दौरान डूबने से युवक की मौत हो गयी। युवक की पहचान पूर्वी सिंहभूम जिले के जमशेदपुर कदमा भाटिया बस्ती के सुमित दास (25) के रूप में हुई है। पुलिस ने गोताखोर की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया। घटना के संबंध में कपाली थाना प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि रविवार की शाम सुमित दो दोस्तों के साथ सुवर्णरेखा नदी के गौरी घाट के पास गया था। वहां सभी ने पार्टी मनायी। इसके बाद सुमित नदी में नहाने के दौरान काफी भीतर तक चला गया और डूब गया। इसकी सूचना दोस्तों ने कपाली पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन की लेकिन अंधेरा होने के कारण कोई भी गोताखोर पानी में उतरने को तैयार नहीं हुआ।

भाजपा राज में छात्र अपना भविष्य बचाने के लिए 'लड़ाई' लड़ रहे हैं : डॉ. अजय

PHOTON NEWS JSR: कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य व पूर्व सांसद डॉ. अजय कुमार ने नीट पेपर लीक पर कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में देश के छात्र अपना भविष्य बचाने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। पिछले सात वर्ष में प्रश्नपत्र लीक होने की 70 घटनाएं हुई हैं, लेकिन मोदीजी हमेशा की तरह चुप हैं। नीट परीक्षा पेपर लीक 23 लाख से अधिक छात्रों और उनके परिवारों के सपनों के साथ विश्वासघात है। इसीलिए देश में बेरोजगारी और नौकरियों में भ्रष्टाचार सबसे बड़ा मुद्दा है। बिहार, गुजरात और हरियाणा में हुई गिरफ्तारियों से पता चलता है कि परीक्षा में योजनाबद्ध तरीके से भ्रष्टाचार किया गया है और ये भाजपा शासित राज्य पेपर लीक का केंद्र बन गए हैं। डॉ. अजय ने ऐसे कई उदाहरण दिए, जहां पेपर लीक के कारण परीक्षाएं रद्द कर दी गईं। डॉ. अजय ने कहा कि हमारे पास सबसे बड़ी युवा आबादी है। भाजपा सरकार इन युवाओं को सक्षम बनाने की बजाय कमजोर बना रही है। बच्चे सालों तक वेकेंसी आने का इंतजार करते हैं।

उपलब्धि गंगा मेमोरियल अस्पताल के डॉ. नागेंद्र ने दी नई जिंदगी

33 किलो की महिला, पेट से निकला 32 किलो का ट्यूमर

PHOTON NEWS JSR: पैसे तो कई लोग कमाते हैं। अपने प्रोफेशन को काफी प्रोफेशनल तरीके से चलाते हैं। बात जमशेदपुर व आसपास के ग्रामीण इलाकों की हो तो मजबूर व लाचार लोगों के लिए एक ही नाम जेहन में ऊभरता है, वह है गंगा मेमोरियल अस्पताल के डॉ. नागेंद्र सिंह। इन्होंने कई जटिल सर्जरी कर लोगों की जान बचाई है। रिस्क उठाया, लेकिन मरीजों की जान बचाने को अपना सबसे पहला धर्म माना। एक बार फिर उन्हें एक गरीब महिला नंदिनी सोरेन और उसके परिवार की दुआएं झोली भर मिल रही हैं।

दो साल से बीमार थी नंदिनी, निशुल्क शिविर में आई दिखाने

पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला अनुमंडल में एक गांव है एदलबेड़ा। जमशेदपुर से 60 किमी. दूर इस गांव में 16 जून को गंगा मेमोरियल अस्पताल के डॉ. नागेंद्र सिंह के सौजन्य से निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया था। उसी शिविर में पहुंची थी नंदिनी सोरेन। उसने डॉ. नागेंद्र को बताया कि करीब दो साल से पेट में दर्द रहता है। इसके साथ ही जब-तब ब्लीडिंग और बुखार भी आता रहता है। तब डॉ. नागेंद्र को उसके पेट में ट्यूमर होने का अंदेशा हुआ। जांच होने पर बड़े ट्यूमर का पता भी चला।

दो लाख का था खर्च, मुफ्त हुआ इलाज

ट्यूमर का पता चलने के बाद ऑपरेशन जरूरी था। कहीं दूसरी

महिला की जांच करते डॉ. नागेंद्र सिंह • फोटोन न्यूज

जगह ऑपरेशन का खर्च दो लाख रुपये बताया गया। महिला का पति कारू सोरेन पत्ते चुनने-तोड़ने का काम करता है। इन पत्तों को बेचकर वह घर का खर्च चला रहा था। पति-पत्नी ने अपनी आर्थिक हालात बताई तो डॉ. नागेंद्र सिंह बिना पैसे लिए ऑपरेशन के लिए तैयार हो गए। ऑपरेशन जटिल था, क्योंकि महिला का कुल वजन 33 किलो था और ट्यूमर 32 किलो का। डॉ. नागेंद्र सिंह के साथ उनकी टीम और डॉ. रूद्र प्रताप ने मिलकर सफलतापूर्वक सर्जरी कर ट्यूमर बाहर निकाला।

भगवान बनकर आए डॉक्टर साहब : कारू

पत्नी का जीवन बचने पर आंखों मे खुशी के आंसू भरे नंदिनी के पति कारू सोरेन ने कहा कि हमारे जीवन में भगवान के रूप में डॉक्टर साहब (डॉ. नागेंद्र) आए। मैं अपनी पत्नी का इलाज नहीं करा पा रहा था, इसीलिए डॉ. साहब के कैंप में दिखाया और उनके कहने पर ही गंगा मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया।

कैंप से लेकर सारा खर्च डॉ. नागेंद्र ने किया वहन

मरीज के परिवार की आर्थिक स्थिति जानने के बाद चिकित्सा शिविर से लेकर ऑपरेशन, दवा, खाने-पीने व आने-जाने का खर्च सब कुछ डॉ. नागेंद्र सिंह ने ही वहन किया। अब नंदिनी सोरेन पूर्ण रूप से स्वस्थ है और परिवार भी खुश है।

सरायकेला-खरसावां में विकसित किए जाएंगे कई पर्यटन स्थल

PHOTON NEWS SARAIKELA: समाहरणालय स्थित सभागार में उप विकास आयुक्त प्रभात कुमार बर्दियार की अध्यक्षता में सोमवार को जिलास्तरीय पर्यटन संवर्धन परिषद की बैठक हुई, जिसमें सरायकेला-खरसावां जिले में कई पर्यटक स्थल विकसित करने का निर्णय लिया गया।

बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने पूर्व की बैठक में दिए गए दिशा-निर्देश के अनुपालन तथा विभिन्न पर्यटन स्थलों के जीर्णोद्धार पर किए जा रहे कार्यों की बिंदुवार समीक्षा कर निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण करने तथा कार्यों तथा सामग्रियों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखनें के निर्देश दिए। इस दौरान जिला खेल पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी पर्यटन विभाग अमित कुमार ने बताया कि पूर्व की बैठक में

बैठक को संबोधित करते अधिकारी • फोटोन न्यूज

प्रस्तावित पर्यटन स्थलों की कुल 25 सूची में विभाग द्वारा 10 पर्यटन स्थलों को डी-कैटेगरी में अधिसूचित किया गया है, जिस पर समिति सदस्यों द्वारा अन्य शेष बचे पर्यटन स्थलों के विकास के लिए पुनः विभाग को सूची भेजने का निर्णय लिया गया। इस दौरान ऐसे अधिसूचित पर्यटन स्थल, जहां पर्यटक व श्रद्धालुओं का आवागमन अधिक है, वैसे पर्यटन स्थल के सुंदरीकरण, साफ-सफाई, शौचालय तथा सीढ़ियों की मरम्मत, साइनेज बोर्ड लगाने की योजनाओं की स्वीकृति पर निर्णय लिया गया। इस दौरान उप विकास आयुक्त ने ए, बी व सी कैटेगरी के पर्यटन स्थल पर ग्राम सभा के माध्यम से पर्यटन प्रबंधन समिति का गठन करने का निर्देश दिया। बैठक में प्रशिक्षु आईएएस कुमार रजत, जिला भूअर्जन पदाधिकारी चांडिल, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत सरायकेला, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद कपाली, स्थानीय जनप्रतिनिधि (समिति सदस्य) एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

BRIEF NEWS

चैनवा स्टेशन मैनेजर की सड़क हादसे में मौत

CHHAPRA : पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के चैनवा रेलवे स्टेशन के मैनेजर संजय कुमार की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। संजय कुमार छपरा स्टेशन से अपने ड्यूटी स्थल छपरा सीवान रूट के चैनवा स्टेशन ड्यूटी के लिए जा रहे थे। उनकी ड्यूटी रात्रि 12 बजे से सुबह आठ बजे तक चैनवा स्टेशन पर थी, इसलिए वे छपरा से रात्रि 11 बजे ड्यूटी के लिए छपरा से बाइक से निकले। इसी बीच दाउदपुर और एकमा के बीच विपरीत दिशा से आ रही बाइक से उनकी बाईक की टक्कर हो गई। बाइक की टक्कर के बाद स्थानीय लोगों के द्वारा पुलिस को इसकी सूचना दी गई। उसके बाद पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच कर उपचार हेतु छपरा सदर अस्पताल भेजा गया। छपरा सदर अस्पताल के डाक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

ऑनलाइन एप्लिकेशन ई शिक्षा कोष का हुआ ट्रायल

KISHANGUNJ : शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज किए जाने को लेकर ऑनलाइन एप्लिकेशन ई-शिक्षा कोष का सोमवार को ट्रायल किया गया। बिहार पंचायत नगर प्रारंभिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार ने कहा कि सोमवार को इसका ट्रायल तो किया गया है लेकिन ट्रायल का आलम यह रहा कि जिले के कई शिक्षक परेशान रहे। बताया गया कि इंटरनेट की धीमी रफ्तार के कारण ज्यादातर शिक्षकों के मोबाइल में एप खुला नहीं, कुछ शिक्षकों का मुश्किल से खुला भी तो लॉकेशन 500 मीटर से बहार दिखा रहा था। शिक्षकों द्वारा इस एप के माध्यम से 500 मीटर के दायरे में ही उपस्थिति दर्ज किया जा सकता हैं। संघ द्वारा मांग किया गया है कि जब तक एप को सुदृढ़ नहीं कर लिया जाता है तब तक इस माध्यम से उपस्थिति दर्ज नहीं कराई जाए।

रोटी बैंक के संस्थापक राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित

SAHARSA : रोटी बैंक जयनगर के वार्षिक उत्सव पर आयोजित भव्य सम्मान समारोह में रोटी बैंक सहरसा को मानव सेवा में बेहतर एवं उत्कृष्ट योगदान देने हेतू राष्ट्रीय एकता सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसएसबी कमांडेंडेंट पुलिस अधीक्षक विवेक ओझा, डीएसपी विप्लव्य कुमार , थाना प्रभारी अंकुर कुमार के द्वारा रौशन मिश्रा और पंकज कुमार को स्मृति चिन्ह और चादर दे कर सम्मानित किया। इस मौके पर रोटी बैंक जयनगर के लकी कुमार और रवि ने कहा कि मेरे लिए ऐतिहासिक और गर्व का पल है की हम मानव सेवा में तत्पर रहने वाले रोटी बैंक सहरसा को मां जानकी की धरती जयनगर में सम्मान दे रहें है।

चंपारण में लखौरा के दीपेश हत्याकांड के दो आरोपी धराए

CHAMPARAN : लखौरा थाना क्षेत्र के नौरंगिया गांव में पिछले 11 जून को हुए हत्या मामले में पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में डीएसपी जितेश पांडेय ने बताया कि ग्राम नौरंगिया में पिछले 11 जून को एक शव बरामद किया गया था,जिसके शरीर पर कई जगह चाकू से हमला के निशान पाए गए थे। मृतक की पहचान दीपेश कुमार पिता कन्हैया साह के रूप में हुई थी। मृतक के पिता कन्हैया साह के आवेदन के आधार पर लखौरा थाना में एफआईआर दर्ज की गई थी।

मुजफ्फरपुर की बंदरा पंचायत का मामला, गश्ती वाहन को किया क्षतिग्रस्त

पुलिस टीम पर शराब माफिया ने किया हमला, दारोगा जख्मी

AGENCY MUZAFFARPUR : मुजफ्फरपुर में पुलिस पर शराब माफिया के लोगों ने हमला किया है। जिले के बंदरा पंचायत के वार्ड पांच में शराब की सूचना पर छापेमारी करने गई पियर थाने की पुलिस टीम पर शराब तस्करों ने हमला कर दिया। इस हमले में शराब माफियाओं ने दारोगा अभिनंदन कुमार का सिर फोड़ दिया। पुलिस वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। पीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद दारोगा को मेडिकल रेफर कर दिया गया है। घटना के संबंध में थानाध्यक्ष पंकज यादव ने बताया कि शराब की सूचना पर पीएसआई (दारोगा) अभिनदंन कुमार के

घटना के बाद गश्ती करती पुलिस।

साथ पुलिस बल छापेमारी करने बंदरा गई थी। 10 लीटर देसी और करीब ढाई लीटर विदेशी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया था। उसे छुड़ाने के लिए कुछ महिला और पुरुष ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इसमें दारोगा का सिर फूट गया। लोगों ने गश्ती वाहन के शीशा को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। मामले में तीन पुरुषों और दो महिलाओं को हिरासत में लिया गया है, जिसे थाने पर लाकर पूछताछ की जा रही है। इधर, पीएचसी में तैनात डॉ आदित्य कृष्णा ने बताया कि पियर थाने के दारोगा अभिनंदन कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल रेफर कर दिया गया है। सिर पर किसी ठोस वस्तु से प्रहार किया गया था। टांका लगाने के बाद बेहतर इलाज के लिए एसकेएमसीएच रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इस हमले को लेकर मुजफ्फरपुर पुलिस गंभीर है। जिन लोगों ने पुलिस टीम पर हमला किया उनकी पहचान की जा रही है। वरीय अधिकारी ने कहा है कि जल्द ही उन्हें दबोच लिया जाएगा।

पटना में सोनाक्षी सिन्हा व जहीर की शादी का जमकर विरोध, लगे पोस्टर

AGENCY MUNGER : सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल अब शादी के बंधन में बंध गए हैं। दोनों की शादी को लेकर एक तरफ जश्न है तो दूसरी तरफ इनकी शादी के खिलाफ बिहार में आवाज उठाई जा रही हैं। दरअसल राजधानी पटना में सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी के खिलाफ पोस्टर्स भी लगाए गए हैं। इस पोस्टर में लिखा गया है कि सोनाक्षी सिन्हा को बिहार में घुसने नहीं देंगे। इसमें लव जिहाद को बढ़ावा देने की बात भी कही गई है। बॉलीवुड की जानी-मानी सेलिब्रिटी और बिहार की बेटी सोनाक्षी सिन्हा अब जहीर इकबाल के साथ शादी के बंधन में बंध गई हैं। इस शादी को लेकर फिल्मी गलियारों में जश्न का माहौल है जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। तो वहीं, दूसरी ओर,

जहीर इकबाल और सोनाक्षी सिन्हा।

बिहार में सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी के खिलाफ खूब आवाज उठाई जा रही हैं। अलग अलग संगठन इस शादी का विरोध कर रहे हैं। शत्रुघ्न सिन्हा है और सोनाक्षी के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर शादी के विरोध में तरह-तरह के पोस्ट लिखे जा रहे हैं। पटना में सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी के खिलाफ तो पोस्टर्स भी लगा दिए गए हैं। ये पोस्टर हिन्दू शिवभवानी सेना द्वारा लगाए गए हैं। पोस्टर में लिखा गया है कि सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी लव जिहाद को बढ़ावा देता है। पोस्टर में आगे लिखा गया है कि शत्रुघ्न सिन्हा जी शादी के फैसले पर पुनर्विचार करें नहीं तो अपने बेटे लव और कुश के नाम के साथ-साथ घर का नाम ह्यरामायणह्न भी बदल लें। सोनाक्षी सिन्हा को हिन्दू शिवभवानी सेना बिहार में घुसने नहीं देगी। बता दें कि पोस्टर में लव कुमार सिंह के नाम का भी जिक्र किया गया है, जो हिन्दू शिवभवानी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। बता दें कि चर्चित बॉलीवुड अभिनेता और सांसद शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी सोनाक्षी ने 23 जून को जहीर इकबाल से रजिस्टर्ड मैरिज कर ली हैं।

'राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को भ्रष्टाचार मुक्त करना हमारी प्राथमिकता'

KISHANGUNJ : राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डा. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि बिहार में नियमानुसार काम नही हो रहा है। मंत्री डा. दिलीप कुमार जयसवाल ने पूरे बिहार के पत्रकारो से अनुरोध किया है कि वे प्रतिदिन 24 घंटे में से रोज 1 घंटा राजस्व विभाग के कार्यालय की सभी कमियों और भ्रष्टाचार को उजागर करें और विभाग के मंत्री उन कमियों के लिए दोषियों पर कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि विभाग के नियमों के अनुरूप काम नहीं करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की जायेगी, लेकिन गौर करने वाली बात यह है कि मंत्री के जिले किशनगंज में अंचल अधिकारियों और राजस्व कर्मचारी की मनमानी चरम पर है। जिले के पोठिया अंचल में बिना चढ़ावा के दाखिल खारिज कराना नामुमकिन हो गया है। अंचल अधिकारी से लेकर राजस्व कर्मचारी तक बिना आपत्ति वाले दाखिल-खारिज के मामलों को लंबित रखकर चढ़ावे का इंतजार किया जाता हैं ।

फर्जी नियुक्ति पत्र बांटने वाले गिरोह का भंड़ाफोड़

- संस्कृत टीचर बनाने के नाम पर ठगे 52 लाख
- पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को किया गिरफ्तार

AGENCY GOPALGUNJ : नीट और नेट परीक्षा में हुई धांधली के बाद अब बिहार से एक और ऐसा ही गड़बड़ घोटाला वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने पटना से फर्जी नियुक्ती पत्र बांटने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद इनको न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। एसपी स्वर्ण सिंह ने बताया कि साल 2023 में थावे थाना के रामचन्द्रपुर गांव के शैलेश कुमार सिंह ने फर्जी नियुक्ति पत्र देने वाले गिरोह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें संस्कृत शिक्षक के पद पर नौकरी देने की बात दर्ज कराई गई थी। शैलेष ने नौकरी के नाम पर 52 लाख रुपये की ठगी का आरोप लगाया था। इसके बाद से पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही थी। पुलिस ने इस मामले में नामजद तीनों अभियुक्तों को पकड़ लिया है। पकडे गए सदस्य मोतिहारी के शाहिद राजा, भोजपुर के विश्वजीत और मनीष सिंह हैं। चौथा अभियुक्त ओमप्रकाश सिंह अभी तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। शैलेष ने आरोप लगाया था कि संस्कृत विद्यालय और अल्पसंख्यक विद्यालय में शिक्षक के पद की नौकरी लगाने के लिए अप्रैल 2022 में 52 लाख रुपये दिए गए थे।

मोतिहारी में पुल गिरने के बाद कंस्ट्रक्शन कंपनी के मैनेजर ने दर्ज कराया केस

E. CHAMPARAN : जिले के घोड़ासहन में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बन रहे आरसीसी पुल के गिरने के मामले में पुल बनाने वाले ठेकेदार के मैनेजर गौतम ने थाने में अज्ञात लोगों पर केस दर्ज कराया है। बता दे,कि बीते 23 जून को धीरेंद्र कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बनाये जा रहे पुल निर्माण के साथ ही भरभरा कर गिर गया था।जिसके बाद राज्यस्तर इसकी चर्चा हुई और विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है। वही स्थानीय लोगों की मानें तो पुल गिरने के बाद कंपनी की ओर से मौके पर कोई नहीं पहुंचा था। कंस्ट्रक्शन कंपनी के मैनेजर ने घोड़ासहन थाने में दिये आवेदन में कहा है कि रात में किसी व्यक्ति ने ढलाई किए गए पुल के बांस-बल्ला को नष्ट कर दिया। जिस कारण नवनिर्मित आरसीसी पुल गिर गया। आवेदन में उन अज्ञात व्यक्तियों को चिह्नित कर उस पर कार्रवाई करने की मांग की है।

शेयर मार्केट के नाम पर पड़ोसियों ने ठगे 46 लाख

- 21 दिनों में पैसा डबल करने का दिया झांसा
- आरोपी असम में रहकर कर रहे थे रोजगार

AGENCY GOPALGUNJ : 21 दिन में पैसा डबल वाला फिल्मी सीन आप सबने देखा होगा। ऐसी ही एक घटना बिहार के गंगाछापर गांव में घटित हुई है। यहां भी एक युवक अपने रुपये दोगुने करने के चक्कर में ऐसा फसा कि पूरे 46.39 लाख रुपये की ठगी का शिकार हो गया । पीडित ने बाद में अपनी समस्या पुलिस में दर्ज कराई तो सब हैरान रह गए। संतोष नें अपने पड़ोसियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। इसमें उसने पवन सिंह, रामचंद्र सिंह, अनुज सिंह और गायत्री देवी पर जालसाजी और धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। पीडित संतोष कुमार ने बताया कि उनके इन्हीं पड़ोसियों ने उसके साथ ठगी की है। इन लोगों ने संतोष से शेयर बाजार के जरिए रुपयों को दोगुना करने का झांसा दिया। फिर जमीन बैनामा कराने के नाम पर ठगा। इस तरह संतोष की जेब से पूरे 46 लाख 39 हजार 349 रुपए ठग लिए गए। ये सभी आरोपित पहले असम में रहकर रोजगार करते थे। इन लोगों ने संतोष को भरोसा दिलाया कि शेयर मार्केट के जरिए रुपये दोगुना हो जाएंगें। इसी लालच में संतोष ने 17 लाख 32 हजार रुपये दे दिए। फिर धीरे-धीरे दिन बीतते गए और ये लोग इसी तरह से संतोष से रुपये लेते रहे। इस तरह इन लोगों ने आगे 23 लाख 6 हजार, ढाई लाख, डेढ़ लाख और 2 लाख रुपये ले लिए।

संदिग्ध परिस्थिति में महिला की मौत, मां ने लगाया हत्या का आरोप

KAHALGAON : जिले के सनोखर थाना क्षेत्र के सिलहन खजुरिया पंचायत के कुशवाहापुर गांव निवासी सोनू अंसारी की 20 वर्षीय पत्नी खूशबू खातून की मौत संदिग्ध परिस्थिति में हो गई। घटना बीते रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है। मृतका के ससुराल वालों का कहना है कि रात में अचानक पेट में दर्द हुआ और तुरंत उसकी मौत हो गई। वहीं दूसरी ओर मृतका के मां ने कहा कि पेट में दर्द होने से मौत नहीं हुई है। इसकी हत्या की गई है। मेरी बेटी के साथ हमेशा मेरा दामाद और उसकी सास मारपीट करती थी। बीते रात्रि में मेरी बेटी का गला दबा कर मार डाला गया। आज से छः साल पहले मेरे बेटी कीज्ञशादी हुई थी। उधर घटना की जानकारी मिलते ही सनोखर थानाध्यक्ष रणतेज भारती और एएसआई पीके गुप्ता मनोज कुमार दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुँचे और घटना की छानबीन शुरू कर दी।

बारात लेकर आया दूल्हा, प्रेमी संग फरार हो गई दुल्हन; साली के साथ लड़के ने की शादी

AGENCY SAMASTIPUR : बिहार के समस्तीपुर से शादी का एक अनोखा मामला सामने आया है। बेचारे दूल्हे राजा सज धज कर और बारात लेकर दुल्हन के दरवाजे पर पहुंचे। इसी दौरान दुल्हन अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। इज्जत बचाने के लिए दोनों परिवारों ने मिलकर दूल्हे की शादी उसकी साली के साथ करवा दी। इस अजीबोगरीब शादी की चर्चा चारों और हो रही है।

हालांकि शादी की अगली सुबह पुलिस ने दुल्हन को बरामद कर लिया। उसने अपने प्रेमी पर किडनैप करने का आरोप लगाया है। यह हैरतअंगेज घटना जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की है। शुक्रवार की देर रात निकली बारात धूमधाम से लड़की के दरवाजे पर पहुंची। वहीं दुल्हन शौच के बहाने घर से निकलकर पीछे स्थित बगीचा में चली गई। वहां उसका प्रेमी पहले से इंतजार कर रहा था। अपनी पसंद के लड़के से शादी करने के लिए वह अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। दुल्हन के भागने की जानकारी

- दुल्हन ने अपने प्रेमी पर किडनैप करने का लगाया गंभीर आरोप
- परिजनों ने लड़की को साथ रखने से किया इनकार

जैसे ही लड़की वालों को हुई तो हड़कंप मच गया। उन्होंने इज्जत बचाने के लिए नया तरीका निकाल लिया। दुल्हन की छोटी बहन को शादी के लिए तैयार कराया गया और उसी से लड़के की शादी कराई गई। इस अनोखी शादी की घटना के संबंध में बताया जाता है कि रोसड़ा थाना क्षेत्र के पाबड़ा गांव से बारात विभूतिपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में आई थी। लड़की पक्ष ने शादी की पूरी तैयारी कर ली थी। उधर लड़का भी पूरी तैयारी के साथ शादी के लिए पहुंच था। लेकिन जैसे ही बारात पहुंचने की जानकारी मिली कि लड़की घर से शौच करने के बहाने निकल गई और गांव के ही अपने प्रेमी युवक के साथ फरार हो गई। जैसे ही इसकी जानकारी मिली की लड़की गायब है तो घर के लोग अपनी इज्जत को लेकर परेशान हो गए। ग्रुप बनाकर परिजन लड़की को खोजने लेकिन वह कहीं नहीं मिली। लड़की वालों ने घटना की सच्चाई लड़के वालों को बता दी। कुछ देर के मान मनौव्वल के बाद लड़का अपनी साली के साथ शादी करने के लिए तैयार हो गया और फिर दुल्हन की जगह साली ने दूल्हे के साथ सात फेरे लिए। दूल्हा और दुल्हन को विदा करने के बाद परिजनों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। बताया गया कि लड़की अपने प्रेमी के साथ भाग गई है। इस मामले में प्रभारी थानाध्यक्ष सह अपर थानाध्यक्ष संगीता कुमारी ने बताया कि लड़की के लापता होने की जानकारी रात में मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। सुबह लड़की को बरामद कर लिया गया। पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की गुत्थी सुलझाने में जुटी है। इधर फरार दुल्हन नई कहानी सुना रही है। उसका कहना है प्रेमी मनीष ने उसे अगवा कर लिया था। हालांकि घर वाले उसकी बात मानने के तैयार नहीं हैं। लड़की ने बताया कि वह रात भर अपने प्रेमी मनीष और उसके दोस्तों के साथ थी। लेकिन सुबह-सुबह लड़की को उसका प्रेमी वापस घर छोड़ गया और भाग गया। लड़की को देख परिवार वालों ने उसे साथ रखने से साफ इनकार कर दिया और कहा कि मनीष के साथ चली जाए क्योंकि परिवार की इज्जत ले ली। लड़की ने बताया कि मनीष उसका अपहरण किया था। अपनी मर्जी से उसके साथ नहीं गई थी। मनीष ने दोस्तों के साथ मिलकर उससे मारपीट भी की। लड़की के बयान पर मनीष और दोस्तों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

दरभंगा एयरपोर्ट पर नया टर्मिनल भवन तैयार, 31 जुलाई से होगा कार्यरत

DARBHANGA : दरभंगा एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुविधा बढ़ने वाली है। यहां वर्तमान टर्मिनल भवन के पास ही 2 ।40 एकड़ में नया टर्मिनल भवन बनाया गया है। इसके पूरी तरह से कार्यरत हो जाने पर यात्रियों को कई तरह की सुविधाएं मिलेंगी। 31 जुलाई से इसके कार्यरत हो जाने की उम्मीद है। दरभंगा एयरपोर्ट के प्रभारी निदेशक पार्था साहा ने कहा कि नए टर्मिनल भवन में कुछ तकनीकी काम बाकी है। इस काम के पूरा हो जाने के बाद इसे पूरी तरह कार्यरत कर दिया जाएगा। रक्षा मंत्रालय से एनओसी मिलने के बाद 34 करोड़ की लागत से इस नए टर्मिनल भवन का निर्माण किया गया है। इस नए टर्मिनल भवन की क्षमता 600 यात्रियों की होगी। यहां पर 440 कुर्सियां लगायी गयी हैं। तीन लगेज बेल्ट की व्यवस्था की गयी है। साथ ही दो एप्रन (विमान को खड़े करने की जगह) बनाये गए हैं। नये टर्मिनल भवन के कार्यरत होने के बाद भी पुराना टर्मिनल भवन कार्यरत रहेगा। इस प्रकार दरभंगा एयरपोर्ट पर दो टर्मिनल भवनों की व्यवस्था हो जाएगी।

पंचायती में खून खराबा, लाठी से पीट-पीटकर बुजुर्ग की हत्या

AGENCY JAHANABAD : जहानाबाद में पंचायती के दौरान लाठी से पीट कर एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। घटना शकूराबाद थाना क्षेत्र के चिकसौरा गांव की है। पंचायत जमीन बंटवारे को लेकर बुलाई गई थी जहां दो पक्षों के बीच अचानक विवाद हो गया और लाठी डंडे चलने लगे। इसी में एक की मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। आरोपियों की पहचान की जा रही है। पुलिस ने कहा है कि जांच कर जो तथ्य सामने आएगें उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। पंचायती के दौरान विवाद में दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठियां चली । मारपीट के दौरान दूसरे पक्ष से साधु शरण सिंह, 60 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें स्थानीय लोगों के सहयोग से इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रतनी फरीदपुर ले जाया गया जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद विशेष इलाज हेतु सदर अस्पताल जहानाबाद भेज दिया । अधेड़ की हालात गंभीर देखते हुए सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया

जहां इलाज के दौरान देर शाम साधु शरण सिंह की मौत हो गई । साधु शरण सिंह की मौत की खबर सुनते हीं गांव में कोहराम मच गया। मालूम हो की शनिवार को जमीन विवाद को लेकर देवचरन सिंह एवं साधुशरण सिंह के बीच विवाद हुआ था जिसमें साधु शरण सिंह की पत्नी इंदू देवी सहित कई लोग घायल हो गए थे। दोनों पक्षों की ओर से शकूराबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इधर थानाध्यक्ष मोहन प्रसाद सिंह ने बताया कि जमीन विवाद में मारपीट हुई थी। घायल एक व्यक्ति की मौत पटना पीएमसीएच में इलाज के दौरान होने की सूचना है। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना में गई लोग घायल हैं। आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस इस मामले में काफी गंभीर है। कांड की तफ्तीश जारी है।

खुशखबरी : भारतीय रेलवे को भेजी गई समय सारणी, हरी झंडी का इंतजार

जनकपुर-अयोध्या के बीच चलेगी ट्रेन

AGENCY MADHUBANI : नेपाल के जनकपुर से अयोध्या के बीच ट्रेन परिचालन को लेकर नेपाल रेलवे ने सारी तैयारियां पूरी ली हैं। इसकी समय सारिणी भारतीय रेलवे को भी भेज दी गई है। वहां से हरी झंडी का इंतजार है। यह जानकारी नेपाल रेलवे के महाप्रबंधक निरंजन झा ने दी हैं। ट्रेन परिचालन को लेकर जनकपुर-जयनगर रेलखंड के विभिन्न स्टेशनों की स्थिति और रेलवे ट्रैक का निरीक्षण करते हुए निरंजन झा नेपाल रेलवे के जयनगर रेलवे स्टेशन पहु़ंचे थे। महाप्रबंधक ने

ट्रेन में होंगे 20 डिब्बे

महाप्रबंधक ने बताया कि ट्रेन परिचालन की तिथि अभी निर्धारित नहीं की गई है, लेकिन नेपाल में भारतीय राजदूत के माध्यम से पूर्व मध्य रेलवे को ट्रेन परिचालन की समय सारणी भेजी गई है। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन विवाह पंचमी से पहले चलने लगेगी। जनकपुर से अयोध्या के बीच साप्ताहिक ट्रेन चलेगी। 20 डिब्बे वाली इस ट्रेन में एसी क्लास के अलावा स्लीपर व जनरल डिब्बे भी लगाएं जाएंगे।

बताया कि जयनगर से जनकपुर तक मालगाड़ी के परिचालन को लेकर नौ माह पहले नेपाल में भारतीय राजदूत को पत्र लिखा गया था। मामला दोनों देशों के बीच कस्टम के कार्य और सामान आयात-निर्यात संचालन पर अटका है। इस पर बातचीत चल रही है। जनकपुर से यह ट्रेन शनिवार की दोपहर 13:30 बजे अयोध्या के लिए प्रस्थान करेगी और अगले दिन रविवार की सुबह चार बजे अयोध्या पहुंचेगी। उसी दिन अयोध्या से यह ट्रेन शाम 17 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह आठ बजे जनकपुर पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन का विस्तार नई दिल्ली तक करने का प्रस्ताव भी भेजा गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पूर्व मध्य रेलवे से भी बात हुई है।

दो वाहनों की टक्कर में एक की मौत, 4 घायल

E. CHAMPARAN : जिले के मेहसी थाना क्षेत्र में ओवर ब्रिज के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने टेंट का सामान लाद कर ले जा रहे टाटा मैजिक को टक्कर मार कर मौके से फरार हो गया। टक्कर लगने के बाद मैजिक बेकाबू होकर बीच सड़क पर पलट गयी। इस दौरान मैजिक के नीचे दबने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई।जब कि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि मैजिक वाहन हरपुर नाग से टेंट का सामान लेकर मोतीपुर जा रहा था। इसी बीच ट्रक ने टक्कर मार दी। घटना में मृतक की पहचान हरपुर नाग निवासी मुरसिम आलम के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

सहरसा में कोरोबारी के घर से मिले भारतीय सेना के 250 जिंदा कारतूस

- प्लास्टिक के बैग में बंद करके रखे थे कारतूस
- पुलिस ने आरोपी कैलाश को किया गिरफ्तार

AGENCY SAHARSA : सहरसा पुलिस ने एक कारोबारी के घर से भारतीय सेना का जिंदा कारतूस बरामद किया है। करीब 250 जिंदा कारतूस की बरामदगी के बाद पुलिस अब इसकी जांच में जुट गयी है। इन पकड़े गए कारतूसों के आधार पर पुलिस ने कैलाश को गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ चल रही है। पूछताछ में कारोबारी ने बताया है कि उसका भाई सेना में है। वही कारतूस लाकर बिक्री करने के लिए अपने भाई को देता है।

कासनगर थाने के अधिकारी सत्येन्द कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि कैलाश मेहता के घर अवैध हथियार मौजूद हैं। इस सूचना के आधार पर कासनगर थाने की पुलिस और जिला खुफिया विभाग के अधिकारियों ने मिलकर छापा मारा। रेड के दौरान मेहता के घर के दीवान पलंग के अंदर से भारी मात्रा में जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। कैलाश ने कारतूसों को प्लास्टिक के बैग में बंद करके रखा हुआ था। पुलिस की टीम ने गिने तो कारतूस की संख्या 250 निकली। इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए सिमिरी बख्तियारपुर एसडीपीओ मुकेश ठाकुर ने बताया कि हमने गुप्त सूचना के आधार पर जिले के कई हिस्सों में छापेमारी की है। इससे हमें बड़ी सफलता मिली है। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि कारतूस उसका सगा भाई उदय मेहता लाकर देता है। उदय इस समय सेना में काम करता है। उन्होंने कहा कि हम इस तरह की छापेमारी आगे भी करते रहेंगे, ताकि जिले में किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधियों को फलने-फूलने का मौका न मिले।

नया शीत युद्ध

प्योंगयांग में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के बीच हुए सुरक्षा समझौते में शीत युद्ध के युग की गूंज निहित है। इस समझौते में दोनों देशों ने हमले की स्थिति में एक-दूसरे की सहायता करने का वादा किया है। पूर्व सहयोगी रूस और उत्तर कोरिया को अलग-अलग वजहों से कड़े प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। और, दोनों देशों के पश्चिमी देशों के साथ मतभेद हैं। अब, ये दोनों देश अपने गठबंधन को पुनर्जीवित करने के लिए प्रतिबद्ध दिख रहे हैं ताकि वे पश्चिमी देशों की अगुवाई वाली वैश्विक व्यवस्था के सामने एक साथ खड़े हो सकें। पुतिन की प्योंगयांग यात्रा, जो 24 सालों में उनकी पहली यात्रा थी, अपने आप में एक नई शुरूआत थी। रूसी नेता ने अतीत में उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाने के बहुपक्षीय प्रयासों का समर्थन किया है। मॉस्को ने प्योंगयांग के परमाणु हथियारों को लेकर उसके खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रतिबंधों के लिए मतदान भी किया है। लेकिन ऐसा मालूम होता है कि यूक्रेन युद्ध ने क्रेमलिन के भूराजनैतिक अंकगणित को बदल दिया है और प्योंगयांग को खुद को एक सहयोगी के रूप में उपयोगी बनाने का एक मौका प्रदान किया है। जब यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच गया और रूस पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के अधीन आ गया, तो पुतिन ने गोला-बारूद एवं बैलिस्टिक मिसाइलों के लिए किम की ओर रुख किया। सितंबर 2023 में किम की रूस यात्रा के बाद, उत्तर कोरिया ने कथित तौर पर रूस को गोला-बारूद की आपूर्ति की। मॉस्को ने भोजन एवं ईंधन की आपूर्ति बढ़ा दी और ऐसी अटकलें थीं कि वह महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के साथ उत्तर कोरिया के रक्षा क्षेत्र की मदद कर सकता है। भले ही दोनों देशों ने हथियारों के व्यापार की रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, लेकिन यह सुरक्षा समझौता स्पष्ट रूप से द्विपक्षीय रिश्तों को वास्तविक गठबंधन के स्तर तक ऊपर उठाता है। यूक्रेन युद्ध के बाद से, पुतिन ने उन देशों के साथ रूस के सहयोग का लगातार विस्तार किया है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ मतभेद रखते हैं। उन्होंने कथित तौर पर ईरान से कामिकेज ड्रोन खरीदे। चीन भी एक प्रमुख आर्थिक, तकनीकी और ऊर्जा भागीदार के रूप में उभरा है। और उत्तर कोरिया, जो एक अलग-थलग एवं एक परिवार द्वारा शासित अधिनायकवादी देश है और तकनीकी रूप से अभी भी दक्षिण कोरिया के साथ युद्धरत है, को हमले की स्थिति में मदद करने का वादा करके रूस ने पूर्वोत्तर एशिया में एक बड़ी भूमिका निभाने के प्रति अपनी तत्परता का संकेत दिया है। मूल रूप से एक ठंडे योद्धा माने जाने वाले, पुतिन वैश्विक व्यवस्था से जुड़े मंथन में तेजी लाने के लिए पश्चिम देशों के मुखालिफ ह्यअन्य देशोंह्न की धुरी बनाना चाहते हैं। चीन सतर्क बना हुआ है लेकिन पश्चिमी व्यवस्था को चुनौती देने वाले अपने निकटतम साझेदारों के विचार से उसे कोई दिक्कत नहीं है। इसके दूरगामी भूराजनैतिक नतीजे होंगे। उत्तर कोरिया के पास अब परमाणु निरस्त्रीकरण पर चर्चा करने के लिए बहुत कम प्रोत्साहन होगा।

परीक्षा की घड़ी

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा यूजीसी-नेट परीक्षा के कथित सफल आयोजन के ठीक एक दिन बाद, बुधवार को इस परीक्षा का रद्द होना, एक और चोट है जिसने एजेंसी की चरमराती साख को खंड-खंड कर देने का खतरा पैदा कर दिया है। इस साल की नीट-यूजी (मेडिकल) में अनियमितताओं और जेईई (इंजीनियरिंग) के बारे में शिकायतों के बाद, यह घटित होने से एनटीए भारी दबाव में है। कुछ मायनों में, शिक्षा मंत्रालय की कार्रवाइयां नीट में सामने आ रही नाकामियों पर उसकी प्रतिक्रिया के बिल्कुल उलट हैं और ऐसा लगता है कि उसने कुछ सबक सीखे हैं। उसने गृह मंत्रालय की साइबर क्राइम टीम से मिली सूचनाओं के आधार पर, अभ्यर्थियों की ओर से किसी औपचारिक शिकायत के बगैर, स्वतः कार्रवाई की। यह नीट मामले के उलट है, जहां उसने पेपर लीक के कई आरोपों और पुलिस शिकायतों के बावजूद, कमेटियों एवं अदालती मामलों के जरिए अपने पैर पीछे खींच लिये। मंत्रालय ने यूजीसी-नेट तुरंत रद्द किया और नयी परीक्षा कराने का वादा किया। उसने सीबीआई से मामले की जांच करने को कहा है, लेकिन इसी तरह की जांच के लिए नीट अभ्यर्थियों की लगातार मांग पर ध्यान नहीं दे रहा है। हालांकि, नौ लाख से ज्यादा यूजीसी-नेट अभ्यर्थियों के लिए, जिन्होंने महीनों तक पढ़ाई की, और फिर अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय की (कुछ ने इस खर्च का बोझ उठाने के लिए कर्ज तक लिया), यह बहुत छोटी सांत्वना है। ये युवा जवाब पाने के हकदार हैं और फिलहाल, ज्यादातर प्रश्न अभी तक अनुत्तरित ही हैं। मसलन, सरकार के शिक्षा प्रतिष्ठान में कोई यह नहीं समझा पाया कि नेट 2018 तक सीबीएसई द्वारा आयोजित एक ऑफलाइन परीक्षा थी, जिसके बाद यह एनटीए के जिम्मे हो गयी और ऑनलाइन परीक्षा बन गयी, लेकिन इस साल इसे दोबारा कलम-कागज वाले उस इम्तिहान में क्यों बदल दिया गया, जिसके पेपर लीक की चपेट में आने का खतरा ज्यादा होता है। जांच आगे बढ़ने के साथ, अभ्यर्थियों की नजरों में एनटीए दोबारा भरोसे लायक बन सके, ऐसी किसी उम्मीद की चाबी पूर्ण पारदर्शिता है। इसके बाद जवाबदेही और दोषियों को सजा की बारी आती है। सरकार को एनटीए की प्रणालियों व कर्मियों में बड़ा बदलाव करने के बारे में सोचना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि तकनीकी खामियों, कदाचार (चीटिंग) संबंधी घपलों, पेपर लीक, और छद्म अभ्यर्थियों जैसी जिन चीजों ने इस साल की परीक्षा में गड़बड़ की उन्हें दोबारा न होने दिया जाए। भारत के लाखों शिक्षित युवाओं और सबसे नौजवान मतदाताओं की किस्मत दांव पर होने के मद्देनजर, इसमें कोई ताज्जुब नहीं कि परीक्षा एजेंसी की मुसीबतें गर्म राजनीतिक मुद्दा बन गयी हैं। कुछ विपक्षी नेताओं ने एनटीए को भंग करने और प्रवेश परीक्षाओं की जिम्मेदारी राज्यों को सौंपने की मांग की है।

निष्काम, निस्वार्थ, निष्कपट राज-योगी थे डॉ. मुखर्जी

ANALYSIS

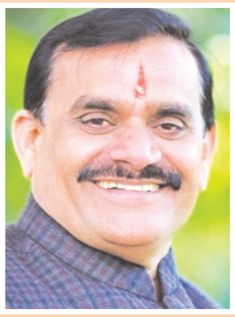

विष्णुदत्त शर्मा

कश्मीर से विरोधाभासी प्रावधानों की समाप्ति के लिए उन्होंने लंबा संघर्ष किया लेकिन चाहकर भी उनका यह स्वप्न उनके जीते जी पूरा नहीं हो पाया और रहस्यमय परिस्थितियों में 23 जून 1953 को उनकी मृत्यु हो गई। उनका यह स्वप्न स्वतंत्रता प्राप्ति के 70 वर्ष बाद तब पूरा हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने अगस्त 2019 में संसद में संविधान के अनुच्छेद 370 एवं 35-ए को समाप्त करने का बिल पारित कराया। हालांकि डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का भारत और भारतीयों के लिए योगदान सिर्फ जम्मू-कश्मीर तक सीमित नहीं है। डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व का समग्र विश्लेषण उन्हें उन युग-पुरुषों में स्थापित करता है, जो वर्तमान की देहलीज पर बैठकर भविष्य की सामाजिक और राजनीतिक गणनाओं का आंकलन करने में समर्थ थे। पचास के दशक में जनसंघ की स्थापना के मंगलाचरण के दौर में भारत की भावी राजनीति और सामाजिक व्यवस्थाओं को लेकर उन्होंने जो चिंताएं व्यक्त की थीं, वो आज पूरी विकरालता और भयावहता के साथ सिर उठाती दिखाई देती हैं। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी बंगाली भद्रलोक के ऐसे प्रभावशाली परिवार में जन्मे थे, जो उस समय बंगाल में अपनी बौद्धिकता के लिए विख्यात था। मात्र 33 साल की उम्र में डॉ. मुखर्जी कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बन गए थे। इतनी कम उम्र में कुलपति बनने वाले वो पहले भारतीय थे। उनके पिता भी कलकत्ता विश्वविद्यालय में कुलपति रह चुके थे, लेकिन डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने यह मुकाम अपनी योग्यता और विद्वता से हासिल किया था।

जम्मू- कश्मीर को भारतीय संविधान के दायरे में लाने और एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान (झंडा) के विरोध में सबसे पहले आवाज उठाने वाले भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 23 जून को बलिदान दिवस है। कश्मीर से विरोधाभासी प्रावधानों की समाप्ति के लिए उन्होंने लंबा संघर्ष किया लेकिन चाहकर भी उनका यह स्वप्न उनके जीते जी पूरा नहीं हो पाया और रहस्यमय परिस्थितियों में 23 जून 1953 को उनकी मृत्यु हो गई। उनका यह स्वप्न स्वतंत्रता प्राप्ति के 70 वर्ष बाद तब पूरा हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने अगस्त 2019 में संसद में संविधान के अनुच्छेद 370 एवं 35-ए को समाप्त करने का बिल पारित कराया। हालांकि डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का भारत और भारतीयों के लिए योगदान सिर्फ जम्मू-कश्मीर तक सीमित नहीं है। डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व का समग्र विश्लेषण उन्हें उन युग-पुरुषों में स्थापित करता है, जो वर्तमान की देहलीज पर बैठकर भविष्य की सामाजिक और राजनीतिक गणनाओं का आंकलन करने में समर्थ थे। पचास के दशक में जनसंघ की स्थापना के मंगलाचरण के दौर में भारत की भावी राजनीति और सामाजिक व्यवस्थाओं को लेकर उन्होंने जो चिंताएं व्यक्त की थीं, वो आज पूरी विकरालता और भयावहता के साथ सिर उठाती दिखाई देती हैं। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी बंगाली भद्रलोक के ऐसे प्रभावशाली परिवार में जन्मे थे, जो उस समय बंगाल में अपनी बौद्धिकता के लिए विख्यात था। मात्र 33 साल की उम्र में डॉ. मुखर्जी कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बन गए थे। इतनी कम उम्र में कुलपति बनने वाले वो पहले भारतीय थे।

उनके पिता भी कलकत्ता विश्वविद्यालय में कुलपति रह चुके थे, लेकिन डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने यह मुकाम अपनी योग्यता और विद्वता से हासिल किया था। शिक्षा के शिखर से उतरकर भारतीय राजनीति में उनका पदार्पण गहन राष्ट्रीय उद्देश्यों के लिए हुआ था। डॉ. मुखर्जी उस समय बंगाल में जारी मुस्लिम लीग की विभाजनकारी और सांप्रदायिक राजनीति से काफी नाराज और विचलित थे। मुस्लिम लीग की राजनीति बंगाल को एक और विभाजन की ओर ले जा रही थी। मुस्लिम लीग सुनियोजित तरीके से ब्रिटिश-शासन की मदद से भारत के पूर्वी हिस्सों में हिन्दुओं को हाशिए पर ढकेल रही थी। डॉ. मुखर्जी ने संकल्प लिया था कि मुस्लिम लीग की कट्टरता के खिलाफ वो हिन्दू-समाज को जागृत करेंगे। इस लड़ाई को वो सामाजिक और राजनीतिक, दोनों मोर्चों पर लड़ना चाहते थे। इसी के मद्देनजर उन्होंने बंगाल में सक्रिय कृषक प्रजा पार्टी के प्रमुख फजल-उल-हक और बंगला के जाने-माने महाकवि काजी नजरूल इस्लाम के साथ इस काम को आगे बढ़ाया। हिन्दू एकता और देश की अखंडता पर आसन्न खतरों ने उन्हें हिंदू महासभा की ओर आकर्षित किया, जिसका नेतृत्व वीर सावरकर करते थे। 1939 में वो हिंदू महासभा के अध्यक्ष बन गए। अध्यक्ष के रूप मे उन्होंने घोषणा की कि संयुक्त भारत के लिए तत्काल समग्र स्वतंत्रता हासिल करना हिंदू महासभा का मूल उद्देश्य है। गौरतलब है कि महात्मा गांधी ने भी हिंदू महासभा में उनकी सक्रियता का स्वागत किया था। गांधी जी चाहते थे कि पंडित मदनमोहन मालवीय के निधन के बाद हिंदू-समाज के नेतृत्व के लिए किसी प्रभावशाली व्यक्ति को आगे आना चाहिए। गांधी जी डॉ. मुखर्जी को मदनमोहन मालवीय के विकल्प के रूप में देखते थे और उनके राष्ट्रवादी रूख तथा निष्ठा पर पूरा भरोसा करते थे। हिन्दू महासभा में शामिल होने के बाद जब डॉ. मुखर्जी गांधी जी से मिलने पहुंचे, तो दोनों के बीच दिलचस्प संवाद हुआ। डॉ. मुखर्जी ने गांधी जी से कहा कि आप मेरे हिन्दू महासभा में शामिल होने पर खुश नही होंगे, तो गांधीजी ने उनसे कहा था कि "सरदार पटेल हिन्दू मनोमस्तिष्क से ओतप्रोत कांग्रेसमैन हैं, आप हिन्दू महासभाई हो, जिसका हृदय कांग्रेस का है। यही देश के हित में है।" महात्मा गांधी के कहने पर ही पं. नेहरू ने डॉ. मुखर्जी को अपनी कैबिनेट में शामिल किया था। पं. नेहरू की कैबिनेट में रहते हुए डॉ. मुखर्जी ने कई बड़े काम किए। पं. नेहरू भी उनके कामों के कायल थे लेकिन पाकिस्तान, कश्मीर या शरणार्थियों जैसे मसलों मे दोनों के बीच व्यापक और गहरी राजनीतिक असहमति थी। अनुच्छेद 370, हिंदू कोड बिल और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों पर भी पं. नेहरू से उनकी पटरी कभी भी नहीं बैठ पाई। ये ही वो कारण हैं, जो अन्ततः नेहरू कैबिनेट से उनके इस्तीफा देने का कारण बने। आजादी के पहले बंगाल में मुस्लिम लीग के प्रभुत्व के विरुद्ध डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जबरदस्त संघर्ष किया और देश को होने वाले नुकसान से बचा लिया। विभाजन के समय भी डॉ. मुखर्जी ने देश की जनता और नेतृत्व को आगाह किया था- ह्लह्लपाकिस्तान साम्प्रदायिक समस्या का कोई हल नही हैं। इससे वह और उग्र होगी, जिसका परिणाम गृहयुद्ध होगा। हमें इससे आंखें नहीं मूंदना चाहिए कि पाकिस्तान की लालसा का स्त्रोत वस्तुतः शासन सत्ता के रूप में इस्लाम की पुनःप्रतिष्ठा करने की इच्छा है। 1953 में जनसंघ के पहले अधिवेशन में उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू की कश्मीर नीति का विरोध करते हुए कहा था कि एक देश में दो विधान,दो निशान, दो प्रधान नही चलेंगे,. नहीं चलेंगे। नेहरू-सरकार की नीति?ीं से असहमत होने के बाद लोकसभा में दिया गया उनका भाषण ऐतिहासिक है। अगस्त 1952 में लोकसभा में काश्मीर के मुद्दे पर भाषण देते हुए डॉ. मुखर्जी ने कहा था- ह्लह्लदुनिया को यह पता होना चाहिए कि भारत महज एक थ्योरी या परिकल्पना नहीं है, बल्कि एक यथार्थ है...एक ऐसा देश जहां हिन्दू, मुसलमान, ईसाई और सभी बिरादरी के लोग बगैर किसी भय के समान अधिकारों के साथ रह सकेंगे। यही हमारा संविधान है, जिसे हमने बनाया है और पूरी शिद्दत, निष्ठा और ताकत से लागू करने जा रहे हैं ह्लह्न डॉ. मुखर्जी मानते थे कि सांस्कृतिक दृष्टि से हम सब एक हैं...इसलिए धर्म के आधार पर वे विभाजन के कट्टर विरोधी थे। वो मानते थे कि विभाजन संबंधी परिस्थितियां ऐतिहासिक और सामाजिक कारणों से उत्पन्न हुई थीं। वे कहते थे- आधारभूत सत्य यह है कि हम सब एक हैं... हममें कोई अंतर नहीं है... हम एक ही रक्त के हैं, एक ही भाषा,एक ही संस्कृति और एक ही हमारी विरासत है...। डॉ. मुखर्जी महान शिक्षाविद्, निरभिमानी देशभक्त, राजनीतिक चिंतक और सामाजिक दृष्टा थे। प्रखर राष्ट्रवादी के रूप में वो हमेशा देश में पहली पायदान पर खड़े मिलेंगे। डॉ. मुखर्जी सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धांतवादी थे। राजनीति में उनकी सक्रियता के मायने उन आदर्शों का परिपालन था, जो मनुष्यता के कवच का काम करते हैं। सार्वजनिक जीवन में उनकी राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का निस्वार्थ और त्याग-जनित लोकार्पण उन्हें असामान्य बनाता है। वो पं. नेहरू की नीतियों के मुखर आलोचक और विरोधी थे।

लेखक- मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष व खजुराहो से सांसद हैं।

किसानों व गरीबों के साथ, एनडीए की सरकार

18 वीं लोकसभा के गठन तथा शपथ ग्रहण के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग गठबंधन की सरकार ने अपना कामकाज प्रारम्भ कर दिया है। कठिन चुनौतियों में भी अवसर खोजने वाली भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी ने अपना संकल्प पत्र अमल में लाकर राजनैतिक गणित ठीक करने का अभियान भी आरम्भ कर दिया है। राजनैतिक विश्लेषकों का कहना है कि नए दौर की भारतीय जनता पार्टी सदा चुनावी मोड में रहती है। वो बात अलग है कि चुनावों में कभी सफलता मिलती है और कभी नहीं भी मिलती। वर्तमान लोकसभा में भाजपा को 241 सीटें प्राप्त हुई हैं। उसे उप्र, राजस्थान, हरियाणा और महाराष्ट्र में अच्छा खासा नुकसान हुआ किंतु प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में तनिक भी विलम्ब न करते हुए भाजपा ने सबकुछ ठीक करने के लिए कमर कर कर अभियान आरम्भ कर दिया है। लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के

बाद मोदी ने पहली फाइल पर हस्ताक्षर करके किसानों की सम्मान निधि की अगली किश्त को मंजूरी दी। वहीं, कैबिनेट ने अपनी बैठक में गरीबों के लिए 3 करोड़ आवास बनाने का निर्णय लिया। प्रधानमंत्री मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद जहां जी 7 में भाग लेने के लिए इटली गये, वहीं भारत में उन्होंने सर्वप्रथम अपने संसदीय क्षेत्र काशी की यात्रा की और किसानों को सम्मान निधि जारी करते हुए मतदाताओं को धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने काशी में बन रहे स्टेडियम की प्रगति का अवलोकन भी किया। काशी में प्रधानमंत्री मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूरी तरह से साथ तथा तनाव मुक्त दिखे। साथ ही अगली अग्निपरीक्षा के लिए तैयार भी। प्रधानमंत्री मोदी ने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से किसान सम्मान निधि के तहत 20 हजार करोड़ रुपये किसानों के खाते में डाले। अभी जब विपक्ष यही दिखाने में जुटा हुआ है कि इस बार भाजपा का अपने दम पर बहुमत नहीं है तब भाजपा मतदाता अभिनंदन यात्रा के माध्यम से यह बताने के लिए जुट गई है कि ऐतिहासिक रूप से तीसरी बार सरकार बनाने का अवसर जनता ने भाजपा को ही दिया है। आंकड़ों के अनुसार विगत चुनावों में भाजपा के पास ग्रामीण इलाके की 201 सीट थीं जबकि पार्टी इस बार ग्रामीण क्षेत्रों में मात्र 126 सीट ही जीत पाई है। माना जा रहा है कि किसानों, युवाओं और महिलाओं का एक बड़ा वर्ग इस बार किसी न किसी कारण से भाजपा से नाराज हो गया जिससे उसकी सीटें काफी कम हो गयी। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी से किसान सम्मेलन के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के नाराज मतदाता को मनाने के साथ कई समीकरण साधने व संदेश देने का प्रयास किया है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 18वीं लोकसभा के लिए हुआ ये चुनाव भारत के लोकतंत्र की विशालता, लोकतंत्र के सामर्थ्य, भारत के लोकतंत्र की व्यापकता, भारत के लोकतंत्र की जड़ों की गहराई को दुनिया के सामने पूरे सामर्थ्य के साथ प्रस्तुत करता है। उन्होंने अपने संबोधन में एक बार फिर कहा कि मां गंगा ने मुझे गोद लिया है. मैं यहीं का हो गया हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने किसान, नौजवान, नारी शक्ति और गरीब को विकसित भारत का मजबूत स्तंभ माना है और सरकार बनते ही सबसे पहले और सबसे बड़ा किसान और गरीब परिवारों से जुड़ा फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि आज 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने के लिए भी बड़ा कदम उठाया गया है। कृषि सखी के रूप में बहनों की नई भूमिका उन्हें सम्मान और आय के लिए नये साधन दोनो सुनिश्चित करेगी। कृषि निर्यात में हमें और आगे जाना है। किसान सम्मेलन को उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी संबोधित किया और प्रदेश के किसानों को बड़ा संदेश देते हुए उनकी नाराजगी को कम करने का प्रयास किया है ताकि उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा उपचुनावों तक किसानों की नराजगी को कम करके लाभ लिया जा सके। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि व किसानों के लिए बहुत बड़ी बातें कही हैं। उनका कहना है कि खेती हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान आत्मा। किसान भगवान के रूप हैं।इसी को ध्यान में रखकर सरकार किसानों के हित के लिए बहुत काम कर रही है। 2024 के लोकसभा चुनावों में ग्रामीण क्षेत्रों में हुए नुकसान को देखते हुए भाजपा ग्रामीण क्षेत्रों में अपना विशेष अभियान चलाने जा रही है। आगामी दिनों में हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। जिसमें हरियाणा की 90 में से 35 सीट का फैसला किसान करते हैं। झारखंड की 81 में से 31 सीटों पर भी किसान असरकारी हैं। जबकि महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों मे से 134 सीटें ऐसी हैं जहां किसान चुनाव परिणामों पर सीधा असर डालते हैं। भाजपा मतदाताओं का आभार जताने के लिए मतदाता अभिनंदन यात्रा भी निकालेगी।

Social Media Corner

सच के हक में...

हमारे लिए सुधार 140 करोड़ भारतीयों के जीवन को बेहतर बनाने का एक साधन है। जीएसटी लागू होने के बाद घरेलू उपयोग का सामान काफी सस्ता हो गया है। इससे गरीबों और आम आदमी को काफी बचत हुई है। हम लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए सुधारों की इस यात्रा को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखण्ड की माताओं-बहनों ने कई सदियों से संघर्ष किया है। आजादी की लड़ाई हो या आंदोलन की क्रांति, राज्य की आधी आबादी ने हमेशा मुश्किलों को मात देने का काम किया। यह झारखण्डी सरकार है जिसने राज्य की लाखों माताओं-बहनों को सर्वजन पेंशन योजना से जोड़ा, पेंशन लेने की उम्र को 60 से घटाकर 50 किया। हजारों करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता से सखी मंडल से जुड़ी लाखों माताओं-बहनों के आजीविका संवर्द्धन में मदद की। ऐसी कई योजनाओं को राज्य की झारखण्डी सरकार द्वारा शुरू किया गया। अभी हमारी गठबंधन सरकार माताओं-बहनों की शक्ति को सम्मान देने के लिए एक नई ऐतिहासिक योजना शुरू करने जा रही है। हेमन्त जी को साजिश के तहत जेल में डालकर विपक्ष को लगा था कि वह अपने मंसूबों में सफल हो जायेंगे, बहुत गलत सोच थी उनकी। झारखण्ड ने उनसे बदला लिया है, आगामी चुनाव में तानशाही ताकतों से अपना पूरा बदला सूद समेत लेगा झारखण्ड। राज्य भर में झामुमो परिवार को मिल रहा माताओं-बहनों का स्नेह और आशीर्वाद अद्भुत है, अविस्मरणीय है। आप सभी को धन्यवाद, आभार और जोहार।

(पूर्व सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

परीक्षाओं में गड़बड़ी अस्वीकार्य

बीते कुछ समय से देश में होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल, धांधली की घटनाएं बहुत बढ़ गयी हैं। नीट परीक्षा में धांधली को लेकर हजारों विद्यार्थी सड़कों पर हैं। यह मामला अभी शांत भी नहीं हुआ है कि अब परीक्षा में गड़बड़ी की आशंका को देखते हुए यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द कर दी गयी है। इस तरह की स्थिति अत्यंत अस्वीकार्य है और यह व्यवस्था की अक्षमता को प्रदर्शित करती है। निश्चत रूप से जिन लोगों पर इन परीक्षाओं को आयोजित करने का उत्तरदायित्व है, उन्हें अपनी कर्मठता और लगनशीलता को नये आयाम देने पड़ेंगे। हम इस मामले को हल्के में नहीं ले सकते। लंबे संघर्ष के बाद वैश्विक समुदाय में हमने अपना स्थान बनाया है। पर कुछ ऐसे मामले भी हैं, जो देश के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। आज देश की शिक्षा व्यवस्था में असामाजिक तत्व और भ्रष्ट प्रवृत्तियां लगातार बढ़ रही हैं, जो व्यवस्था को खोखला कर रही हैं। इन मुद्दों पर चर्चा और तत्काल निर्णय लेने की जरूरत है। पहली चिंता है परीक्षा में लगातार बढ़ती नकल और पेपर लीक की समस्या। ऐसे मामले देश के अनेक राज्यों से सामने आते रहते हैं। बीते पांच वर्षों में देश के 15 राज्यों में पेपर लीक के कारण एक करोड़ चालीस लाख युवाओं की मेहनत पर पानी फिर गया है। इन सबके बावजूद इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि ऐसे आपराधिक मामलों में शामिल कितने लोगों पर अब तक कानूनी शिकंजा कसा है। परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए कुछ चीजें तो तुरंत करने की जरूरत है, साथ ही साथ दीर्घकालिक योजना बनाने की भी जरूरत है। दो-तीन बातें जो महत्वपूर्ण हैं, वो हैं कि जो माफिया आज की परीक्षा के पेपर लीक में शामिल है, वह तीन वर्ष पहले भी ऐसी गतिविधियों में शामिल था। इसका सीधा अर्थ यह निकलता है कि देश में कानून इतना शिथिल है अथवा माफियाओं की पहुंच इतनी ज्यादा है कि उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती। ऐसी कोई खबर मीडिया नहीं छाप रहा है कि जो पेपर आज से चार-पांच साल पहले लीक हुए उसमें शामिल अपराधियों में से किसी को सजा हुई है या नहीं। और कितनी कठोर सजा हुई। यदि यह सजा तीन या चार महीने में हो जाती तो निश्चित रूप से थोड़ा उसका प्रभाव पड़ता। जो माफिया आज की परीक्षा के पेपर लीक में शामिल है, वह तीन वर्ष पहले भी ऐसी गतिविधियों में शामिल था। इसका सीधा अर्थ यह निकलता है कि देश में कानून इतना शिथिल है अथवा माफियाओं की पहुंच इतनी ज्यादा है कि उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती। ऐसी कोई खबर मीडिया नहीं छाप रहा है कि जो पेपर आज से चार-पांच साल पहले लीक हुए उसमें शामिल अपराधियों में से किसी को सजा हुई है या नहीं। और कितनी कठोर सजा हुई। हमारे यहां लोगों को मालूम है कि हमारी न्याय व्यवस्था इतनी शिथिल है कि मामला लटकता जायेगा और कुछ होगा नहीं। प्रश्न है कि एक व्यक्ति या चार व्यक्ति मिलकर एक परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक करते हैं, और 48 लाख या 13 लाख लोगों पर प्रभाव पड़ता है, इसमें यदि उनके परिवारवालों को जोड़ लिया जाए, तो करोड़ों लोग इससे प्रभावित होते हैं। कितने परिवारों पर आर्थिक दबाव पड़ता है। इस बात की कोई संभावना नहीं है कि पेपर लीक मामले में शामिल लोगों को कोई सजा हो भी पायेगी। हमारे देश के नियम इतने शिथिल हैं कि इतनी सारी घटनाएं होने के बाद भी आज तक किसी नेता या मंत्री को उत्तरदायी क्यों नहीं माना गया? यह स्थिति चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है। जहां तक प्रश्न है कि किस तरह ये अपराधी इस मामले को अंजाम देते आ रहे हैं, तो इसका उत्तर है कि या तो प्रतिष्ठान इनके साथ मिला हुआ है या यह उस एजेंसी की अक्षमता है और उसके भी भ्रष्टाचार में लिप्त होने की संभावना भी है।

जानलेवा ठर्रा

सुशासन केवल यह नहीं है कि रोजमर्रा की गतिविधियां चलती रहें, बल्कि यह भी है कि विघ्न-बाधाओं का पहले से अंदाजा लगाया जाए और खामियों को सामने लाया जाए, जिससे इंसानी जिंदगियों का नुकसान कम से कम रोका जा सके। उत्तरी तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में, बीते दो-तीन दिनों में मेथनॉल मिली कच्ची शराब पीने के बाद 38 लोग मर चुके हैं। कई अन्य के गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती होने के मद्देनजर, मरनेवालों की तादाद और भी ज्यादा बढ़ सकती है, जो इसे हाल के दिनों की सबसे विनाशकारी जहरीली शराब त्रासदियों में से एक बनाती है। ऐसा नहीं है कि इसके साफ संकेत नहीं थे। उत्तरी तमिलनाडु के ही मरक्कनम और मधुरांतकम में 2023 में हुई जहरीली शराब त्रासदी ने कई जिंदगियों को लील लिया था, जहां यह स्पष्ट था कि औद्योगिक मेथनॉल को अवैध चुलाई कुटीर उद्योग में भेजा जा रहा था। मारे गये लोगों के रिश्तेदारों ने इलाके में सस्ती कच्ची दारू की नियमित रूप से आसान उपलब्धता की बात कही है, और इस स्थानीय ठर्रे की कीमत तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (टैस्मैक) की दुकानों में बिकने वाली शराब से काफी कम है। एक तो दिहाड़ी मजदूरी के रूप में अनियमित आमदनी, ऊपर से शराब की कीमतों में भारी वृद्धि और टैस्मैक की दुकानों में ज्यादा दाम लिये जाने के चलते, नियमित पीनेवाले स्थानीय चुलाई की ओर आकर्षित हुए हैं। इस रुझान पर तमिलनाडु की मद्यनिषेध प्रवर्तन शाखा का ध्यान देना और कार्रवाई करना जरूरी है। राज्य सरकार ने अब जिले के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की है और इस त्रासदी की छानबीन के लिए एक एक-सदस्यीय कमेटी बनायी है। मुख्यमंत्री ने सभी मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा और अस्पताल में भर्ती लोगों को 50,000 रुपये की राशि देने का एलान किया है। सीबी-सीआईडी ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

In sync with government time

The flag was fluttering in the wind and the sun was going down fast. The year was 1966. There was the usual sepoy section on guard at the Corps Commander's bungalow in Tezpur, Assam. It was about time to lower the flag of the flagstaff house.

he guard commander looked at his ammunition boots, satisfied himself that the shine was bright and the leather shoe laces weren't wrinkled. Then he counted the hob nails of his boots; all 13 were in order. He shouted the command and the squad started marching towards the flagstaff of the Corps Commander's house.

The General was going around the flower beds and trimming some leaves with a pair of secateurs. He slipped the tool into his pocket and moved closer to watch the lowering of the flag at retreat. The maali came out with a watering pot and started tipping the water onto the saplings and peonies. The General was a lover of flowers and liked his garden well kept.I was sitting with Subedar Sube Singh (of the Jat Regiment) as he narrated the incident. He was 93 but remembered that evening well. He was a Havildar in the defence company and they were on guard duty at the bungalow that summer several decades back.

"I was taking down the flag at 6 pm when I felt that the General had come quite close to me and stood watching me. I was tying the rope on the flagpole having taken off the flag. My eyes fell on the General's wrist watch. It showed the time as five minutes to 6. My watch showed exact 6 pm."

"Sahib galti ho gayi mujh se jhanda utarne ke time mein (Sir, I am afraid I made a mistake, I lowered the flag five minutes early)," Subedar Sube Singh recalled having told the General.

The General, he said, laughed. "He was a very good

man.""Ghabrao matt, tumney sarkari ghadi pehni hai (Don't be nervous, you are wearing a government watch)," he told Sube Singh, "and I am wearing a personal watch. And a government watch can never be wrong. You did the right thing going by government time."Then the General Sahib said "shaabash" and it was such a relief, Sube Singh smiled."In those days, we were issued a wrist watch from the quarter guard to do duties. We could not afford to buy watches. Niwar ke feetey waali ghadi hoti thee (Those hand-wound watches used to have a canvas strap)," Sube Singh recalled.India used to import watches from Switzerland and HMT had just started manufacturing hand-wound watches in collaboration with the Citizen Watch Company of Japan. The demand for watches was veryhigh and these were fearfully expensive.The Army used the Omega military watch but since it wasn't shock-proof, it often developed variable movement and time errors. It was also the job of weapon armourers to check the watches for accurate movement.After the incident, General Sahib gave orders that every week, all watches will be synchronised."Subedar Sahib, but you didn't tell me who this General was?" I asked Sube Singh.His name was Sam Manekshaw, he said. Who else I thought. The stuff of legends.

Check manipulation of online reviews

Not publishing critical reviews or poor ratings is as bad as paid positive reviews

The increasing dependence of consumers on online reviews of products and services makes it imperative that these reviews be honest and genuine. However, the very fact that they influence consumer choice tempts manufacturers and service providers to manipulate the reviews to their advantage. Executed through paid reviews, often managed by specialised 'online reputation management' companies, such fake and fraudulent high-star ratings and reviews distort consumer choice and harm consumer interest.Another deceptive practice is to block or reject genuine consumer reviews that are negative or critical of the product or service. This suppression of honest opinions that go against a product or a service, once again undermines the very raison d'etre of online reviews and misleads consumers on the quality, be it a product or a service.Last month, I got two interesting feedbacks about online reviews — one of these pertained to the purchase of an apparel on the basis of the five-star ratings that it had received on the website. However, on delivery, the consumer found the quality to be poor. She soon got the answer to the 'five-star' ratings that the garment had garnered — inside the package was an offer of payment of Rs 200 for a five-star rating! She brought this to the notice of the online marketplace, but there was no response!In another case, the consumer found the quality of the shirt to be very different from the description on the website — it was obviously a case of misrepresentation, and so the consumer gave the garment a poor rating and wrote a review pointing out the falsities. The website did not publish it!

Not publishing critical reviews or poor ratings is as bad as paid positive reviews, and I must mention here that the Federal Trade Commission in the United States took a very serious view of an online fashion retailer, Fashion Nova, blocking hundreds of thousands of negative consumer reviews about its products for several years and imposed, in 2022, a penalty of $4.2 million for the harm incurred by the consumers. Last year, it used this money to pay refunds to consumers who bought goods on the basis of the one-sided reviews and were unhappy with the product.With the Union Ministry of Consumer Affairs and the consumer protection regulator — the Central Consumer Protection Authority (CCPA) — taking a very serious view of such devious manipulations and manufactured reviews, one hopes to see similar regulatory action here in India too. In 2022, the Union Ministry of Consumer Affairs introduced, on a voluntary basis, the Indian Standard (IS) 19000:2022 on online consumer reviews, aimed at ensuring the integrity and accountability in the publication of reviews and eliminating fake, fraudulent and biased opinions.

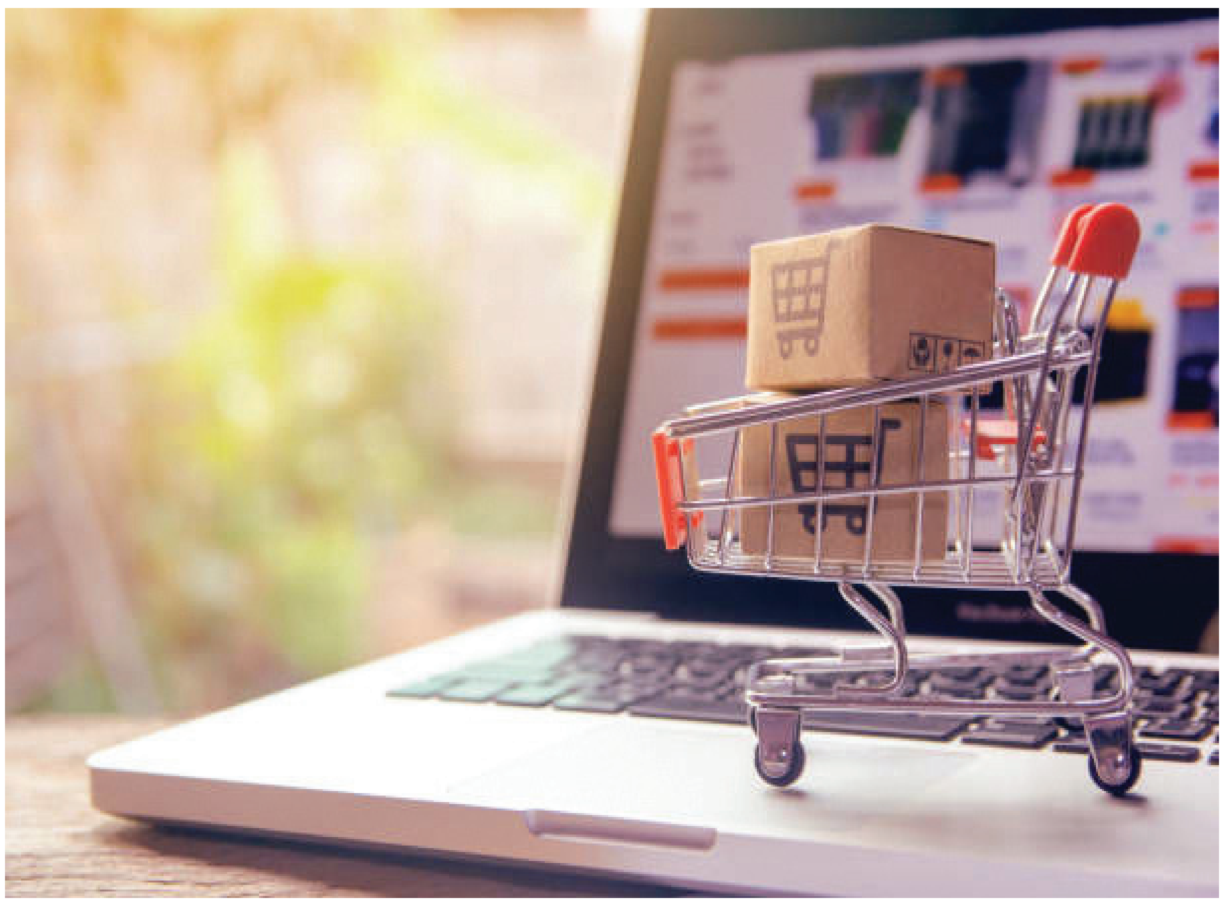

The standard prohibits publication of reviews that have been purchased or written by individuals employed for that purpose by the supplier or seller or by a third party, and requires stringent processes such as filtering and control tools and algorithms to be put in place by all online sites that publish consumer reviews. Unfortunately, the voluntary standard did not have the desired result, and so the ministry has now decided to make the standard mandatory through a quality control order and initiated the process.Once the quality control order comes into force, the Bureau of Indian Standards (BIS) will be the enforcing agency but the CCPA can also take action against violations, including refusal to publish negative news.

Interestingly, in a nationwide study by Local Circles, a community social media platform, involving 54,000 users of e-commerce sites and apps, 22 per cent of the respondents said their reviews were not published because these were negative. About 60 per cent of the respondents found reviews to be positively biased, while 56 per cent felt that way about ratings.

Unlike advertisements issued by businesses, online reviews are opinions of other consumers who have used the services or products, and are, therefore, of immense help to consumers in making an informed choice — it is, therefore, absolutely essential that the sanctity of such reviews is strictly maintained. In fact, it is in the interest of businesses to ensure that reviews are honest and true so that consumers can depend on them and they continue to patronise online retail stores and review platforms. Towards this end, all such online sites should explain the processes employed by them to ensure the reliability of the reviews, including statistical data on the number of reviews received, published, rejected and the reasons for

Meanwhile, I would urge more and more consumers to give their feedback on services and goods that they hire or purchase so as to help fellow consumers. If negative comments are not published, they must lodge a complaint with the BIS or the Consumer Affairs Ministry through the national consumer helpline.

Pariksha pe charcha

UGC-NET cancellation a huge letdown

THE cancellation of the University Grants Commission-National Eligibility Test (UGC-NET) examination a day after it was conducted comes as a huge embarrassment for the Centre and a big letdown for the over nine lakh candidates. The shock cancellation has been attributed to inputs that the integrity of the examination may have been compromised. One reason for the swift action could be to avoid a repeat of the raging controversy over the alleged irregularities in the NEET-UG examination. After this, a sense of betrayal in the public consciousness is inevitable. After the twin botch-ups in quick succession, the National Testing Agency (NTA) finds itself in a worsening crisis of credibility. The Central Bureau of Investigation has been tasked with conducting the probe. This reflects the seriousness being attached to the matter, but the damage has already been done.The NTA has been holding the UGC-NET examination in a computer-based format since 2018. It had gone back to the pen-and-paper version this year. The Education Minister

has spoken of setting up a high-level committee to recommend an overhaul of the examination processes. Wide-ranging discussions among domain experts — 'pariksha pe charcha' in its true sense — would be expected. Unilateral imposition of new guidelines and patterns may not be a pragmatic solution when faced with a trust deficit.

Conducted twice a year, UGC-NET is the first such examination to be scrapped after the Public Examinations (Prevention of Unfair Means) Act was passed in February. This law provides for three to five years in prison and a fine of up to Rs 10 lakh for resorting to unfair means. It will take time to gauge how effective the legislation proves to be as a deterrent. Cancellation can take a heavy toll on the mental and emotional wellbeing of candidates. A zero-error system has to be the end goal.

Tourism's damaging effect

Give serious thought to regulating the volume of tourists. If this means charging a substantial fee, so be it. Also, no trees should be sacrificed to ease the path of a tourist

This past month has been so miserable that apart from staying indoors, reading, surfing the Net or bingeing on movies, there is little that one can do. Driving up to the hills is now not an option since they are overrun by tourists who seem undeterred by the weather. After a short trip to Dehradun recently, I swore I would not stir out this summer. The temperatures there were only marginally lower than boiling Delhi's and power outages made lives miserable. I have been going to Dehradun since the 1960s, and distinctly remember how the temperatures would dip after rain in Mussoorie to make one believe that one was in a hill station. The beautiful drive to the sulphur springs at Sahastradhara were a treat we were allowed often. In those days, there was only a charming Buddhist monastery and library, and gentle monks would wave at us as we passed by.

Come to 2024. Dehradun is now a Smart City: this means that its old cityscape has been altered to suit the lifestyle of the smart people who occupy it now. Gone are the gracious bungalows with litchi and mango trees and large, airy verandahs and the famous bookshops and bakeries of yore. These are either untraceable or so difficult to walk into that they have outlets all over the town that probably sell fake stuff.

Let's not make this a dirge for an old town that has vanished (there are so many that have suffered similar fate), but question the wisdom of promoting commercial tourism. Uttarakhand is now the go-to destination for pilgrims, be it the Char Dham Yatra or visiting Kainchi Ashram (oops, sorry, now Kainchi Dham), Jageshwar and countless other pilgrim spots with ancient temples that have a magical pull. Soon, we will have the kanwariyas trotting to Gangotri to bring home Gangajal and all routes will be clogged by their long lines, with loud, raucous bhakts perched on accompanying tempos and mini-trucks blaring deafening bhajans. The National Highway is made a one-way route and the traffic on the other side is enough to turn one's hair grey.

Several environmentalists have raised concerns about how

this widening of roads, cutting down trees and allowing free access to fragile ecosystems is harming our natural resources and environment. But who cares to listen? The locals, even as they complain about this, are happy to earn the extra money they get from opening small dhabas and Maggi spots that offer 'chaaoo mean' and momos, cold drinks and mineral water, and offering 'homestays' with no proper sewage disposal units. In short, except for carping critics (who cares for them anyway?), acchhe din have arrived, they believe.

Like many others of my age who are unable to trek and undertake adventurous trips, I love the blogs that young people post. The pristine beauty of a remote village in the Himalayas or Ladakh, an atmospheric temple that hardly anyone can visit because it is so remote and difficult to reach — there are some superb views you can see as you sit in an armchair and flit from one travel blog to another. What I fear, though, is that soon, some eager tour promoter will persuade crowds to 'explore' these hidden beauty spots. I can just see the litter they will leave behind them as they move on after taking the mandatory selfie, to destroy the next undiscovered treasure. So, what can we do to protect the few beauty spots that are left?

For one, serious thought needs to be given to regulating the volume of tourists. If this means charging a substantial fee, so be it. This is how Bhutan has deterred irresponsible tourists from polluting its beautiful land. Do not allow roads to be widened, underpasses and bridges to be built in these areas. A pilgrimage means walking to make it. Air-dropping rich bhakts in helicopters is a strict no-no. No trees should be sacrificed to ease the path of a tourist. In Jageshwar, there is a horrifying plan to cut down thousands of its famous deodar trees, quite forgetting that it is venerated because the jyotirlingam there is named after its deodars. Many of these stately trees are hundreds of years old and are an irreplaceable treasure.Come now to Kainchi, where Baba Neem Karoli built a charming ashram on the banks of an uttar-vahini stream. For decades, the local people went there to sit at his feet and to be blessed by the loving tranquillity he exuded. After Steve Jobs, Mark Zuckerberg, Meryl Streep and other celebrities discovered it, our own Virat-Anushka and countless stars have been spotted there. So what was once an ashram is now called a dham, and accessing it is becoming impossible. At the annual bhandara held in June, there are lines of people from Bhowali that stretch for miles as they await darshan. This little village is now a thriving tourist industry of commerce that has sprung up with 'hotuls', dhabas and craft shops. Naturally, the locals are delighted, but has anyone thought of what this tourist overload is doing to the temple itself? I'm convinced that Babaji's soul has fled the place. Those of us who knew him as a gentle, loving man who offered no gyan but blessed those whom he loved with his eyes, will never find that peace now.

Road Ministry Seeks Rs 22 Lakh Crore From Cabinet For Highway Development Plan

New Delhi: To expedite infrastructure development, the Ministry of Road Transport and Highways has sought Cabinet approval for an investment worth Rs 22 lakh crore aimed at constructing approximately 30,600 kilometres under the Highway Development Plan by the fiscal year 2031-32.

The plan, submitted to the Finance Ministry and circulated to all major ministries last week, includes the construction of 18,000 km of expressways and high-speed corridors, the decongestion of 4,000 km of national highways around cities and the construction of strategic and international roads. About 35% of the investment will be made by the private sector.According to reports, the master plan for highway development has been proposed in two phases. Officials attending the inter-ministerial meeting chaired by Anurag Jain, Secretary, Ministry of Road Transportation and Highway (MoRTH) said the ministry has laid down the roadmap for tendering all phase-1 projects by 2028-29 and completing them by 2031-32. The estimated Rs 22 lakh refers to the first phase of the project.The ministry has sought a 10% annual increase in the budgetary allocation for project implementation. In the interim budget, the government allocated Rs 2,78,000 crore to the ministry, an increase of 2.7% over the previous fiscal.The financial estimate for the second phase of development of 28,400 km will be decided at a later date. According to the plan, the sanction and award of the routes of phase 2 will be completed by 2033-34 and the construction work will be completed by 2036-37.

The ministry pointed out that it has planned the development of highways and expressways after analysing the GSTN data, including the goods transported from point to point, and has also taken into account the transport of goods by rail.

Quant Mutual Fund Assures Cooperation After Sebi Probe In Front-running Case

NEW DELHI. Quant Mutual Fund said in a statement to its investors it is responding to queries received from Sebi, without specifying the nature of the enquiries.Moneycontrol had reported on Sunday that the Securities and Exchange Board of India (Sebi) was investigating allegations of "front running" – or dealing on price-sensitive information before its general release – at the mutual fund."We will provide all necessary support and continue to furnish data to SEBI on a regular and as-needed basis," the fund said in its statement.The statement also said, "With over 8 million folios and an asset under management (AUM) of Rs 93,000 crore, our commitment to maintaining investor confidence remains steadfast. We appreciate the trust and support of our investors, and our advanced research capabilities and analytical tools will continue to keep our investors ahead of the curve."Reportedly, the market regulator conducted search and seizure operations on Quant Mutual Fund, owned by Sandeep Tandon, due to suspicions of front-running activities.Sources indicated that the operations occurred on Friday and Saturday, targeting locations in Delhi, Mumbai, and Hyderabad.

Sebi's investigation wing executed the search following a detailed probe into front-running allegations.Quant Mutual Fund had been under Sebi's surveillance for an extended period, with the investigation involving extensive inquiries by the regulator.Front-running is an unethical practice in the financial markets where a broker or trader takes advantage of advanced knowledge of pending orders from their clients. Specifically, it involves executing orders on a security for their account ahead of the client's order to profit from the expected price movement.

Morgan Stanley Bullish On India's Internet Stocks; Prefers Zomato, PB Fintech

NEW DELHI: Despite the sharp re-rating of internet stocks, foreign brokerage Morgan Stanley remains logged into internet stocks, preferring Zomato and PB Fintech over other players.The brokerage noted that all the macro and micro factors are currently aligned for India's internet stocks.

As the dispersion in the stock returns rises, there is heightened focus on being stock specific and selecting stocks carefully. The way to select stocks is to take into account the operating environment, track record, outlook and valuation.Based on this, Morgan Stanley favours Zomato and PB Fintech in the internet space, since they are outperforming the internet playersGlobal brokerage Morgan Stanley retained its 'overweight' rating on the counter with a target of Rs 235. The set target implies a probable upside of over 21 per cent.

The brokerage said Zepto raising funding round increases the relevance of Quick Commerce (QC) channel. On Friday, the company announced that it has raised $665 million in a funding round that has doubled its valuations to $3.6 billion. This fundraise marked the biggest financing this year in the QC segment.

Morgan Stanley said there is a probability that the competitive intensity may increase in the segment over the near term.It noted that assuming competitive intensity increases further, a push out of profitability for Quick commerce business versus the current assumptions is possible.Of late, stock of the food delivery services firm has been in focus after global brokerage have turned bullish on the counter post its confirmation on initial talks with Paytm to acquire its ticketing business.

Irdai bans ads hawking Ulips as pure investment products

MUMBAI: Finally, mis-selling of financial products, mostly life insurance products led by unit-linked insurance policies or Ulips, which lead the mis-selling bandwagon ever since the industry was born, may ebb, forget ending it as such, with the regulator Irdai over the weekend ordering life insurers to nearly end advertising Ulips, one of the biggest asset classes in the stock markets as investment products.In fact, one of the primary goals of the Insurance Regulatory and Development Authority (Irdai) ever since its establishment in 1999, has been to stop the mis-selling of Ulip, which is a combination of an insurance policy and an investment product. In fact, if compared, the incidences of misspelling of Ulips/life insurance policies and mutual funds, the latter is a pale shadow of the former with the number of complaints against Ulips mis-selling being almost 99.9:01. The next in line are credit card issuers and banks. The regulatory crackdown comes after it has been repeatedly found that insurers have been hawking Ulips as a pure investment product and are coming out with misleading advertisements to vouch for this. The regulator, while prohibiting insurers from advertising Ulips as investment products, said these are hybrid financial products that combine insurance and investment."An advertisement on the unit linked insurance product, index linked product and annuity products with variable annuity pay-out option shall contain adequate, accurate, explicit and updated information, in simple language," says the Irdai master circular issued over the weekend.The circular has also asked insurers "to form an advertisement committee, which is approved by their respective boards, and appoint a senior-level officer of the distributor channel to examine and approve advertisements to ensure that the advertisements are true and not misleading."Ulip ads "must contain adequate, accurate, explicit, and updated information, presented in simple language". According to the Irdai, all ads for participating insurance policies must disclose the following risk factors: the projected bonus is not guaranteed; past performance does not indicate future bonuses; these products are subject to the insurer's overall performance in terms of investments, management o expenses, mortality, and lapses.

Why is mis-selling rampant?

So, what do we understand by mis-selling of Ulips and why is mis-selling in this space so rampant? According to an analyst at Motilal Oswal, Ulips are mis-sold primarily for three reasons. First, most sales personnel are not trained to handle a complex product like Ulips, which is nothing but a hybrid life policy. Most of them have been selling plain vanilla products till the time LIC dominated the market but the arrival of private life players has seen the market dynamics changing radically.As a result, traditional life policy agents are unable to understand a hybrid like Ulips. LIC used to have over 90% of its products as participating policies or par policies also known as with-profit policy, which entitles a policyholder a share of the profit of the insurer in the form of bonuses or dividends. But since its listing in May 2022, the share of par policies has come down to around 83% as of March 2024.

On the contrary, private life players have mostly non-participatory or non-par products which do not offer profits/dividends to policyholders. As opposed to a non-par plan, which offers guaranteed and fixed benefits, a par plan offers no guaranteed benefits and the returns depend on the profits of the company and therefore future bonuses can never be guaranteed.This is also the reason why non-par products carry a relatively lower premium rate. Secondly, banks are now permitted to sell insurance under the open architecture model wherein they can sell as many as insurers' products as they want to, creating competitive pressures with sales targets, leading to mis-selling. The third reason is the lack of proper investor education by insurers.

Ulips and MFs

The main difference between a Ulip and MFs is that Ulip is a type of insurance plan providing insurance coverage to the policyholder offering triple benefits such as investment return, insurance cover and tax benefits while a mutual fund is purely an investment product and does not have any insurance cost embedded in it nor offers n insurance cover.

Meta AI rolls out in India on WhatsApp, Facebook, Instagram

NEW DELHI: Meta on Monday announced the availability of its AI assistant 'Meta AI' in India on WhatsApp, Facebook, Messenger, Instagram, and meta.ai portal.With this, people can use Meta AI in feeds and chats across its apps to get things done, create content, and deep dive into topics, without having to leave the app they are using, according to a statement by the social media giant."Meta AI, one of the world's leading AI assistants, now arrives in India on WhatsApp, Facebook, Messenger, Instagram, and meta.ai. And it's built with Meta Llama 3, our most advanced LLM to date," Meta said announcing the roout in India in English.Meta first announced Meta AI at last year's Connect, and since April, it has been bringing the latest version of Meta AI built with Llama 3 to users across the

world."With our most powerful Large Language Model (LLM) under the hood, Meta AI is better than ever. We're excited to share our next-generation assistant with even more people and can't wait to see how it enhances people's lives," it said.From asking Meta AI in WhatsApp group chat for recommendations on restaurants, to seeking ideas on places to stop on a road trip, or even asking Meta AI on the web to create a multiple choice test, Meta AI works in multiple ways for users."Moving into your first apartment? Ask Meta AI to 'imagine' the aesthetic you want so that you can create a mood board of AI-generated images for inspiration on your furniture shopping," the Meta announcemet said citing examples.Users can also access Meta AI when scrolling through Facebook feeds."Come across a post you're interested in? You can ask Meta AI for more info right from the post. So if you see a photo of the northern lights in Iceland, you can ask Meta AI what time of year is best to check out the aurora borealis," it said.On the Meta AI's imagine feature, it said, using the word imagine while interacting with Meta AI directly or in a group chat, can help users create and share images.

How to navigate the boom in primary equity market

NEW DELHI: The primary market is booming. In the financial year that ended March 2024, equity funds raised through initial public offerings or IPOs rose 22.7% to Rs 65,995 crore, according to data from the National Stock Exchange. In addition, shares offered through rights, preferential allotment and qualified institutional placement registered a growth of 22% to R1.2 lakh crore.That included new listings like Ixigo and follow-on offers from Vodafone Idea. If you seek long-term wealth creation to invest in companies that have achieved a critical mass and are set for future growth, you may consider applying for quality companies. The challenge is to identify the right quality.

There is a plethora of information thrown at you. Companies put up a draft red herring prospectus months before going public. You need to understand the connection between multiple pointers that make up a public offFor example, Hyundai India, the second largest car company in India by sales after Maruti Suzuki, is making an offer for sale. Hyundai Motor Company, the Korean parent, is offering shares to Indian investors and raising money for global operations. The money you invest through this offer is not getting into the company. The Indian operation of Hyundai is profitable and does not require any funding from you. You may wonder what the purpose is and what it means to your investment.The Korean parent has incubated the Indian business and taken the risk of entering the Indian market. They have fought to the second position in a highly competitive market. Unlike the US and other rich countries, Indian consumers prefer low-priced, high-performance vehicles.The market for luxury and high-end vehicles is relatively small. However, in the entry-level auto segment, there is a pent-up demand in urban and rural India. However, the intensity of competition from Maruti Suzuki, the market leader, Tata Motors, and other car makers is formidable. The company lists the competitive nature of the market as a risk factor.Similarly, the company also imports auto components, and as the demand for cars moves from fossil fuel to electric vehicles, those imports are likely to increase. That is also a risk factor in the operation of the Indian subsidiary. You may want to read all the 81 risk factors before you put up your application for the IPO. You may also want to look at how other listed companies in the sector are trading. A key factor is the price-earnings multiple.You may want to ensure that the price you are paying aligns with the market position of Hyundai's India business.

'Clearly Inform Customers About Warranty Period': CCPA To Electronic Appliance Makers

NEW DELHI: On Saturday, a meeting was held between the CCPA (Central Consumer Protection Authority) and the electronic appliance manufacturing companies. It was done to discuss the issue regarding the warranty period of a device, after its purchase instead of the installation date.According to the chief commissioner of CCPA Nidhi Khare, the consumers are to be informed clearly about the warranty period of their devices immediately after the purchase. They should have all the knowledge on the warranty while buying the product and the companies have to ensure this is followed.Nidhi Khare said in a statement, "Consumer grievances relating to the warranty period must be addressed in a proactive and prompt manner." As per reports, the meeting was attended by prominent electronic companies like LG, Panasonic, Haier,

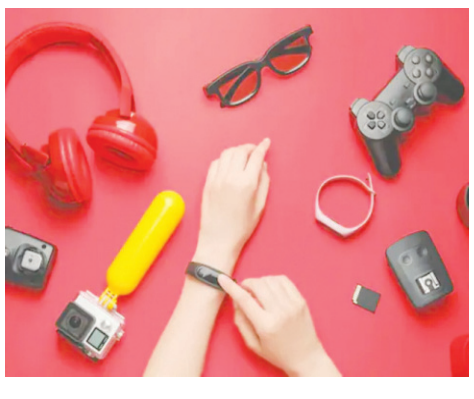

Croma, Bosch and others.Furthermore, the CCP stated, "Since the warranty period as per the policies set by manufacturers commences from the purchase date, and not the date of installation, there is a shortfall in the warranty period as consumers can only begin using the product after it has en installed on their premises."More reports state that the issue was discussed for two categories of electronic devices. The first is the "plug and play" products like iron press and microwave, which do not require an installation. The second category includes appliances like refrigerators and air conditioners, that need to be installed.

The meeting mentioned the right of a consumer on the product that they have purchased. According to those rights, as defined under Section 2(9) of the Act, a consumer has the right to be knowledgeable on the quality, quantity and price of a product, goods or services. It aims to provide the utmost protection to a consumer from unfair trade practices.

In the meeting, the feasibility of the installation date to be the commencement date for the warranty period was also discussed. Measures to prevent the exploitation of the process were also discussed. The electronic appliance makers have been asked to give their opinions in 15 days.

'Hindenburg Incident Was Designed To Defame Us', Says Gautam Adani During AGM 2024

Adani Group Chairman Gautam Adani addressed the Hindenburg incident during the 32nd annual general meeting of the conglomerate, dismissing the short-seller's over 100-pages report as "baseless accusations"."It was a two-sided attack — a vague criticism of our financial standing and, at the same time, an information distortion campaign, dragging us into a political battlefield. The attack was a calculated strike two days before the closing of our follow-on public offer," said Adani about the US short seller's scathing report against the conglomerate last year.

Hindenburg Case

Hindenburg's report accused the Adani Group of stock manipulation and misuse of tax havens, causing a significant sell-off in the conglomerate. However, a Supreme Court-appointed expert panel later found no conclusive evidence of stock manipulation. The panel did, however, suggest regulatory improvements to protect investors.Adani criticised certain media segments for amplifying the attack, aiming to tarnish the group's reputation and erode market value. "Amplified by a segment of vested media, it was designed to defame us, do maximum damage and erode our hard-earned market value," he added.

Despite these challenges, Adani emphasised the group's resilience, noting that they raised an additional Rs 40,000 crore to cover two years of debt repayment and pre-paid Rs 17,500 crore in margin-linked financing. This improved the group's net debt to EBITDA ratio from 3.3 to 2.2.

Strong Financial Backing

Adani highlighted the group's commitment to operational excellence and transparency, validated by rating agencies, the financial community, and respected global investors such as GQG Partners, TotalEnergies, IHC, QIA, and the US Development Finance Corporation.

Our commitment to operational excellence and transparent disclosures was validated not only by rating agencies and the well-informed financial community, but also by respected global investors," Adani affirmed.

Optimism for India's Growth

The Adani Group is optimistic about India's domestic growth, buoyed by the government's increased infrastructure

spending, which has risen by 16 per cent to over Rs 11 lakh crore for the current financial year. Adani emphasized the crucial role of state governments in implementing infrastructure initiatives.

"Given the multiplier effect, the government of India has rightly focused on infrastructure development by raising its funding by 16 per cent to over Rs 11 lakh crore for this financial year. It is worthwhile to note that annual spending has tripled in the last 5 years," Adani remarked.

Future Plans and Segment Updates

Adani outlined the conglomerate's ambitious plans, including developing 30 GW of capacity in the next five years—enough to power nations like Belgium and Switzerland. Adani Green Energy has revised its FY 2029-30 target from 45 GW to 50 GW, adding 2.8 GW this year alone, representing 15% of India's total renewable capacity addition.

Passenger traffic at Adani-operated airports reached 88.6 million, and the group's cement ambitions aim for a combined capacity of 140 million tonnes per annum by 2028. Notably, Ambuja Cements was the lead supplier for India's longest sea bridge, the 21.9 km Mumbai trans harbour link.

Rain in Delhi this week, southwest monsoon advances into Gujarat, Maharashtra

New Delhi: After battling days of deadly heatwave, Delhi is now likely to see drizzle to light rain till June 29, making for a wet end to the month. A fresh bout of rain lashed parts of the national capital on Sunday afternoon, bringing respite to the people reeling under heatwave for the past two months. "Generally cloudy sky, thunderstorms with very light rain accompanied by gusty winds in Delhi," the weather department said.

The maximum and minimum temperatures are likely to hover around 40 and 30 degrees Celsius respectively, it added. Earlier, the weather department said that the monsoon is expected to hit Delhi-NCR around June 30.

SOUTHWEST MONSOON ADVANCES

The southwest monsoon on Sunday advanced further into Gujarat, after making no progress for several days, following its early onset in parts of south Gujarat on June 11. Conditions remain favourable for the monsoon to cover some more parts of Gujarat and the adjoining north Arabian Sea in the next 3-4 days, the IMD said in its forecast. "The southwest monsoon has advanced into more parts of Arabian Sea, Gujarat state; remaining parts of Maharashtra; some more parts of Madhya Pradesh and Chhattisgarh; remaining parts of Odisha and some parts of Jharkhand," the IMD said in its weather bulletin. The southwest monsoon typically enters Gujarat on June 15 and progresses to Ahmedabad and other parts of the state, including some areas of Saurashtra, by June 20. It covers most parts of Saurashtra by June 25 and the entire state by June 30, said officials. Parts of the Saurashtra region, including Junagadh, Gir

Somnath, Botad, Bhavnagar and Amreli districts, and south Gujarat districts of Valsad, Navsari and Surat received light rain on Sunday, the State Emergency Operation Centre data showed. The IMD has predicted light to moderate rain and thundershowers in all the districts of Gujarat next week. "Isolated heavy to very heavy rain very likely over Konkan & Goa, Ghat areas of Madhya Maharashtra, Karnataka during next 5 days; over Gujarat Region on 23rd & 24th; over ghat areas of Tamil Nadu on 23rd; Kerala & Mahe during 23rd-25th and isolated heavy rainfall over Marathwada on 23rd, Saurashtra & Kutch, Lakshadweep on 23rd & 24th; Gujarat Region on 25th; Tamil Nadu on 24th & 25th; Kerala & Mahe on 26th & 27th and over Coastal Andhra Pradesh & Yanam during 25th -27th June," IMD said. The weather department has also issued red alerts for South Interior Karnataka, Konkan and Goa, and coastal Karnataka. An orange alert has also been issued for the Andaman and Nicobar Islands, Madhya Pradesh, Sub-Himalayan West Bengal and Sikkim.

HEATWAVE

Today, the highest maximum temperature of 43.6 degrees Celsius was reported at Rajasthan's Jodhpur. Maximum temperatures are in the range of 40-43 degrees Celsius in many parts of Punjab and West Rajasthan. In some parts of Haryana and in isolated pockets of Saurashtra and Kutch and Uttar Pradesh and in the range of 38-40 degrees Celsius over many parts of Delhi; in some parts of East Rajasthan and in isolated pockets of northwest Madhya Pradesh, southwest Bihar, northwest Jharkhand and Coastal Andhra Pradesh and Yanam. Maximum temperatures are above normal by 2-4 degrees Celsius in many parts Punjab; over some parts of West Rajasthan, Saurashtra and Kutch, Haryana, Uttar Pradesh, Bihar, Jharkhand, Odisha, Gangetic West Bengal and in isolated pockets over Madhya Pradesh.

BJP's Bhartruhari Mahtab sworn in as Lok Sabha pro tem Speaker

NEW DELHI: BJP MP Bhartruhari Mahtab was sworn in as the Lok Sabha pro tem Speaker on Monday, ahead of the first session of the 18th Lok Sabha, despite strong objections from the Opposition. President Droupadi Murmu administered the oath of office to Mahtab at the Rashtrapati Bhavan. Mahtab is set to preside over the Lok Sabha session, which begins today, and will oversee the oath-taking ceremony for newly elected MPs. Mahtab will convene the Lok Sabha session at 11 am in Parliament House. He will first call upon Prime Minister Narendra Modi, the Leader of the Lok Sabha, to take oath as member of the House.

The seven-time MP will then administer oath to the panel of chairpersons appointed by the President to assist him in carrying out the proceedings of the House till the election of the Speaker on June 26. After the panel of chairpersons, Mahtab will administer the oath as Lok Sabha members to the Council of Ministers. The appointment of Mahtab has drawn criticism from the Opposition, particularly the Congress, which alleges that the government overlooked the claim of its member Kodikunnil Suresh, who has served eight terms in the Lok Sabha. Suresh was expected to be appointed pro tem Speaker based on seniority, a convention historically followed in the Lok Sabha. Congress leaders, including Jairam Ramesh and KC Venugopal, have accused the BJP-led government of violating parliamentary norms and politicising the appointment.

Ramesh stated that by convention, the MP who has served the maximum terms is appointed pro tem Speaker for the first two days when the oath is administered to all newly elected MPs. The controversy has also been linked to Mahtab's recent switch from the Biju Janata Dal (BJD) to the BJP ahead of the Lok Sabha elections. Parliamentary Affairs Minister Kiren Rijiju defended the appointment, asserting that Mahtab has had seven uninterrupted terms as a Lok Sabha member, making him eligible for the post. Meanwhile, Suresh's electoral defeats in 1998 and 2004 mean that his current term is his fourth consecutive one in the Lower House. The pro tem Speaker's role is crucial during the initial days of a new Lok Sabha session, overseeing the swearing-in of newly elected members and facilitating the election of the Speaker.

37 Crore Deposits, Cash Seized In Raids Against Mumbai-Based Ponzi Company

New Delhi: Bank and demat account deposits apart from cash worth about ? 37 crore has been seized by the Enforcement Directorate (ED) as part of a money laundering probe against a Mumbai-based financial consultant and his company who are alleged to have duped investors of ? 600 crore through a Ponzi scheme. The federal agency said on Sunday that the action was undertaken after carrying out raids in the metropolitan city on June 21 against Amber Dalal and his company Ritz Consultancy Services. The Enforcement Directorate case of money laundering stems from a Mumbai Police FIR that charged the Chartered Accountant and his company with taking money from investors through a "suspected Ponzi scheme that promised high returns." Dalal "absconded" with this money after giving initial returns. It has been gathered that Dalal raised more than ? 600 crore from 1,300 investors, the ED said in a statement.

He was arrested by the EOW, Mumbai Police and is presently under judicial custody, it said. Dalal raised money from investors on the pretext that he invested the funds in nine commodities like gold, silver, crude oil, natural gas, zinc, lead, nickel, copper, aluminium and their trade, ensuring the capital is safe and promising an annual return of 18-22 per cent to his investors, the ED alleged. Using the same modus operandi, he raised money from investors in UAE and USA as well, it said. The search operations unveiled a network of stockbrokers, investment advisors who brought clients in lieu of commission. It is also found that payment received from new investment were being utilised to pay out the monthly returns to the old investors, it said.

Dalal "diverted" the funds received in Ritz's account to personal accounts, which were further routed to family member's accounts and used for creating assets, the ED said.

INDIA bloc MPs won't assist pro tem Speaker during Parliament session: Sources

New Delhi: The stand-off between the government and the Opposition over the appointment of pro tem Speaker Bhartruhari Mahtab came to a head with INDIA bloc MPs, who are part of a panel to assist the seven-term MP in his role, deciding not to perform their duties, sources told India Today TV on Monday. The Congress has been sparring with the BJP after Bhratruhari Mehtab was made the pro tem Speaker, a crucial role in the initial days of the new Lok Sabha, instead of eight-time Congress MP K Suresh. The President had also named five senior members-- K Suresh (Congress), T R Baalu (DMK), Radha Mohan Singh and Faggan Singh Kulaste (both BJP) and Sudip Bandyopadhyay (TMC) to assist Mahtab, but the Congress, DMK and TMC MPs will skip their duties. The Congress claimed the appointment of Bhartruhari Mahtab as the pro tem Speaker deviates from the tradition of appointing the senior-most member of the Lok Sabha. Congress leader Jairam Ramesh suggested that K Suresh was overlooked for the role due to his Dalit background. Meanwhile, Congress leader K.C. Venugopal demanded an explanation from the BJP for disregarding the senior Dalit leader. The government defended Mahtab's selection, noting that unlike Suresh, Mahtab has served uninterrupted terms in the Lok Sabha. Suresh lost elections in 1998 and 2004, making his current term his fourth consecutive one. BJP MP Sambit Patra clarified that the decision was made according to the established convention rather than law.

LIST OF BUSINESS N DAY-1 OF SESSION

Lok Sabha MPs from the INDIA bloc will assemble in the Parliament complex on Monday morning and enter the House together at 10.30 am on the first day of the first session of the 18th Lok Sabha, sources said. The MPs will gather near Gate No 2 of the old Parliament building, where the Gandhi statue once stood, a senior opposition party leader said. Newly elected MPs will observe silence for a short while to mark the first sitting of the 18th Lok Sabha, following which the Secretary General will lay on the floor of the House a list of newly elected MPs in Hindi and English.

The MPs, including the Prime Minister and other members of the council of ministers, will then take an oath or make the affirmation, sign the roll of members and take their seats in the House.

The President is scheduled to address the joint sitting of both houses of Parliament on June 27. The debate on the Motion of Thanks to the President's Address will begin on June 28. PM Modi is expected to respond to the debate on July 2 or 3.

Centre Allows 6 Months Maternity Leave For Staff In Case Of Surrogacy

New Delhi: Women government employees can take 180 days of maternity leave in case they have children through surrogacy after amendments were announced to a 50-year-old rule by the Centre.

It has also allowed the "commissioning mother" (the intending mother of the child born through surrogacy) with child care leave besides paternity leave of 15 days to the "commissioning father", according to the changes made in the Central Civil Services (Leave) Rules, 1972."In case of surrogacy, the surrogate, as well as the commissioning mother with less than two surviving children, may be granted maternity leave of 180 days, in case either or both of them are government servants," read the amended rules notified by the Personnel Ministry.

Till now, there were no rules to grant maternity leaves to women government employees in case a child was born through surrogacy.

"In case of a child begotten through surrogacy, the commissioning father who is a male government servant with less than two surviving children may be granted paternity leave of 15 days within the period of 6 months from the date of delivery of the child," the new rules said. In case of surrogacy, the commissioning mother with less than two surviving children, may be granted child care leave, reads the Central Civil Services (Leave) (Amendment) Rules, 2024, notified on June 18. Existing rules allow "a female government servant and single male government servant" child care leave for a maximum period of 730 days during entire service "for taking care of two eldest surviving children, whether for rearing or for looking after any of their needs, such as education, sickness and the like". The "surrogate mother" shall mean the woman who bears the child on behalf of the commissioning mother and the expression "commissioning father" would mean the intending father of the child born through surrogacy, the Personnel Ministry clarified in the amended rules.

Jairam Ramesh's dig in exchange with Kiren Rijiju: 'Is it with grace marks?'

New Delhi: Parliamentary Affairs Minister Kiren Rijiju and senior Congress leader Jairam Ramesh were involved in a war of words ahead of the first session of the 18th Lok Sabha, setting the stage for what is expected to be a stormy session where the Opposition is expected to flag issues, including the NEET row and the appointment of Bhartruhari Mahtab as pro tem Speaker. During the exchange, Rijiju sought the cooperation of newly-elected Opposition MPs to ensure the Parliament session ran smoothly, with Ramesh calling the minister to "walk the talk". Rijiju responded and said he could be a valuable asset if he contributed to the House. The Congress leader then hit back with a reference to the grading system of the National Testing Agency (NTA), which is in the eye of the storm over the conduct of NEET exams. It all began when Rijiju said he would always be available to assist the members and looked forward to coordination from Opposition members to ensure the session ran smoothly.

"The first session of the 18th Lok Sabha begins today, the 24th June, 2024. I welcome all the newly elected honourable members. I shall be always available to assist the members as Minister of Parliamentary Affairs.

I'm positively looking forward for co-ordination to run the house," Rijiju tweeted. Calling for a "peaceful" and "productive" Parliament session, Rijiju said, "Today, as new honourable MPs pledge their commitment. I am reminded of the immense responsibility ahead. Under the leadership of PM @narendramodi ji, let us together work relentlessly for our nation's progress." Rijiju's appeal drew a response from Ramesh, who asked the Union Minister to "walk the talk". "Actions will speak louder than words Mr. Minister. Walk the talk," Ramesh tweeted. In response, Rijiju agreed and called Ramesh an "intelligent member" and said he would be a "valuable asset" to the Lok Sabha if he contributed positively during the new Parliament session. "Absolutely @Jairam_Ramesh ji. You are an intelligent member and you will be a valuable asset to the house if you contribute positively. Differences will remain amongst political parties in Parliamentary Democracy but we are united in our service to the nation. Looking forward to your cooperation in maintaining India's rich Parliamentary traditions," he said.

However, Ramesh hit back at Rijiju and took a dig at him, saying, "Thanks Mr Minister. I hope your certificate of my intelligence is not like the NTA grading. Is it with grace marks?"

Indus Water Treaty: Pakistan delegation in Jammu to inspect 2 power projects

New Delhi: A Pakistani delegation arrived in Jammu on Sunday evening as part of Neutral Expert proceedings to inspect two hydroelectric power projects in Jammu and Kashmir under the Indus Water Treaty, officials said. This is the first visit by a Pakistani delegation to Jammu and Kashmir in more than five years under the dispute settlement mechanism of the 1960 Treaty.

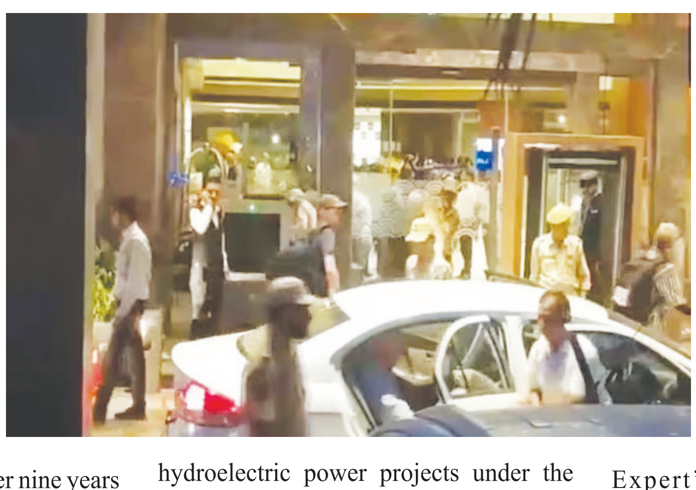

India and Pakistan signed the Indus Water Treaty (IWT) after nine years of negotiations, with the World Bank being a signatory of the pact which sets out a mechanism for cooperation and information exchange between the two sides on the use of waters of a number of cross-border rivers.

A three-member Pakistan delegation inspected the Pakal Dul and Lower Kalnai hydroelectric power projects under the provisions of the IWT for the last time in January 2019, before the ties between the two countries froze following the revocation of the special status of Jammu and KashmirThe officials said the visiting experts, including Pakistanis, will inspect Kishenganga and Ratle hydroelectric power projects in Chenab valley during their stay in the Union Territory. Pakistan's initial request to the World Bank in 2016, concerning its objections to the design features of the two hydroelectric power projects, sought a settlement through a 'Neutral Expert.' However, Pakistan later withdrew this request and sought adjudication through a Court of Arbitration. India, on the other hand, insisted that the issue should be resolved solely through 'Neutral Expert' proceedings. After failed negotiations, the World Bank appointed a Neutral Expert and the chair of the Court of Arbitration in October 2022. Issuing a notice for modifying the Treaty, India warned that "such parallel consideration of the same issues is not covered under any provision of the IWT". In July 2023, the Court of Arbitration ruled that it was "competent to consider and determine the disputes set forth by Pakistan's request for arbitration". Pakistan filed its first Memorial, which listed its legal case with documents, under this process in March this year. A month later, the Court undertook a week-long visit to the Neelum-Jhelum Hydro-Electric Plant in Pakistan-Occupied Kashmir "to familiarise the court with general aspects of the design and operation of run-of-river hydro-electric plants along the Indus system of rivers. While India refused to take part in the Court of Arbitration, it submitted a Memorial to the Neutral Expert in August 2023. Pakistan joined the second meeting of the parties held by Neutral Expert in Vienna in September last year which discussed matters related to the organisation of the site visit.

The Jammu and Kashmir administration has appointed 25 "liaison officers" to coordinate the visit of neutral experts along with delegations from India and Pakistan.

NEWS BOX

Canada evacuates 225 prisoners from jail amid intensifying wildfires

Ottawa. Canadian officials have evacuated 225 inmates from a maximum-security prison in Quebec due to intensifying forest fires in the area, the Correctional Service of Canada (CSC) said on Sunday.An evacuation order for the Port-Carier Institution was issued on Friday (June 21) and inmates were moved to other secure federal correctional facilities, without giving details."To carry out the evacuation, we put measures in place, together with our partners, to maintain the safety and security of our staff, the public, and the offenders in our care and custody," the CSC said in a news release.In an update on June 21, Quebec's wildfire agency SOPFEU said lightning sparked seven fires north of Port-Cartier and two were out of control.Across Canada, the wildfire season has so far been much less destructive than the record-breaking 2023 season in which more than 15 million hectares burned. However, the federal government is forecasting another hotter-than-average summer ahead.The CSC said the emergency situation continues to evolve and it was working on when it would be possible to reopen the maximum-security institution.

More than 15 policemen, several civilians killed by gunmen in Russia's southern Dagestan region

MOSCOW. More than 15 policemen and several civilians, including an Orthodox priest, were killed by armed militants in Russia's southern republic of Dagestan on Sunday, its governor Sergei Melikov said in a video statement early Monday.

The gunmen opened fire on two Orthodox churches, a synagogue and a police post in two cities, according to the authorities.Russia's National Anti-Terrorist Committee described the attacks in the predominantly Muslim region with a history of armed insurgency as terrorist acts.Monday, Tuesday and Wednesday were declared days of mourning in the region.

Dagestan's Interior Ministry said a group of armed men shot at a synagogue and a church in the city of Derbent, located on the Caspian Sea. Both the church and the synagogue caught fire, according to state media. Almost simultaneously, reports appeared about an attack on a church and a traffic police post in the Dagestan capital, Makhachkala.Authorities announced a counter-terrorist operation in the region. The Anti-Terrorist Committee said five gunmen were "eliminated." The governor said six "bandits" had been "liquidated." The conflicting numbers couldn't be immediately reconciled and it wasn't clear how many militants were involved in the attacks.There was no immediate claim of responsibility for the attacks. The authorities launched a criminal probe on the charge of a terrorist act.Russian state news agency Tass cited law enforcement sources as saying that a Dagestani official was detained over his sons' involvement in the attacks.

Melikov said in the video statement that the situation in the region was under control of the law enforcement and local authorities, and vowed that the investigation of the attacks will continue until "all the sleeping cells" of the militants are uncovered.He claimed, without providing evidence, that the attacks might have been prepared from abroad, and referenced what the Kremlin calls "the special military operation" in Ukraine in an apparent attempt to link the attacks to it.In March, gunmen opened fire on a crowd at a concert hall in suburban Moscow, killing 145 people. An affiliate of the Islamic State group claimed responsibility for the attack, but Russian officials also sought to link Ukraine to the attack without providing any evidence. Kyiv has vehemently denied any involvement.

Israel PM says 'intense' fighting with Hamas in Rafah 'about to end'

World Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu said on Sunday that the Israeli military's heavy fighting against Hamas militants in the southern Gaza city of Rafah is nearly over."The intense phase of the fighting against Hamas is about to end," he said in an interview with Israel's pro-Netanyahu Channel 14."It doesn't mean that the war is about to end, but the war in its intense phase is about to end in Rafah," he said.

"After the end of the intense phase, we will be able to redeploy some forces to the north, and we will do that. Primarily for defensive purposes but also to bring the (displaced) residents back home," Netanyahu said in his first interview with an Israeli network since the start of the war with Hamas on October 7.Netanyahu said he would not agree to any deal that stipulates an end to the war in Gaza, indicating that he was open to a "partial" deal that would facilitate the return of some hostages still held in Gaza, if not all."The goal is to return the kidnapped and uproot the Hamas regime in Gaza," he said.United States officials have raised doubts over Israel's goal of completely eliminating Hamas, and on Wednesday Israel's top army spokesman, Rear Admiral Daniel Hagari, said: "To say that we are going to make Hamas disappear is to throw sand in people's eyes."

He said Hamas is an ideology and "we cannot eliminate an ideology."Netanyahu said he would not agree to any deal that stipulates an end to the war in Gaza, indicating that he was open to a "partial" deal that would facilitate the return of some hostages still held in Gaza, if not all.

"The goal is to return the kidnapped and uproot the Hamas regime in Gaza," he said.

United States officials have raised doubts over Israel's goal of completely eliminating Hamas, and on Wednesday Israel's top army spokesman, Rear Admiral Daniel Hagari, said: "To say that we are going to make Hamas disappear is to throw sand in people's eyes."

He said Hamas is an ideology and "we cannot eliminate an ideology."

Where is Melania Trump Her absence amid husband's campaign sparks curiousity

As presumptive Republican nominee Donald Trump runs for a second White House term, his wife Melania has largely refrained from making public appearances barring a few exceptions, where she attended fundraising events and her son's high school graduation.

West Palm Beach After Melania Trump missed key events in her husband's presidential bid earlier this year, from the kickoff of the 2024 election in Iowa to Donald Trump's Super Tuesday victory party, reporters asked the former first lady whether she planned to hit the campaign trail. Her response, "Stay tuned".ut since making that comment in March, after she and Donald Trump voted in Florida's primary, Melania Trump has largely refrained from public appearances. The few exceptions have included a couple of fundraisers in April and their son's high school graduation.The former first lady noticeably did not accompany the presumptive Republican presidential nominee on any of the days of his more than month-long hush money trial in New York. She was not there last month for the guilty verdict or the following day for his remarks at Trump Tower. She also did not appear on June 14 at a 78th birthday party organised for Trump by his fan club, or at any of the campaign rallies he has held in recent months.Her absence during the trial and for other important moments was unusual, said Katherine Jellison, a professor of history at Ohio University who studies first ladies. But Jellison said maybe it should not come as a surprise as Melania Trump seemed reluctant to follow the traditional public role of a politician's wife. As first lady, she also kept a low profile and was not a regular presence in her husband's losing 2020 presidential campaign.But everything the Trumps do seems to be against the standard playbook of how candidates and spouses behave," Jellison said.Melania Trump's behaviour deviates from how other politicians have relied on their

spouses. Sometimes male politicians turn to their wives to try to reach out to female voters. Candidates also may be joined by their spouses as a way of giving voters more of a sense of what the candidate is like outside the political arena.During this year's Republican primary, for example, Florida Governor Ron DeSantis's wife, Casey DeSantis, travelled with him, granted interviews and formed a coalition named Mamas for DeSantis before he suspended his bid for the nomination. Vivek Ramaswamy's wife, Dr Apoorva Ramaswamy, also was on the campaign trail, often appearing along with their two young children to talk about the importance of family.

The Associated Press reached out to 15 people who have been to major fundraisers or Trump's Mar-a-Lago estate recently. None said they had encountered Melania Trump on the Florida property.er office has not responded to several requests for comment. Her only public statement of late came two days after the Florida Republican Party announced with fanfare that son Barron Trump, 18, was chosen as a state delegate for the Republican National Convention and her office said he could not make it, citing prior commitments.Reporters at the New York courthouse during Trump's felony trial repeatedly asked him, "Where's Melania?" but he never answered. Trump allies cited their son's school calendar as the main reason for her absence without denying it was a delicate time for the family.Trump's attorney, Todd Blanche, was asked whether there were talks about her accompanying him to court."That wasn't a discussion that I wanted to have," Blanche responded, speaking to Miami trial attorney David Oscar Markus for his "For The Defence" podcast

3 Columbia University deans put on leave over text exchange at antisemitism panel

New York. Columbia University said it has placed three administrators on leave while it investigates allegations that they exchanged unprofessional text messages while attending a panel discussion about antisemitism on campus.The university said the administrators work for its undergraduate Columbia College, which hosted the panel discussion "Jewish Life on Campus: Past, Present and Future" during an alumni reunion on May 31.The university said the college's dean, Josef Sorett, informed his team on Thursday that the three administrators were being put on leave.Columbia College is attending to this situation with the utmost seriousness," a college spokesperson said. "We are committed to confronting antisemitism, discrimination and hate, and taking concrete action to ensure that our is a community of respect and healthy dialogue where everyone feels valued and safe."Columbia did not identify the administrators by name and declined to discuss the matter further while the investigation is pending.The Washington Free Beacon, a conservative news outlet, published images on June 12 and 21 of what it said were the administrators' text messages. One included a suggestion

that a panellist could have used the campus protests for fundraising and another that appeared critical of a campus rabbi's essay about antisemitism.The panel about antisemitism was held a month after university leaders called in police to clear pro-Palestinian protesters out of an occupied administration building and dismantle a tent encampment that had threatened to disrupt graduation ceremonies.The police action came amid deep divisions on campus as to whether some of the protests against Israel's military campaign in Gaza have been antisemitic.Some text messages allegedly sent by Sorett were among those published by the news outlet, but he was not among those put on leave. He will continue to serve as dean and is cooperating with the investigation, the university said."I deeply regret my role in these text exchanges and the impact they have had on our community," Sorett said in a message Friday to the Columbia College Board of Visitors.

Sorett said he is "committed to learning from this situation and to the work of confronting antisemitism, discrimination and hate at Columbia."

Criminal charges recommended against Boeing for violating settlement

Washington, US prosecutors are recommending to senior Justice Department officials that criminal charges be brought against Boeing, after finding the planemaker violated a settlement related to two fatal crashes, two people familiar with the matter told Reuters.The Justice Department must decide by July 7 whether to prosecute Boeing. The recommendation of prosecutors handling the case has not been previously reported.In May, officials determined the company breached a 2021 agreement that had shielded Boeing from a criminal charge of conspiracy to commit fraud arising from two fatal crashes in 2018 and 2019 involving the 737 MAX jet.Under the 2021 deal, the Justice Department agreed not to prosecute Boeing over allegations it defrauded the Federal Aviation Administration so long as the company overhauled its compliance practices and submitted regular reports. Boeing also agreed to pay $2.5 billion to settle the investigation.Boeing declined to comment. It has previously said it has "honoured the terms" of the 2021 settlement, which had a three-year term and is known as a deferred prosecution agreement. Boeing has told the Justice Department it disagrees with its determination that the company violated the settlement, Reuters reported this month.

spokesperson for the Justice Department declined to comment.The two sides are in discussions over a potential resolution to the Justice Department's investigation and there is no guarantee officials will move forward with charges, the two sources said. The internal Justice Department deliberations remain ongoing and no final decisions have been reached, they added.Criminal charges would deepen an unfolding crisis at Boeing, which has faced intense scrutiny from US prosecutors, regulators and lawmakers after a panel blew off one of its jets operated by Alaska Airlines, mid-flight January 5, just two days before the 2021 settlement expired.

The sources did not specify what criminal charges Justice Department officials are considering, but one of the people said they could extend beyond the original 2021 fraud conspiracy charge.

Alternatively, instead of prosecuting Boeing, the DOJ could extend the 2021 settlement by a year or propose new, stricter terms, the sources said.

In addition to financial penalties, the strictest settlements typically involve installing a third party to monitor a company's compliance. The DOJ can also require the company to admit its wrongdoing by pleading guilty.Boeing may be willing to pay a penalty and agree to a monitor, but believes a guilty plea, which typically incurs additional business restrictions, could be too damaging, said one of the sources.

Death toll at Hajj pilgrimage rises to 1,301 amid extreme heat: Saudi officials

Cairo More than 1,300 people died during this year's Hajj pilgrimage in Saudi Arabia as the faithful faced extreme high temperatures at Islamic holy sites in the desert kingdom, Saudi authorities announced on Sunday.Saudi Health Minister Fahd bin Abdurrahman Al-Jalajel said that 83 per cent of the 1,301 fatalities were unauthorised pilgrims who walked long distances in soaring temperatures to perform the Hajj rituals in and around the holy city of Mecca.Speaking with the state-owned Al Ekhbariya TV, the minister said 95 pilgrims were being treated in hospitals, some of whom were airlifted for treatment in the capital, Riyadh.He said the identification process was delayed because there were no identification documents with many of the dead pilgrims.He said the dead were buried in Mecca, without giving a breakdown.The fatalities included more than 660 Egyptians. All but 31 of them were unauthorised pilgrims, according to two officials in Cairo.Egypt has revoked the licences of 16 travel agencies that helped unauthorised pilgrims travel to Saudi Arabia, authorities said.The officials, who spoke on condition of anonymity because they were not authorised to brief journalists, said most of the dead were reported at the Emergency Complex in Mecca's Al-Muaisem neighbourhood. Egypt sent more than 50,000 authorised pilgrims to Saudi Arabia this year.Saudi authorities cracked down on unauthorised pilgrims, expelling tens of thousands of people. But many, mostly Egyptians, managed to reach holy sites in and around Mecca, some on foot. Unlike authorised pilgrims, they had no hotels to return to escape the scorching heat.

In a statement on Saturday, Egypt's government said the 16 travel agencies failed to provide adequate services for pilgrims. It said these agencies illegally facilitated the travel of pilgrims to Saudi Arabia using visas that don't allow holders to travel to Mecca.The government also said officials from the companies have been referred to the public prosecutor for investigation.According to the state-owned Al-Ahram daily, some travel agencies and Hajj trip operators sold Saudi tourist visas to Egyptian Hajj hopefuls, violating Saudi regulations which require exclusive visas for pilgrims. Those agencies left pilgrims in limbo in Mecca and the holy sites in scorching heat, the newspaper said.

The fatalities also included 165 pilgrims from Indonesia, 98 from India and dozens more from Jordan, Tunisia, Morocco, Algeria and Malaysia, according to an Associated Press tally. Two US citizens were also reported dead.

8 killed in fresh Israeli airstrike on Gaza aid centre:

Fresh airstrikes by the Israli Air Force (IAF) on a training college near Gaza City led to the death of at least eight Palestinian nationals. As per locals, the strike hit part of a vocational college run by the UN Palestinian refugee agency UNRWA that is now providing aid to displaced families.

Cairo. Eight Palestinians were killed on Sunday in an Israeli airstrike on a training college near Gaza City being used to distribute aid, Palestinian witnesses said, as Israeli tanks pushed further into the southern city of Rafah.The strike hit part of a vocational college run by the UN Palestinian refugee agency UNRWA that is now providing aid to displaced families, the witnesses said."Some people were coming to receive coupons and others had been displaced from their houses and they were sheltering here. Some were filling up water, others were receiving coupons, and suddenly we heard something falling. We ran away, those who were carrying water let it spill," said Mohammed Tafesh, one of the witnesses.A Reuters photographer saw a low-rise building completely demolished and bodies wrapped in blankets laid out beside the road, waiting to be taken away.

"We pulled out martyrs (from beneath the rubble), one who used to sell cold drinks and another who used to sell pastries and others who distributed or received coupons," Tafesh said. "There are about four or five martyrs and 10 injured. Thank God, the condition of the injured is good."The Israeli military said the site, which it said had served in the past as a UNRWA headquarters, has been used by Hamas and Islamic Jihad militants. It added that precautionary measures were taken before the strike to reduce the risk of harming civilians."This morning (Sunday), IAF fighter jets directed by IDF and ISA intelligence struck terrorist infrastructure in which Hamas and Islamic Jihad terrorists were operating," the military said in a statement."This is another example of Hamas' systematic exploitation of civilian infrastructure and the civilian population as a human shield for its terrorist activities," it added.Hamas denies Israeli accusations that it uses civilians as human shields or civilian facilities for military purposes.Juliette Touma, UNRWA's director of communications, said the agency was looking into details of the reported attack before providing more

information."Since the beginning of the war, we have recorded that nearly 190 of our buildings have been hit. This is the vast majority of our buildings in Gaza," she said. A total of 193 UNRWA team members have been killed in the conflict, she added.Just after midnight an Israeli air strike hit a clinic in Gaza City, killing the director of ambulance and emergency services at the territory's health ministry, Hani Al-Jaafarwi, and another medical staffer, Hamas media said. There was no immediate Israeli comment.

'INTENSE PHASE' ENDING

Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu said on Sunday that the phase of intense fighting against Hamas in the Gaza Strip would end "very soon" but that the war would not end until the Islamist group no longer controls the Palestinian enclave."After the intense phase is finished, we will have the possibility to move part of the forces north. And we will do this," Netanyahu said in an interview with Israel's Channel 14.Israel's fighting against Iran-backed Hezbollah has escalated on the northern border with Lebanon, where many Israeli towns have been evacuated. Netanyahu said a northern deployment would allow residents to come home.More than eight months into Israel's war in the Hamas-administered Palestinian enclave, its advance is focused on the two areas its forces have yet to seize - Rafah on Gaza's southern tip and the area surrounding Deir al-Balah in the centre.Israel's ground and air campaign in Gaza was triggered when Hamas-led militants stormed into southern Israel on October 7, killing around 1,200 people and seizing more than 250 hostages, according to Israeli tallies.The Israeli offensive in retaliation has killed almost 37,600 people, according to Palestinian health authorities, and has left Gaza in ruins.Residents said Israeli tanks had advanced to the edge of the Mawasi displaced persons' camp in the northwest of Rafah in fierce fighting with Hamas-led fighters, part of a push into western and northern Rafah during which they had blown up dozens of houses in recent days.

NEWS BOX

Euro 2024: Switzerland hold Germany to make Round of 16, Scotland knocked out

New Delhi. Hosts Germany came back from a goal down to snatch a 1-1 draw with Switzerland thanks to a stoppage-time goal from Niclas Fuellkrug that sends them into the knockout stage of Euro 2024 as winners of Group A, with the Swiss finishing in second place.

Germany's Robert Andrich had a 17th-minute goal ruled out for a foul in the build-up, and 11 minutes later Dan Ndoye scored with a deft volleyed finish for the Swiss before striking the foot of the post two minutes later.Germany exerted enormous pressure in the second half but they struggled to get shots on target, and substitute Fuellkrug had to bale them out with a late header to grab a share of the spoils and secure the group victory.Germany will now face the second-placed team in Group C, with England, Denmark, Slovenia or Serbia all still in the mix, in Dortmund on June 29, while Switzerland will play the second-placed team in Group B on the same day in Berlin, with Italy, Albania and Croatia their potential opponents.

Scotland knocked out, Hungary made to wait

Hungary snatched a 100th-minute winner to beat Scotland 1-0 and put themselves in contention for a last-16 spot at the European Championship while condemning the Scots to yet another failure at a major tournament.

Kevin Csoboth's breakaway goal with the last kick off the match ensured Hungary finished third in Group A with three points while Scotland crashed out bottom with two, still to get through to the knockout phase of either the Euros or World Cup.

WI vs SA: Kagiso Rabada and Marco Jansen involved in nasty collision in Antigua

New Delhi. In a very scary moment, South Africa pacer Kagiso Rabada and Marco Jansen collided near the boundary as both men tried to prevent the ball going over the line in Antigua. The incident occurred during the 8th over of the game with Kyle Mayers facing Proteas skipper Aiden Markram. Mayers decided to take on Markram and hit a lofted shot straight down the ground.

Rabada and Jansen came running in and attempted to take a catch as the communication wasn't great between both stars. They would end up colliding into each other as the ball sailed over the boundary line for a six. Both men were in visible pain, with Jansen looking as if he had come off worse from the collision. Both men were able to get up after the collision, but Jansen was forced to leave the field in the end.Jansen had picked up the first wicket of the match as he dismissed the in-form Shai Hope for a first ball duck. He had 2 overs till the point when the collision had happened and conceded 17 runs. Rabada was yet to bowl by the time when the collision happened.Jansen would then return to the field close to the 12th over and looked to be moving freely as well.

T20 World Cup: Kuldeep Yadav enjoying the challenge of being a step ahead of batters

ST LUCIA. If there's one bowler whose non-inclusion in the India playing XI in the New York leg of the T20 World Cup was slightly criticized in different quarters, it is Kuldeep Yadav.The chinaman bowler has been India's best spinner across formats in recent times, still the Indian team management was waiting to employ him in slightly more favourable conditions for spinners than what it was at New York. But as the coaches kept explaining Kuldeep the situation, the wrist-spinner didn't lose heart and he delivered the moment he got his chance in West Indies.

T20 WORLD CUP: SCHEDULE | POINTS TABLE

Performances of 2-32 against Afghanistan and 3-19 against Bangladesh have proved how well-prepared in his mind Kuldeep was. The bowler mentioned that he "would have loved to bowl in New York", but he felt totally included in everything that was going on. "I wasn't playing, but I was the 12th man there. I was helping out the teammates and carrying the drinks, so that is more like playing. I didn't bowl there but I would have loved to because it was more like pitches in Australia," Kuldeep said after India's comprehensive win against Bangladesh.

It was in the West Indies that Kuldeep made his T20 debut back in 2017. He had a fair idea of what to expect in the Caribbean that helped. "I knew the condition very well --the length to bowl and the importance of varying the pace. It was perfect for the spinners to come here and bowl," Kuldeep added.

The left-armer explained how he doesn't think much about the conditions, which way the wind is blowing and all that when he comes into bowl. For him, it is more about the length and outthinking the batsman. "I didn't think about the wind, just the length mattered. And obviously reading the batter and what they are expecting from me. It is about just reading one step ahead what the batters are thinking and reacting to it," Kuldeep said.It was evident that he was outsmarting the batters when he got Tanzid Hasan with a beautiful googly as the right-hander shaped to go to his back-foot. As for Towhid Hridoy, the mode of dismissal was the same, just that the ball turned in the opposite direction after landing in the same spot.

WI vs SA: South Africa storm into semis, knock West Indies out in rain-marred thriller

T20 World Cup 2024, WI vs SA: South Africa stormed into the semi-final after beating Rovman Powell's West Indies by 3 wickets (DLS) in Antigua. The Proteas tracked down a revised target of 123 in a contest that was marred by rain.

New Delhi. South Africa have made their way through to the semi-final of the T20 World Cup 2024. The Proteas knocked out co-hosts West Indies after winning by 3 wickets (DLS) at the Sir Vivian Richards Stadium in North Sound, Antigua. In a rain-curtailed match, Aiden Markram's men held their nerves and chased down a revised target of 123 with 5 balls to spare in a thriller that went right down to the last over. It's also the third time that South Africa qualified for the semis of the tournament after 2009 and 2014.

WI vs SA, T20 World Cup Highlights

Having won their seventh in a row, South Africa also finished their Super 8 on top of the Group 2 table. The Caribbean team, on the other hand, won all their Group C matches, after which they beat the United States by 9 wickets. But they would be gutted after failing to step up against the Proteas in the virtual quarterfinal.

Tabraiz Shamsi derails West Indies

After being asked to bat first, West Indies got off to a horrendous start as Shai Hope and Nicholas Pooran departed early with the score at 5 for 2 in 1.1 overs. From there on, Kyle Mayers, who replaced Johnson Charles, and Roston Chase restored sanity with a partnership of 81 runs off 10.5 overs. Mayers looked promising in his 35-run knock before Tabraiz Shamsi accounted for his wicket.

Chase, on the other hand, brought up his half-century off 39 balls. But just when he needed to step on the gas, Shamsi accounted for his wicket. The Caribbean team found itself in a hole after skipper Rovman Powell and Sherfane Rutherford faltered. Andre Russell and Alzarri Joseph played cameos of 15 and 11, helping West Indies post 135 for 8.Shamsi, who was brought in as a replacement for Ottneil Baartman, was the pick of the bowlers for the Proteas after he finished with figures of 4-0-27-3. Marco Jansen, Aiden Markram, Keshav Maharaj and Kagiso Rabada got one wicket apiece. Rabada was introduced as late as in the 18th over, and he responded with the wicket of Akeal Hosein.

Jansen's short yet priceless cameo

South Africa did not get off a pleasant start as Reeza Hendricks and Quinton de Kock perished cheaply. Dee Kock started with 3 fours, but could not carry on. Russell made sure that West Indies made inroads into the opposition batting line-up. Rain threatened to play spoilsport, but only 3 overs were reduced from the run-chase.

Markram tried to put his head down before Alzarri Joseph dismissed him for 18. Heinrich Klaasen tried to play the big shots and scored 22 off 10 balls. Yet again, Joseph chipped in and removed the dangerman. With 33 runs needed off 39 deliveries and Tristan Stubbs in the middle, the Proteas were cruising. But after Stubbs departed for 29, the Proteas looked jittery.

But Jansen's vital cameo of 21 off 14 balls took South Africa home in 16.1 overs. The right-handed batter smashed Obed McCoy down the ground for a six to bring the curtains down on the match.

USA here to play: Corey Anderson claims team can be proud of T20 World Cup run

New Delhi. Corey Anderson has claimed that the USA have shown the world that they're 'here to play' after their exit from the T20 World Cup 2024 on Sunday, June 23. The US side were the surprise package of the tournament this year as they came out looking strong from Group A, which consisted of both India and Pakistan.They went on to shock Pakistan and pushed India to the limit to qualify for the Super 8s. However, they were unable to maintain their form and exited the competition with 3 straight losses. The last one was a humbling at the hands of England on Sunday. Anderson, speaking at the press conference, said that the team was hurt by the loss but feels that the feeling is a good sign which shows they can do much more.

"Look, they're disappointed. They're hurt. I'm hurt. Your pride's always on the line when you're playing these games and you never want to lose badly or have performances like that. But again, it's looking at the bigger picture of it too. If we're a team and we first started and we're beginning to be disappointed about how we play against these big teams and knowing that we can do better, that's a great sign because it means we can give more," said Anderson.Massive stepping stoneAnderson feels that despite being seen as an associate nation, there is a lot of talent in the USA and the T20 World Cup was a massive stepping stone for them. The all-rounder feels the team can be proud of their achievements."I think the public's perception and expectation of us is probably very much still that we're an Associate nation, and yes, we are. But we've got extremely good talent in the US, and this was a massive stepping stone in showing that. I think the boys can hold their heads high and be proud of what they've done. Because again, I think we've probably turned the world's attention to the US for them to say we're here to play," said Anderson.

AFG vs BAN: Jonathan Trott wants Afghanistan batting to improve before do-or-die clash

New Delhi. Head coach Jonathan Trott said that Afghanistan need to improve in the batting department ahead of their crucial Super 8 clash against Bangladesh in the T20 World Cup 2024. The Afghans will be brimming with confidence after beating Australia by 21 runs, but Trott said that their batting was not up to the mark. Rahmanullah Gurbaz and Ibrahim Zadran put on 118 runs for the opening wicket off 15.5 overs. But from there on, the Afghans could only score 30 runs off 25 balls.

Pat Cummins picked up a hat-trick and did not let Afghanistan batters unleash their power-hitting in the death overs. Thereafter, Gulbadin Naib and Naveen-ul-Haq picked up 4 and 3 wickets respectively, as the Afghans bowled the Aussies out for 127 in 19.2 overs.

"I think the skill was the partnership that we had,

the platform that we had, and then that enabled us to accelerate a little bit. I still don't think we batted all that well towards the end of the innings. We left a lot of runs out there, and that's something we need to work on and get better at," Trott said in the pre-match press conference.With their win against Australia, Afghanistan are now in with a genuine chance of advancing to the semis. Their contest against the Tigers will be the last Super 8 clash and Trott feels that it could be advantage for the Afghans. Trott said that Afghanistan would be aware of their requirements after the end of the Super 8 match between India and Australia."Certainly, when you have that type of platform, you need to be able to capitalize with the amount of wickets in hand that we had. So, looking forward to the Bangladesh game, that's going to be key and how we play that. So, that's always a nice thing, having played at the venue and on the same pitch that we're playing on against Bangladesh and having a little bit of knowledge," Trott added.s

Hungary knock Scotland out of Euro 2024 after Barnabas Varga injury horror

New Delhi. In a dramatic turn of events, Kevin Csoboth scored a crucial goal in the 10th minute of added time, securing a 1-0 victory for Hungary over Scotland in their Euro 2024 match. The goal came after a distressing incident involving Hungarian striker Barnabas Varga, who suffered a serious injury and had to be stretchered off the field.The Hungarian Football Federation provided an update shortly after the match, stating that Varga was in a "stable condition" and receiving treatment at a hospital in Stuttgart.

The incident evoked painful memories of Christian Eriksen's collapse during Euro 2020, where Danish players formed a protective circle around him after he suffered a cardiac arrest on the pitch.

Csoboth paid tribute to his injured teammate by holding up Varga's shirt during his celebration. The late winner kept Hungary's hopes alive in the tournament, as they continue to fight fr a spot in the last 16 of Euro 2024.

"Of course we were fighting for him in the remaining 15-20 minutes. We wanted to win for him and we dedicate the win to him," Hungary attacker Roland Sallai was quoted as saying by Reuters.cotland's attempt to progress beyond the group stage in a major competition for the first time ended in heartbreak. They were pushing hard for a crucial goal that would have seen them through, but were ultimately undone by a late counter-attack.

"It was always a one-goal game," said Scotland coach Steve Clarke. "We didn't manage to get the goal, we opened up at the end to try and get it."Scotland's campaign concluded with a disappointing result, leaving them at the bottom of Group A with a solitary point. The Scots' quest for their first victory in the tournament since 1996 continues.Manager Steve Clarke was forced to make a change in his starting lineup, with Scott McKenna stepping in for the injured Kieran Tierney, who was stretchered off during the 1-1 draw with Switzerland. On the other hand, Hungary made two alterations, with Callum Styles and Endre Botka earning their first starts of the tournament.Hungary entered the Euros on the back of an impressive 14-match unbeaten streak, which included victories over England and Germany in the UEFA Nations League. However, consecutive losses had dented their confidence, and they needed a win against Scotland to maintain their chances of progressing to the knockout stages.

Jessica Pegula knocks out Coco Gauff in semis, beats Anna Kalinskaya to win Berlin Open

Jessica Pegula defeated Anna Kalinskaya 6-7(0) 6-4 7-6 (3) in the final to win the Berlin Open. Prior to that, the American star defeated Coco Gauff in a rain-interrupted semi-final.

New Delhi. Jessica Pegula triumphed at the Berlin Open on Sunday after a riveting series of matches, featuring a rain-interrupted semi-final against top seed Coco Gauff and a final showdown with Anna Kalinskaya. Pegula, a world-ranked fifth player, began her semi-final on Saturday, leading 7-5, 6-6 (3-1) when rain suspended play. Under cloudy skies on Sunday, she swiftly concluded the match, clinching the final set 7-6 (2).

In the final, Pegula faced a challenging opponent in Russia's Anna Kalinskaya. Despite dropping the first set 6-7(0) in a fiercely competitive exchange, Pegula rebounded with a break in the opening game of the second set, which she won 6-4. The third set saw Pegula taking a 3-1 lead with an early break, only for Kalinskaya to counter with a break of her own, making it 4-4 after saving four break points.

In a dramatic turn, Kalinskaya nearly clinched two additional breaks, but Pegula demonstrated remarkable resilience, saving five match points to force a tiebreaker. Dominating the tiebreak, Pegula emerged victorious, winning it 7-6 (3).

Jessica Pegula set for WimbledonThis victory earned Pegula her fifth career singles title and her first on grass, a significant achievement just days before Wimbledon, where she reached the quarter-finals the previous year. The Berlin Open win not only adds to her credentials but also boosts her confidence as she heads into one of tennis's most prestigious tournaments.

Pegula's performance, especially under pressure, underscores her status as a formidable player on the women's circuit. With newfound momentum, she aims to carry this form into Wimbledon, enhancing her prospects for another deep run, if not a title, at the All England Club.

Earlier this year, Pegula pulled out of the French Open. Back then, she pledged to make a strong comeback and she lived up to his promise with a win in Berlin.

Trisha Krishnan

Drops A Selfie With Vijay On His Birthday, Says 'To Many Milestones Ahead

South actor Vijay is celebrating his birthday today. Wishes have been pouring in from all corners. On this day, actress Trisha Krishnan took to her social handle and shared a photo that instantly went viral. Fans were seen quickly reacting to it. Many also dropped heart emojis in the comment section.Taking to her Instagram handle, Trisha shared a photo in which she is seen posing with Vijay. It is a mirror selfie and wrote, "The calm to a storm,The storm to a calm! To many more milestones ahead." One of the fans wrote, "Omg cutiees." Another wrote, "Wow." Trisha and Vijay first starred together in the 2004 film Ghilli. They acted in Aathi, Thirupachi, and Kuruvi later on, reuniting after years for Lokesh Kanagaraj's 2023 film Leo.

Thalapathy Vijay's film The Greatest Of All Time (GOAT), directed by Venkat Prabhu, is believed to be his last film before he joins full-time politics.

With Thalapathy Vijay portraying dual roles, The Greatest Of All Time boasts an ensemble cast including Prashanth, Prabhu Deva, and Meenaakshi Chaudhary. Filming for this film has progressed swiftly, spanning locations from Chennai to Sri Lanka, Thailand and Hyderabad, with the current schedule in Kerala. In Kerala, shooting started at the Greenfield International Stadium in Thiruvananthapuram on March 18, marking Vijay's return to Kerala after 14 years since his last film, Kaavalan, in 2011. Fans had expressed their excitement by erecting billboards at the stadium to welcome the acclaimed actor.

There is another reason why Thalapathy Vijay's fans are eagerly looking forward to watching GOAT. As per the reports, actress Trisha Krishnan may grace the screens with her cameo role in this film. Trisha and Vijay's impeccable on-screen chemistry has been loved by the viewers; thus, news of the former's cameo has piqued the excitement for the film. It is reported that she has already completed shooting for her scenes, among which is a song. The convergence of Vijay's on-screen charisma, Venkat Prabhu's directorial prowess, and an ensemble cast promise an enthralling cinematic experience, eagerly anticipated by viewers. AGS Entertainment has backed The Greatest Of All Time.Besides the films, Thalapathy Vijay has also hit the headlines for voicing opinions against the Indian Citizenship Amendment Act 2019.

Karan Kundrra

Reacts To Armaan Malik Entering Bigg Boss OTT 3 With 2 Wives: 'Not Able To Handle One...'

Bigg Boss OTT 3 has been generating quite a buzz for itself. Right from the controversial contestants to the new host, Anil Kapoor, the show has its fans on their toes. Bigg Boss alum Karan Kundrra has reacted to Armaan Malik entering the house with his two wives."The premiere of Bigg Boss OTT 3 is going on and Armaan Malik has reached the show with his trio. That means Armaan Malik has reached the 'Bigg Boss' house with both his wives. You are blessed," Karan said in a video.

Karan added, "People here are not able to handle even one and you have brought two, that too to the Bigg Boss house. Kalesh pro max hone wala hai, you wait for a few days."

Earlier, Devoleena Bhattacharjee had expressed her dissatisfaction with Armaan's entry into the show. "Do you think this is entertainment? This is not entertainment, it's filth. Don't make the mistake of taking this lightly because it's not just a reel, it's real. I mean, I can't even understand how anyone can call this shameless entertainment? I feel disgusted just hearing about it. Gross. I mean, in just 6/7 days love happened, marriage happened, and then the same thing with the wife's best friend. This is beyond my imagination," she posted on X.Bigg Boss OTT 3 contestants list for this year includes social media Kataria, Chandrika Dixit aka Vada Pav Girl, actor Ranvir Shorey, vlogger Shivani Kumari, actor Sana Makbul Khan, social media influencer Vishal Pandey, journalist Deepak Chaurasia, actor Sai Ketan Rao, tarot card reader Munisha Khatwani, actor and model Sana Sultaan Khan, boxer Neeraj Goyat, rapper Naved Shaikh aka Naezy, and actor Poulomi Das.

Sonakshi Sinha-Zaheer Iqbal Wedding Bash: Riteish-Genelia Guests; Diljit Dosanjh to Also Attend?

Following speculations of Sonakshi Sinha and Zaheer Iqbal's wedding reception, News18 Showsha had exclusively reported that it would be a star-studded affair. Celebrities like Aayush Sharma, Huma Qureshi, Varun Sharma, Sanjay Leela Bhansali, Fardeen Khan, Taha Shah Badussha, Aditi Rao Hydari, Sharmin Segal Mehta and others are expected to grace their big day at Bastian in Mumbai's Dadar. Reportedly, a registered marriage is taking place today with the couple already having hosted an indoor party for friends and family on June 20. A mehendi ceremony took place on June 21.And now, we've exclusively learned the names of more Bollywood stars who will be a part of the party at the high-end restaurant that's slated to take place tonight. A reliable source tells us, "Sonakshi shares a good camaraderie with most of her peers in the industry. Needless to say, the reception will see some of the most popular names including two popular Bollywood couples – Riteish Deshmukh (who's Sonakshi's co-star in the upcoming film Kakuda), Genelia Deshmukh, Jackky Bhagnani, and Rakul Preet Singh."The source further adds, "Additionally, screenwriter and author Mushtaq Sheikh and Panchayat fame actor Asif Khan are also confirmed guests at the party. Salman Khan who has been Sonakshi and Zaheer's mentor may also make it. However, there's no clarity on the same yet." And now, wait for the clincher! Another little birdie tells us that Diljit Dosanjh who's making heads turn globally may also make his presence felt at Bastian.

This source says, "Diljit is currently in Mumbai. He has been in the city since the last week for meetings and other commitments. The singer-actor and Sonakshi had shared screen space in the 2018 comedy film Welcome To New York and struck a rapport. In 2017, they also collaborated on a song titled Move Your Lakk for the film Noor. With him being in the bay, there are strong chances that he too might make it."On a related note, Sonakshi and Zaheer's union has been making news of an alleged conflict between her and her family. However, all of that has been put to rest now as Shatrughan Sinha told Times Now recently, "No one from my family said anything about a wedding. Too much attention is being given to something that is a private family matter. Shaadiyan sab ke ghar hoti hain. Pre-wedding conflicts are also common. We are all okay now. Whatever stress there was has been sorted out."

Ahmed Khan Reveals Sridevi Bribed Kids At Mr India Set To Teach Her Break Dance: 'Offered Us Ice Cream'

Anil Kapoor and Sridevi starrer Mr India is considered one of the cult classic films. Directed by Shekhar Kapur, the film is still very popular among the masses. But recently filmmaker and choreographer Ahmed Khan, who worked as a child artist in the film, revealed that Sridevi used to bribe kids so that they could teach her break dance.

Talking to Siddharth Kannan, Ahmed Khan recalled the days at Mr India's set and said, "We were shooting the hospital scene after the bomb blast when a character dies, it was a serious scene. During that shoot, she took us to one of the doctor's rooms and offered us ice cream. She told us, 'I'm not giving you this because I like you, you have to teach me break dancing.' Then we taught her some moves. That's where our friendship began."

He further added saying that Sridevi was reserve in nature. "Sridevi was reserved, as everyone knows. As a child actor, I observed that she would be reserved off-camera, but once the camera started rolling, she became Seema, her character in the film, and would snap out of it as soon as the director said cut. It was like Michael Jackson, who spoke softly but exploded on stage. We would think, 'How did she do this?' She was mahaan (great). Initially, she wasn't friendly with us, but eventually, she became very friendly," he was quoted saying.Mr. India was released in 1987. Sridevi's performance, particularly in the song "Hawa Hawai," became iconic.

Ahmed Khan is currently busy in the shooting of Welcome To The Jungle. It will star Akshay Kumar Paresh Rawal, Disha Patani, Jacqueline Fernandez, Arshad Warsi, Suniel Shetty, Johnny Lever, Shreyas Talpade, Tusshar Kapoor.Last year, when the makers dropped the teaser announcement of the film, it took the nation by storm. The actors were seen singing a peppy revised version of the title song of Welcome, but with a twist.